मरुधर का महाविकसित
श्री भाण्डवपुर तीर्थ

Bhandvpur

संकलन : मुनि आनन्द विजय

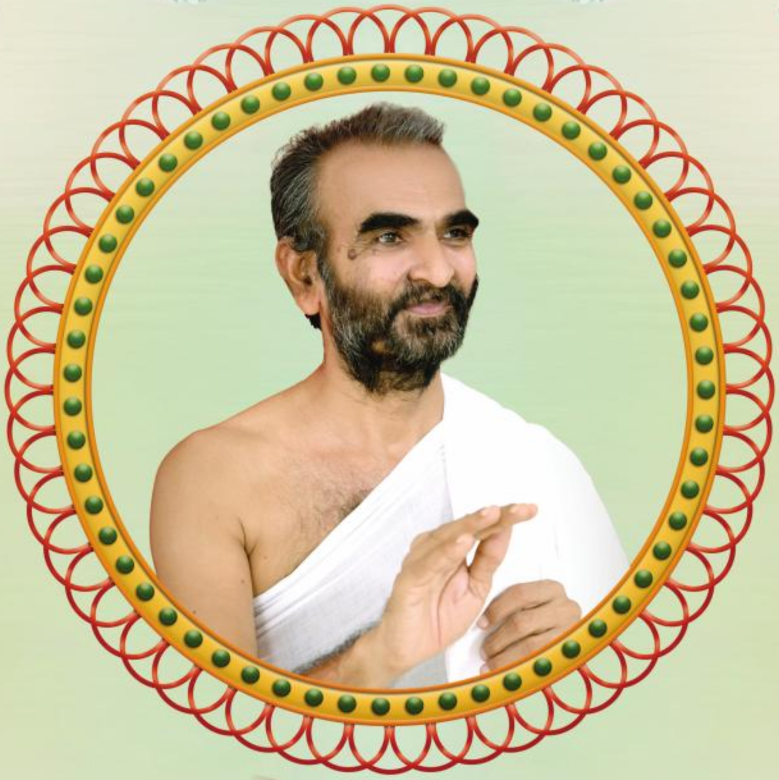

पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर,

योगिराज श्री शान्तिविजयजी म.सा. के सुशिष्य रत्न

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक

आ.श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. के

५० वें दीक्षा दिन

(वि.सं.2080, पोष सुद-6, दि. 16-1-2024)

के उपलक्ष में

सादर समर्पित

	भाण्डवपुर तीर्थाधिपति श्री वर्धमान स्वामिने नमः	
	विश्व पूज्य प्रभुश्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन सूरीश्वर गुरुभ्यो नमः	
	कृपासिंधु योगिराज श्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः	

Bhandvpur
AAB

मरुधर का महाविकसित
श्री भाण्डवपुर तीर्थ
अब...

संकलन : मुनि आनन्द विजय

द्रव्य सहायक

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढी ट्रस्ट
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय (ट्रस्ट) संघ,
भाण्डवपुर तीर्थ,
वाया-सायला, जिला-जालोर, (राज.) 343022

प्रकाशन

यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा, अहमदाबाद (गुज.)

कृति

मरुधर का महाविकसित श्री भाण्डवपुर तीर्थ अब

दिव्याशीष

प.पू. पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेन सूरीश्वरजी म.सा.
प.पू. तपसम्राट श्री शान्ति विजयजी म.सा.

आशीर्वाद

धर्मदिवाकर गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी म.सा.
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्रीमद् विजय जयरत्न सूरीश्वरजी म.सा.

संकलनकर्ता

मुनि आनन्द विजय. मुनि जितरत्न विजय

संपादक

कुलदीप 'प्रियदर्शी' उदयपुर

छायांकन

'श्री नाकोड़ा स्टुडिओ' रघुनन्दन पारीक– भीनमाल

प्रकाशक

यतीन्द्र वाणी प्रकाशन – मोटेरा – अहमदाबाद

द्रव्य सहायक

श्री महावीर जैन श्वे. पेढी ट्रस्ट, भाण्डवपुर तीर्थ, जिला–जालौर (राज.)

प्रकाशन संवत्

विक्रम मं. 2080, कार्तिक पूनम, 27–11–2023

प्रतियाँ

4000

मूल्य

सद्वाँचन

प्रकाशन स्मृति

श्री तत्त्वत्रयी प्रतिष्ठोत्सव 19 फरवरी–2024

मुद्रक

जैनम् ग्राफिक्स – अहमदाबाद

श्री महावीर बावन जिनालय

श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मंदिर

श्री शाश्वत जिनचैत्य गणधर पूर्वाचार्य मंदिर

: लाभार्थी :

शा. मिश्रीमलजी, हस्तीमलजी, पारसमलजी
बेटा पोता भबूताजी छत्राणी पालगोता चौहान परिवार, सुराणा

विश्वपूज्य गुरुदेव

श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर

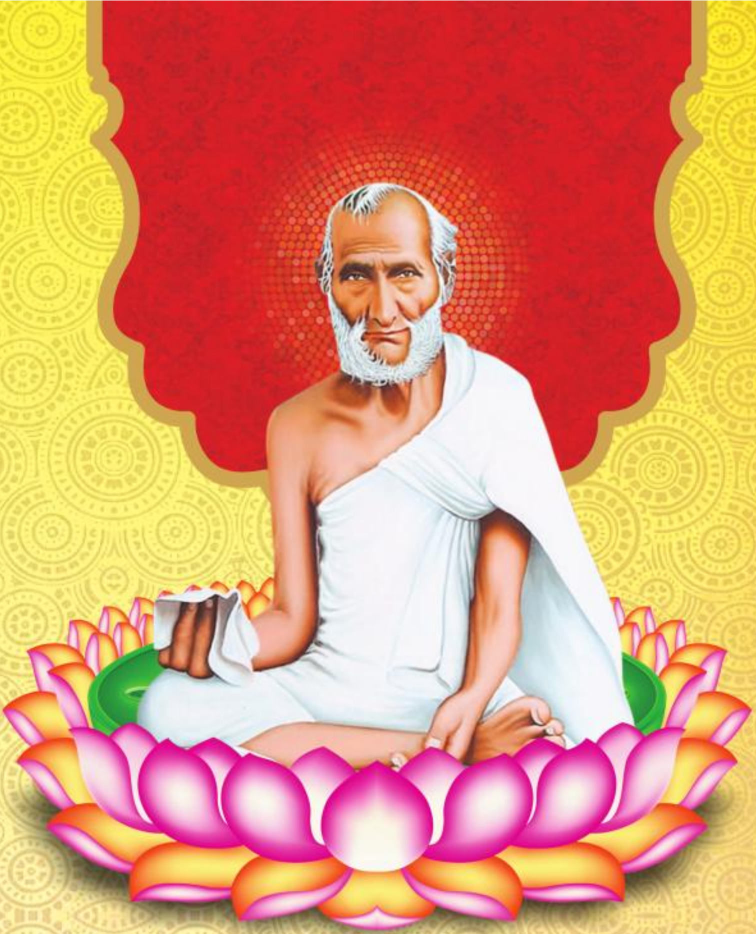

: निर्माण लाभार्थी :

श्रीमती गुणीदेवी सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

पुण्यसम्राट

श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी समाधि मन्दिर

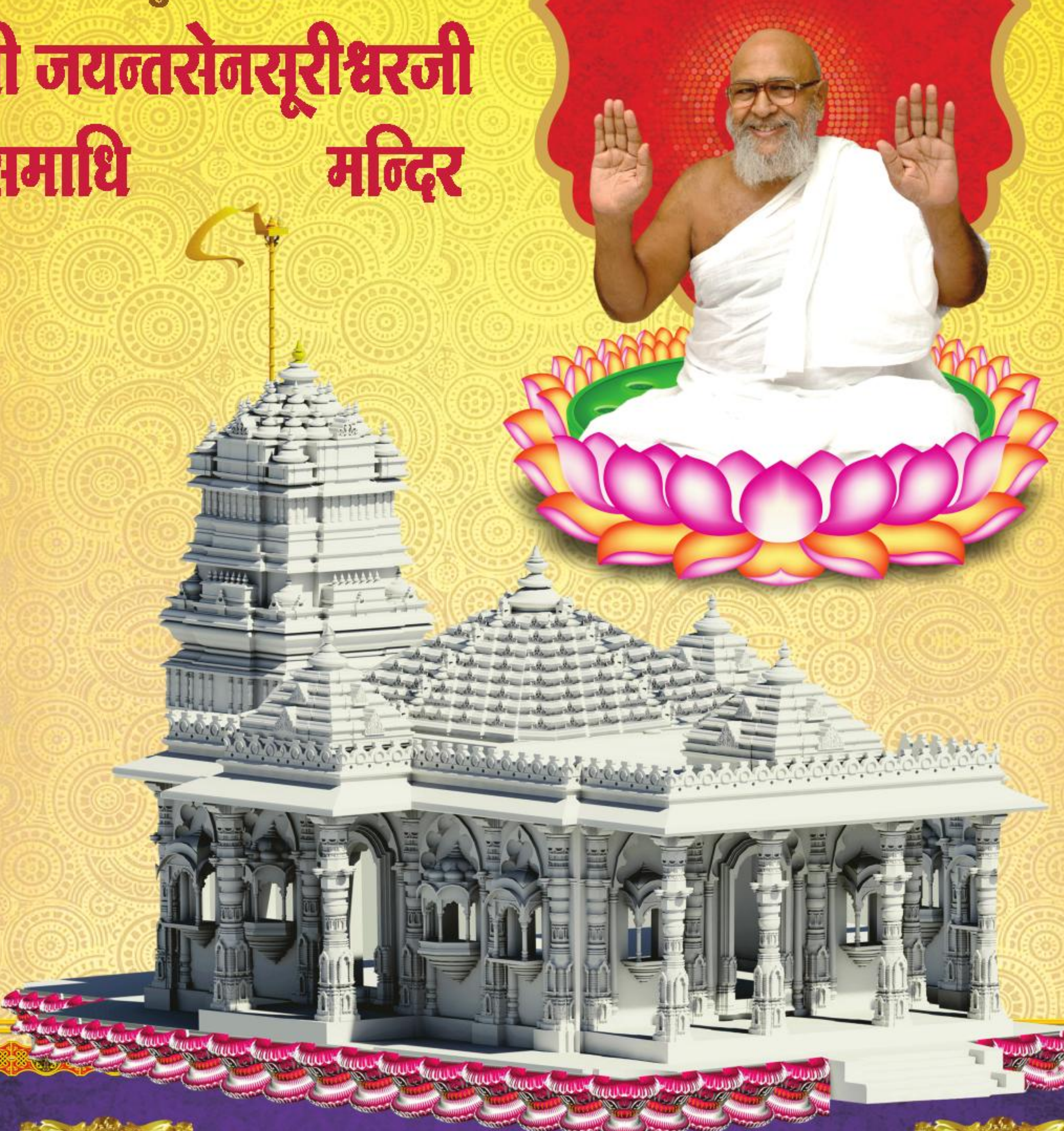

शा. मुन्नीलालजी हिराणी

श्री मंगलचंदजी हिराणी

: निर्माण लाभार्थी :

रेवतडा (राज.) निवासी

पू. पिताश्री मुन्नीलालजी कुन्दनमलजी एवं

श्री मंगलचंदजी कुन्दनमलजी हिराणी के दिव्याशिष से

मातुश्री कमलादेवी, फेन्सीदेवी की शुभ भावनानुसार

पुत्र-पुत्रवधु : दिनेशकुमार-चन्द्रादेवी, महावीरकुमार-मंजुदेवी, राजेन्द्रकुमार-रेखादेवी, अजयकुमार-संगीतादेवी, गजराज-मीनादेवी, विनोदकुमार-पिंकीदेवी, अशोककुमार-अंजनादेवी, दीपककुमार-सुमनदेवी, पौत्र-पौत्रवधु : मोन्टुकुमार-भव्यादेवी, रिषभकुमार-वैशालीदेवी

पौत्र-पौत्री : साहिल, निलेश, आगम, रियाँश, दक्ष, पर्व, अर्पिता, इशीका, हिनल, रीषिता,दिया, छ्वि, रिद्धिमा, दीहा, आरवी,

प्रतिष्ठान : दीपक ट्रेडर्स, चैन्नई * गुरुराज इम्पेक्स प्रा.लि. मुंबई

प.पू. आचार्यदेव श्रीमद् विजय

जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.

परिचय

नाम	:	आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
जन्म नाम	:	पूनमचंदजी
जन्म तिथि	:	मगसर वदी १३ (तेरस) १९९३, गुजराती तिथि-कार्तिक वदी १३
जन्म दिनांक	:	11-12-1936, शुक्रवार
जन्म स्थल	:	पेपराल (गुजरात)
पिताश्री	:	स्वरूपचंदजी
माताश्री	:	पार्वती देवी
गौत्र	:	धरू
मुनि नाम	:	मुनिराज श्री जयंतविजयजी
दीक्षा तिथि	:	माघ सुदि 4 (चौथ) २०१०
दीक्षा दिनांक	:	7-2-1954, रविवार
दीक्षा स्थल	:	सियाणा (राज.)
गुरु नाम	:	आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	:	कार्तिक सुदी ११ (एकादशी) २०१२
बड़ी दीक्षा दिनांक	:	26-11-1955, शनिवार
बड़ी दीक्षा स्थल	:	राजगढ़ (म.प्र.)
आचार्य पद नाम	:	आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	:	माघ सुदी १३ (तेरस) २०४०
आचार्य पद दिनांक	:	15-2-1984, बुधवार
आचार्य पद स्थल	:	भाण्डवपुर तीर्थ, (राज.)
कालधर्म तिथि	:	वैशा. वदी ५ (पंचमी) २०७४ (कार्तिक सं.२०७३), (गुजराती तिथि- चैत्र वदी ५ (पंचमी)
कालधर्म दिनांक	:	16-4-2017, रविवार (रात्रि ११:३० बजे)
अंतिम संस्कार तिथि	:	वैशा. वदी ७ (सप्तमी) २०७४ (कार्तिक सं.२०७३) गुजराती तिथि - चैत्र वदी ७ सप्तमी
अंतिम संस्कार दिनांक	:	18-4-2017, मंगलवार,
समाधि मंदिर	:	भाण्डवपुर तीर्थ (राज.)
कुल आयु	:	80 वर्ष, 4 महिना, 5 दिन

गुरुश्री

शान्ति विजयजी समाधि मन्दिर

प.पू.महानतपस्वी

श्री शान्तिविजयजी म.सा.

परिचय

नाम	:	संयमवय: स्थविर श्री शान्तिविजयजी म.सा.
जन्म नाम	:	देवारा
जन्म तिथि	:	वि.सं. १९७६, कार्तिक कृष्णा ३
जन्म स्थल	:	पिथापुरा (रौआ) भण्डार, जिला. सिरोही (राज.)
पिताश्री	:	भगवानजी
माताश्री	:	ज्योतिबाई
वंश	:	रबारी
गौत्र	:	ढगल
मुनि नाम	:	मुनिराज श्री शान्तिविजयजी म.सा.
दीक्षा तिथि	:	वि.सं. २००३, ज्येष्ठ कृष्णा ६
दीक्षा स्थल	:	हरजी, जिला. जालोर (राज.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्रीमद् विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
संस्कार गुरु	:	जगत्गुरु विजय शान्तिसूरीश्वरजी म.सा. (माण्डोली)
बड़ी दीक्षा तिथि	:	वि.सं. २००४
बड़ी दीक्षा स्थल	:	थराद, जिला. बनासकाँठा (उ.गु.)
स्थविर पद नाम	:	संयमवय: स्थविर श्री शान्तिविजयजी म.सा.
पद प्रदान तिथि	:	वि.सं. २०४०, माघ शुक्ला १३
पद प्रदान दिनांक	:	15-2-1984, बुधवार
पद प्रदान स्थल	:	भाण्डवपुर तीर्थ (राज.)
महाअभिग्रह	:	श्री सम्मेतशिखरजी के यात्रार्थ अन्न का त्याग एवं 23 वर्षो तक मात्र दुग्ध आहार
श्री शिखरजी तीर्थयात्रा	:	वि.सं. २०३९, दि. फाल्गुन कृष्णा ८, दि. 7-3-1983
पारणा	:	फाल्गुन कृष्णा १२, दि. 11-3-1983, शुक्रवार
देवलोक गमन	:	वि.सं. २०५३, ज्येष्ठ शुक्ला १०
अंतिम संस्कार	:	वि.सं. २०५३, ज्येष्ठ शुक्ला ११
समाधि मंदिर	:	श्री भाण्डवपुर तीर्थ, जिला. जालोर (राज.)
कुल आयु	:	72 वर्ष, 7 महिना, 21 दिन
शिष्य	:	आचार्य विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. मुनिराज श्री अशोक विजयजी म.सा.
प्रशिष्य	:	मुनि आनन्द विजयजी, मुनि अमृत विजयजी, मुनि जिनरत्नविजयजी म.सा., मुनि पुष्पदन्त विजयजी, बालमुनि जितरत्न विजयजी
गुण-वैशिष्ट्य :		तप-जप एवं स्वाध्याय-साहित्य-वाँचन आदि
अनुभव ज्ञान	:	साधना-सिद्धि-रसायनसिद्धि, रत्न परीक्षा, औषदीय गुण, स्वर विज्ञान, शकुन विज्ञान, हस्तरेखा, वायु विज्ञान (मानसून) आदि

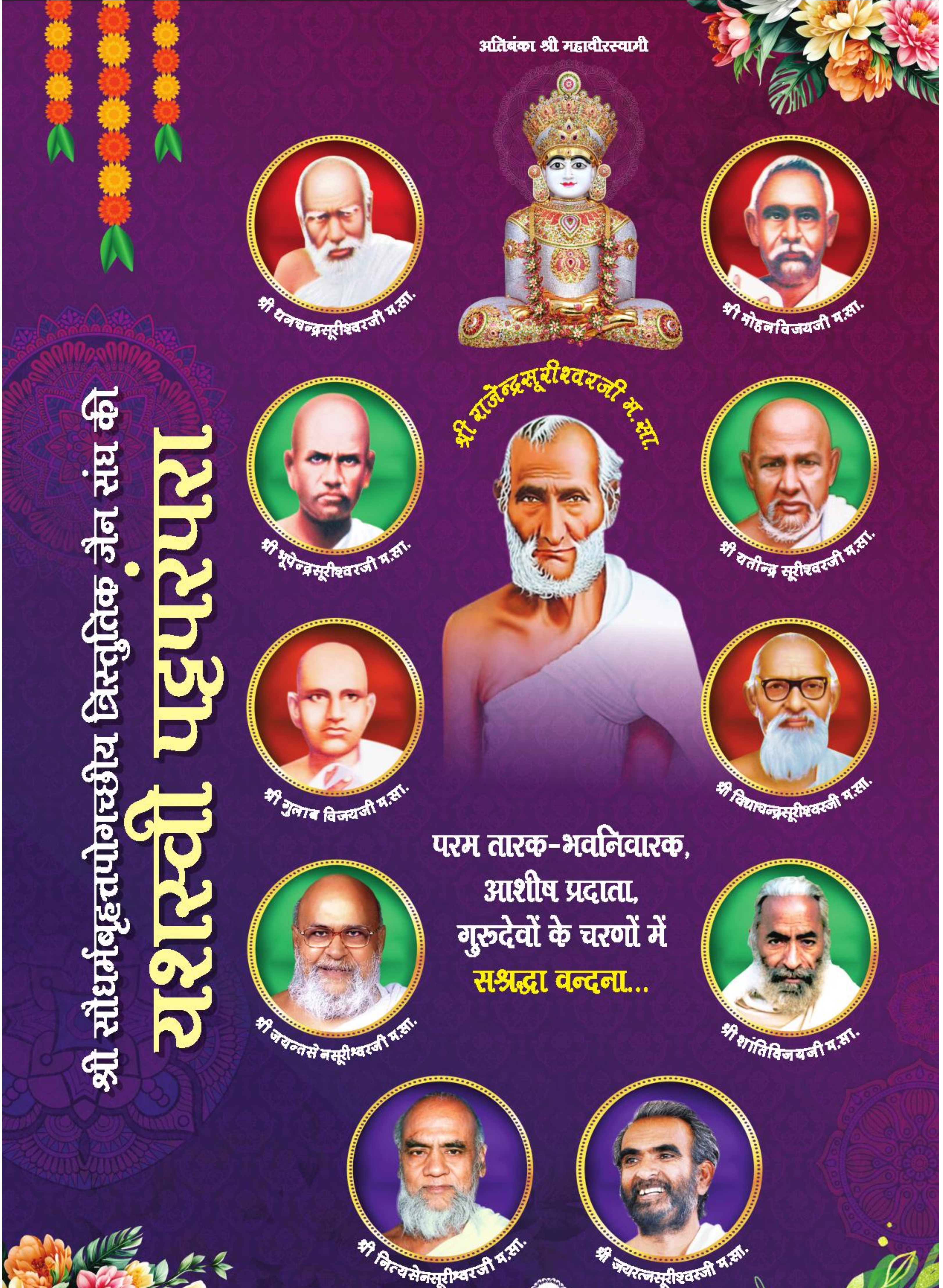

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ की
यशस्वी पट्टपरंपरा
अतिबंका श्री महावीरस्वामी
श्री धनचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
श्री मोहनविजयजी म.सा.
श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
श्री भूपेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
श्री यतीन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.
श्री गुलाब विजयजी म.सा.
श्री विद्याचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
परम तारक-भवनिवारक,
आशीष प्रदाता,
गुरुदेवों के चरणों में
सश्रद्धा वन्दना...
श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
श्री शांतिविजयजी म.सा.
श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा.
श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा.

भाण्डवपुर तीर्थे तत्त्वत्रयी प्रतिष्ठा महोत्सव निश्रा दाता

पेपराल तीर्थ स्वप्नदृष्टा
धर्मदिवाकर प.पू. गच्छाधिपति
श्रीमद् विजय
नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा.

श्री भाण्डवपुर तीर्थ विकास स्वप्न दृष्टा,
सूरिमंत्र आराधक, स्पष्टवक्ता,
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक
आचार्यदेव श्रीमद् विजय
जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा.

विक्रम संवत् 2070 वैशाख कृष्णा-12 दि.6-5-2013

श्री महावीर जिनालय मुख्य गंभारा में शिलान्यास लाभार्थी

मुख्य शिलास्थापन

श्री सुखसागर चेरीट्रेबल ट्रस्ट, मेंगलवा, दिल्ली
श्रीमती देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता, मेंगलवा

पूर्व दिशा में : श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन श्वे. संघ पेढी लवाणा (उत्तर गुजरात)

पश्चिम दिशा में : शा. जुगराजजी मुन्नीलालजी ओबाणी, पोषाणा

उत्तर दिशा में : शा. दरगचन्दजी हरकचन्दजी संकलेचा, मेंगलवा

दक्षिण दिशा में : शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा मिलियन ग्रुप, सुराणा, दिल्ली

ईशान कोण में : शा. नेनमलजी साहेबचन्दजी बालगोता, मेंगलवा

अग्नि कोण में : शा. राणमलजी हिम्मताजी श्रीश्रीश्रीमाल, दाधाल

नैऋत्य कोण में : शा. पृथ्वीराजजी पुखराजजी झोटा, दाधाल

वायव्य कोण में : शा. कुन्दनमलजी मोटाजी भूताणी, पोषाणा

जिमणी तरफ देवकूलिका में शिलान्यास लाभार्थी :

मुख्य, ईशान, अग्नि, नैऋत्य, वायव्य सहित सभी शिला

शा. गेबचन्दजी शिवराजजी धुडाजी छत्रियावोरा, जीवाणा, ह. मदनराज

दाहिनी (डाबी) देवकुलिका में शिलान्यास लाभार्थी :

मुख्य शिला : श्रीमती सकुदेवी साँकलचन्दजी नेथीजी हुकमाणी-पाँथेडी

ईशान, अग्नि, नैऋत्य, वायव्य सभी चारों शिला

मातुश्री गंगादेवी रतनचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता, मेंगलवा, ह. गौतमचन्द

श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर भूमिपूजन

विक्रम संवत् 2075 भाद्रपद शुक्ला 4 दिनांक 13-9-2018
लाभार्थी : शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा, सुराणा

पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेन सूरीश्वरजी समाधि मन्दिर भूमिपूजन

लाभार्थी : श्रीमती देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता, मेंगलवा
सुखसागर चेरीट्रेबल ट्रस्ट, मेंगलवा, दिल्ली, चैन्नई

श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर शिलान्यास

विक्रम सं0 2075 आश्विन शुक्ला-2 दि. 10-10- 2018

१ मुख्य शिला स्थापन-लाभार्थी

शा. मुनिलालजी मंगलचन्दजी हिराणी-रेवतडा

२ पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी समाधी मन्दिर मुख्य शिलान्यास लाभार्थी

शा. सूर्यप्रकाशजी मिश्रीमलजी भण्डारी परिवार, जोधपुर, बी.एम. शाह, चैन्नई

द्वारशाख स्थापन मुहूर्त

विक्रम संवत 2077 आश्विन शुक्ला-10 दि. 25/10/2020

श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरुमंदिर द्वारशाख स्थापन

लाभार्थी : शा. मीठालालजी फुसालालजी छोगाजी कंकुचौपडा, मेंगलवा

पुण्यसम्राटश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी समाधि मन्दिर

शा. नेमीचन्दजी छगनराजजी हरकचन्दजी गोवाणी, चौराऊ

गुरु श्री शान्तिविजयजी समाधि मन्दिर

शा. रमेशकुमार कीर्तिलाल दलसुखभाई देसाई, थराद (अहमदाबाद)

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-1

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री गवरीदेवी हीराचंदजी की पुण्य स्मृति में
शा. चन्दनमल, डायालाल, अमीचंद, कान्तिलाल, पारसमल
बेटापोता शाह समरथमलजी मुलतानमलजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री अजितनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्री सोनावाला तारदेव जैन संघ, मुम्बई
शा. कानराजजी तिलोकचंदजी रामजीजी हुकमाणी, पाँथेडी

देवकुलिका नं-2

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री शान्तिदेवी सुपुत्र शाह नेमीचंद, सुरेशकुमार, जीतमल, प्रवीणकुमार, किरण,
अंकित, मोन्टी, दीक्षित, संयम, सुमित, मोक्ष, शासन, ध्वज **बेटापोता**
शाह नागराजजी नरसाजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री सम्भवनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. नेमीचंदजी नागराजजी झोटा, दाधाल

देवकुलिका नं-3

गम्भारा के लाभार्थी

शा. पुखराज, मोहनलाल, सुमेरमल, सरेमल, कान्तिलाल, कपूरचंद, प्रकाशकुमार, दिनेश, हीराचंद, विमल,
राजेश, जयन्तिलाल, सुरेश, संजय, भरत, राकेश, गौतम, आकाश, अक्षय, भावेश, अंकुश,
राहुल, जितेन्द्र, ऋत्विक, क्रिश, लोकेश, गणपत, दिलीप, नमन, दर्शन, मयंक, लक्ष, दिशान्त, दर्श, नक्ष
बेटापोता शाह सोनमलजी प्रागाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

प्राचीन त्रिगड़ा मूर्ति : श्री आदिनाथजी, मल्लिनाथजी, अजितनाथजी

देवकुलिका नं-4

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री शान्तिदेवी सुपुत्र शाह ललितकुमार, मदनलाल,
दीपककुमार, अंकुश, आकाश, सौरभ, शुभम्, नमन बेटापोता
शाह छतरचंदजी वेजाजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री अभिनन्दनस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. लालचंदजी (ललितकुमार) छत्तरचंदजी झोटा, दाधाल

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-5

गम्भारा के लाभार्थी

श्रीमती रमकुदेवी पुत्र राणमलजी पत्नी रतनदेवी की पुण्य स्मृति में
शा. पारसमल, थींगडमल, कान्तिलाल, कुन्दनमल , जयन्तिलाल, प्रवीणकुमार, गणपतकुमार, सुरेशकुमार
ललितकुमार, नरेश, मनीष, अंकुश, विशाल, जैनम्, मीत, हेमन्त, अक्षत, प्रियांशु, बेटापोता
शाह पारसमलजी मिश्रीमलजी कटारिया संघवी परिवार, दाधाल

श्री सुमतिनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती रतनदेवी राणमलजी संघवी–दाधाल

देवकुलिका नं-6

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री मोवनदेवी ओटमलजी एवं पुत्र जीतमल की पुण्य स्मृति में
शा. चम्पालाल, रमेशकुमार, नरपतराज, राजेश, भरत, प्रकाश, हीरालाल,
प्रवीण, अंकित, गगन, सज्जन, हितेन, हेत बेटापोता
शा ओटमलजी रूपाजी छत्रिया वोहरा परिवार, सुराणा

श्री पद्मप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती मोवनदेवी ओटमलजी छत्रिया वोरा, सुराणा

देवकुलिका नं-7

गम्भारा के लाभार्थी

शा. बाबुलाल–कमलादेवी, रूपचंद–कमलादेवी, धीरजकुमार–संगीतादेवी, मुकेशकुमार–अनितादेवी,
विमलकुमार–एकतादेवी, राकेशकुमार–डिम्पलदेवी, पुत्री रेखा, पिंकी, पौत्र जिनेन्द्र, विनय, मित, युग
बेटापोता श्रीमती ढेलीबाई गेबाजी श्री श्री श्रीमाल नेणगौत्र परिवार, मेंगलवा

श्री सुपार्श्वनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. बाबुलाल, रूपचंदजी गेबाजी डामराणी, मेंगलवा

देवकुलिका नं-8

गम्भारा के लाभार्थी

शा. कान्तिलाल–गीतादेवी, महिपाल–रिंकुदेवी, सुमितकुमार–डिम्पलदेवी,
पुत्री कविता, प्रीति, पौत्री : ईविशा, पौत्र : वारूश, जैनित बेटापोता
शाह गेबाजी धर्माजी डामराणी श्री श्री श्रीमाल नेणगौत्र परिवार, मेंगलवा

श्री चन्द्रप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती गीतादेवी कान्तिलाल गेबाजी डामराणी, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-9

गम्भारा के लाभार्थी

संघवी श्रीमती मोहनदेवी जेठमलजी एवंपुत्र पृथ्वीराजजी की पुण्य स्मृति में
शा. जेठमल, लक्ष्मणराज, प्रेमचंद, गौतमचंद, गणपतराज, ललितकुमार, विक्रमकुमार, पुष्पककुमार, विमलकुमार, चिरागकुमार, प्रदीपकुमार, नितेशकुमार, पक्षाल, नींव, श्रेयांश, भविक, निहित, विरांश **बेटापोता परपोता**
शाह हस्तीमलजी कीनाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

श्री सुविधिनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. माँगीलालजी जसराजजी (वडेर) फोलामुथा-सायला

देवकुलिका नं-10

गम्भारा के लाभार्थी

संघवी मातुश्री मोहनदेवी साँवलचंदजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
शा. पारसमल, सुरेशकुमार, दिनेशकुमार, कैलाशकुमार, जयन्तकुमार, बिलेश, श्रीकेष, दीक्षिल, पूरव, सुविध, **बेटापोता शाह साँवलचंदजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार, मेंगलवा**
फर्म: फाइब्रॉस कुन्दन ग्रुप, दिल्ली-चेन्नई-मुम्बई

श्री शीतलनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. पारसमलजी साँवलचंदजी बालगोता, मेंगलवा

देवकुलिका नं-11

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री झमुबाई पुत्र माँगीलालजी अंदाणी की पुण्य स्मृति में
पत्नि कमलादेवी, शान्तिलाल-पुष्पादेवी, लुकचन्द-फैन्सीदेवी, महावीरकुमार-ममतादेवी, नरेशकुमार-पवनीदेवी, प्रदीपकुमार-संगीतादेवी, राजेन्द्रकुमार-रीनादेवी, युगी, नील, नीतु, पिंकी, ममता, प्रियंका, स्वीटी , काजल, लब्धी **बेटापोता शाह रिखबचंदजी गेबाजी पारख परिवार, सुराणा**

श्री श्रेयांसनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्री सोनावाला तारदेव जैन संघ, मुम्बई
शा. कानराजजी तिलोकचंदजी रामजीजी हुकमाणी, पाँथेड़ी

देवकुलिका नं-12

गम्भारा के लाभार्थी

शा. हरकचंदजी, सुखराजजी, बाबुलालजी पुत्र लादाजी की पुण्य स्मृति में
शा. भँवरलाल, मनोहरमल, जुगराज, चन्दनमल, कान्तिलाल, स्वरूपचंद
बेटापोता लादाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

श्री वासुपूज्यस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. लादाजी परिवार हभंवरलालजी संकलेचा, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-13

गम्भारा के लाभार्थी

श्रीमती शान्तिदेवी-गणेशमलजी, श्रीमती रेशमीदेवी-जेठमलजी पुत्र : जयन्तिलाल, गौतमचंद, रतनचंद, मूलचंद, विजयराज, महावीरकुमार, मिलापचंद, हँसमुख, राहुल, अक्षय, केतन, मेहुल कुशल, रियांशु, जैनम् **बेटापोता शाह सागरमलजी प्रागाजी संकलेचा परिवार**
प्रागाणी ग्रुप, मेंगलवा

श्री विमलनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. जयन्तीलालजी गुणेशमलजी संकलेचा, मेंगलवा

देवकुलिका नं-14

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री सुलोचनादेवी-खुशालचंदजी पुत्र उत्तमचंद-पुष्पादेवी,
रमेशकुमार-चन्द्रादेवी-विद्यादेवी, हरीशकुमार-रेखादेवी, गुलशनकुमार-पूजादेवी,
अमनकुमार-काजलदेवी, यश, भावेश, गौरव, पुत्री संगीता, जया, पौत्री करिश्मा, करीना, ईशा
धुन **बेटापोता शाह गेबाजी श्री श्री श्रीमाल नेणगोता डामराणी परिवार, मेंगलवा**

श्री अनन्तनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. किशोरीलालजी दीपचन्दजी पालगोता-चौहान-उम्मेदाबाद (गोल)

देवकुलिका नं-15

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री मेथीदेवी रामजीजी की पुण्य स्मृति में
शा. कानराज, तिलोकचंद, डायालाल, मुकेशकुमार, ललितकुमार नेमीचंद, महावीर,
चेतन, दिलीप, रौनक, मोक्ष, आदी **बेटापोता शाह रामजीजी सोनाजी हुकमाणी परिवार, पाँथेडी**
फर्म: शा. रामजीजी सोनाजी एण्ड कम्पनी, रौनक ज्वेलर्स, मुम्बई

श्री धर्मनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. कानराजजी तिलोकचंदजी रामजीजी हुकमाणी, पाँथेडी

देवकुलिका नं-16

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री शान्तिदेवी-दुधमलजी
शा. खुशालचंद, डायालाल, पृथ्वीराज, प्रेमचंद, मदनराज, गौतमचंद, रतनचंद,
ललित, जितेन्द्र, चेतन, राहुल, जतीन, दीक्षित, हितेश, तन्मय,
बेटापोता शाह दूधमलजी माणकचंदजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

श्री कुन्थुनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. डायालालजी दुधमलजी संकलेचा, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-17

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री टिपूदेवी पुखराजजी झोटा की पुण्य स्मृति में
पुत्र : शा. चम्पालाल-सुखीदेवी, बाबुलाल, रतनदेवी, चन्दनमल-रोहिणीदेवी, ललितकुमार, किरणकुमार, विनोदकुमार, चेतनकुमार, विक्रमकुमार, हर्ष, अंश, कुश, प्रियांश, वीरांश
बेटापोता शाह पुखराजजी पूलमचंदजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री अरनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. मीठालालजी मनोहरमलजी (ऑडिटर) झोटा-दाधाल

देवकुलिका नं-18

गम्भारा के लाभार्थी

पिताश्री भंवरलालजी कुन्दनमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
श्रीमती वीजूदेवी, पुत्र : महावीरकुमार-रश्मिदेवी, अमृतकुमार-त्रिशलादेवी
पौत्र : मिलनकुमार-काजलदेवी, विक्कीकुमार, लक्कीकुमार एनी
समस्त बालगोता परिवार, मेंगलवा * फर्म: के. सी. कुन्दन ग्रुप, मुम्बई-दिल्ली

श्री मल्लिनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती वीजूदेवी भंवरलालजी कुन्दनमलजी बालगोता, मेंगलवा

देवकुलिका नं-19

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री सकुदेवी- सुपुत्र श्री बगतावरमलजी सुपौत्र कमलेशकुमार की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : कान्तिलाल, फतेहराज, रमेशकुमार, राजेशकुमार , प्रकाशकुमार, नरपतकुमार, श्रीपालकुमार, रवीन्द्रकुमार, नरेशकुमार, भरतकुमार, अभिषेक,भावेश, समकित, योनिक, द्विज
बेटा पोता शाह साँकलचंदजी नेथीजी हुकमाणी परिवार, पाँथेड़ी

श्री मुनिसुव्रतस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती सकुदेवी धर्मपत्नी सांकलचंदजी नेथीजी हुकमाणी, पाँथेड़ी

देवकुलिका नं-20

गम्भारा के लाभार्थी

शा. सम्पतराज, प्रवीणकुमार, मुकेशकुमार, पंकजकुमार, राहुलकुमार, उमेशकुमार,भाविक, यश, कल्प, कुंज, नभ, जीयान, **बेटापोता**
शाह भेरमलजी केशाजी हुकमाणी परिवार, पाँथेड़ी

प्राचीन त्रिगड़ा श्री शान्तिनाथजी, ऋषभदेवजी, महावीरस्वामीजी मूर्ति

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-21

गम्भारा के लाभार्थी

पिताश्री जेठमलजी, मातुश्री पानीबाई, भ्राताश्री राजेशकुमार की पुण्य स्मृति में
पुत्र शा. महेन्द्रकुमार-सुशीलादेवी, कैलाशकुमार, मीनादेवी, अक्षयकुमार-डिम्पलदेवी, विपुलकुमार-निकितादेवी, विनीत, अंकिता, विनीता, रिया, **समस्त शाह जेठमलजी देवाजी भंडारी परिवार, सुराणा**
फर्म: एम. एम. भंडारी, बैंगलोर

श्री नमिनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

सोना ग्रुप, मुम्बई-धुम्बड़िया

देवकुलिका नं-22

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री संगुबाई साँकलचंदजी वाणीगोता की पुण्य स्मृति में
पुत्र : मनोहरमल-गुलाबीदेवी, पौत्र : जयन्तिलाल-ज्योतिदेवी, डायालाल-चन्द्रादेवी, मुकेशकुमार-भागुदेवी, गणपतराज-ऊषादेवी, किशोरकुमार-पिंकीदेवी, प्रपौत्र : खुशाल, देव, जैनम्, आशीष, प्रपौत्री : आयुषी, खुशी, कसीस, पार्श्वी वाणीगोता परिवार, तिलोड़ा

अनागत चौवीसी 1. श्री पद्मनाभस्वामीजी

श्रीमती शान्तिदेवी डूँगरचन्दजी मुणोत-तिलोड़ा

देवकुलिका नं-23

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री नाथीदेवी इन्द्रमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
शा. जुगराज, शान्तिलाल, जितेन्द्रकुमार, यशकुमार
बेटापोता शाह इन्द्रमलजी जुठाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

अनागत चौवीसी 2. श्री सूरदेवस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. जुगराजजी इन्द्रमलजी बालगोता, मेंगलवा

देवकुलिका नं-24

गम्भारा के लाभार्थी

शाह पृथ्वीराजजी गेबचंदजी संकलेचा की पुण्य स्मृति में
श्रीमती भाग्यवंतीदेवी, भ्राता : भीकमचंद, पुत्र : पुष्पककुमार-ललितादेवी, प्रफुल्लकुमार-शिखादेवी, कल्पेश, पौत्र : लक्ष, पौत्री : दिवीशा समस्त संकलेचा परिवार, मेंगलवा
फर्म: वैभव लेमिनेट्स, हैदराबाद

अनागत चौवीसी 3. श्री सुपार्श्वस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. पुष्पककुमार पृथ्वीराजजी संकलेचा, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-25

गम्भारा के लाभार्थी

शा. गोकुलचंद, कानराज, रमेशकुमार, नरपतराज, मुकेशकुमार, प्रवीणकुमार, कैलाशकुमार, किरणकुमार, श्रीपालकुमार, चेतन, राहुल, तरूण, साहिल, प्रीतेश, संभव, पर्व, अर्हम्, आरव, **बेटापोता शाह फूलचंदजी प्रतापजी बंदामुथा परिवार, पाँथेडी**

अनागत चौवीसी 4. श्री स्वयंप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्री सम्भवनाथ महिला मण्डल–विजयवाड़ा

देवकुलिका नं-26

गम्भारा के लाभार्थी

श्रीमती पाबूदेवी ओटमलजी गोराजी वेदमुथा परिवार, रेवतडा

अनागत चौवीसी 5. श्री सर्वानुभूतिस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती पाबूदेवी ओटमलजी गोराजी वेदमुथा, रेवतडा

देवकुलिका नं-27

गम्भारा के लाभार्थी

शा. ईश्वरचन्द, मनीषकुमार, हितेशकुमार, मोक्षित, तन्य, जियान, **बेटापोता शाह मिश्रीमलजी जोईताजी बन्दामुथा परिवार, पाँथेडी**

अनागत चौवीसी 6. श्री देवश्रुतस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. ईश्वरचंदजी मिश्रीमलजी बंदामुथा, पाँथेड़ी

देवकुलिका नं-28

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री भूरीबाई, पिताश्री नेणमलजी संकलेचा की पुण्य स्मृति में
शा. बस्तीमल, चन्दनमल, मनोहरमल, कान्तिलाल, रमेशकुमार, पृथ्वीराज, दिनेशकुमार, प्रकाशकुमार, नेमीचंद, विकेशकुमार, राकेशकुमार, शैलेषकुमार, ललितकुमार, मयूर, संजय, पीयूष, दीपक, ऋषभ, पक्षाल, ध्रुव, तक्ष, हितेन, **बेटापोता परपोता शाह नेणमलजी प्रागाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा फर्म : प्रागाणी ग्रुप, बैंगलोर**

अनागत चौवीसी 7. श्री उदयप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. नेणमलजी प्रागाजी संकलेचा, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-29

गम्भारा के लाभार्थी

संघवी मातुश्री नावीदेवी मिश्रीमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
संघवी शा. रमेशकुमार-भाग्यवंतीदेवी, अशोककुमार-गुणवंतीदेवी, दिनेशकुमार-रेखादेवी, हितेशकुमार-खुश्बूदेवी, विनय, विनीता, अक्षत, हियानविदा बेटापोता शाह मिश्रीमलजी केशाजी बालगोता परिवार
फर्मः राजरतन ग्रुप, मेंगलवा-अहमदाबाद

अनागत चौवीसी 8. श्री पेढालस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. रमेशकुमार मिश्रीमलजी बालगोता, मेंगलवा

देवकुलिका नं-30

गम्भारा के लाभार्थी

शा. वरदाजी पूनमचंदजी छोगालाल बेटा सूरताजी फोलामुथा, सायला
संघवी पूनमचंदजी एवंछोगालालजी फोलामुथा की पुण्य स्मृति में
पुत्र संघवी शा. सोहनलाल, माँगीलाल, हीराचंद, जुगराज, ललितकुमार, दिनेशकुमार
बेटापोता शाह वरदाजी सुरताजी फोलामुथा परिवार, सायला

प्राचीन त्रिगड़ा श्री पार्श्वनाथजी, पद्मप्रभस्वामीजी, अजितनाथजी मूर्ति

देवकुलिका नं-31

गम्भारा के लाभार्थी

पिताश्री सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
मातुश्री गुणीदेवी, पुत्र : कान्तिलाल-लीलादेवी, गौतमचंद-धापियादेवी, हरीशकुमार-किरणादेवी, दिनेशकुमार-शिल्पादेवी, रितेशकुमार-पूजादेवी, विवेक, जैनिल, सिद्ध, लिनोय, यांशी बेटापोता शाह सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

अनागत चौवीसी 9. श्री पोटिलनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता, मेंगलवा

देवकुलिका नं-32

गम्भारा के लाभार्थी

शा. ताराचंद, वेणीचंद, किशोर, राजेश, नरेन्द्र, कमलेश, दिलीप, यशपाल,
श्रीकान्त, अंकुश, आशुतोष, आयुष, यतीन्द्र, परम, ऋषभ, वैभव, नमन, रियांश
बेटापोता शाह तेजराजजी, जेठमलजी, बदाजी हुकमाणी परिवार पाँथेड़ी
फर्मः तेजराज बदाजी एण्ड कम्पनी, मुम्बई

अनागत चौवीसी 10. श्री शतकीर्तिनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. कुन्दनमलजी जेठाजी हुकमाणी, पाँथेड़ी

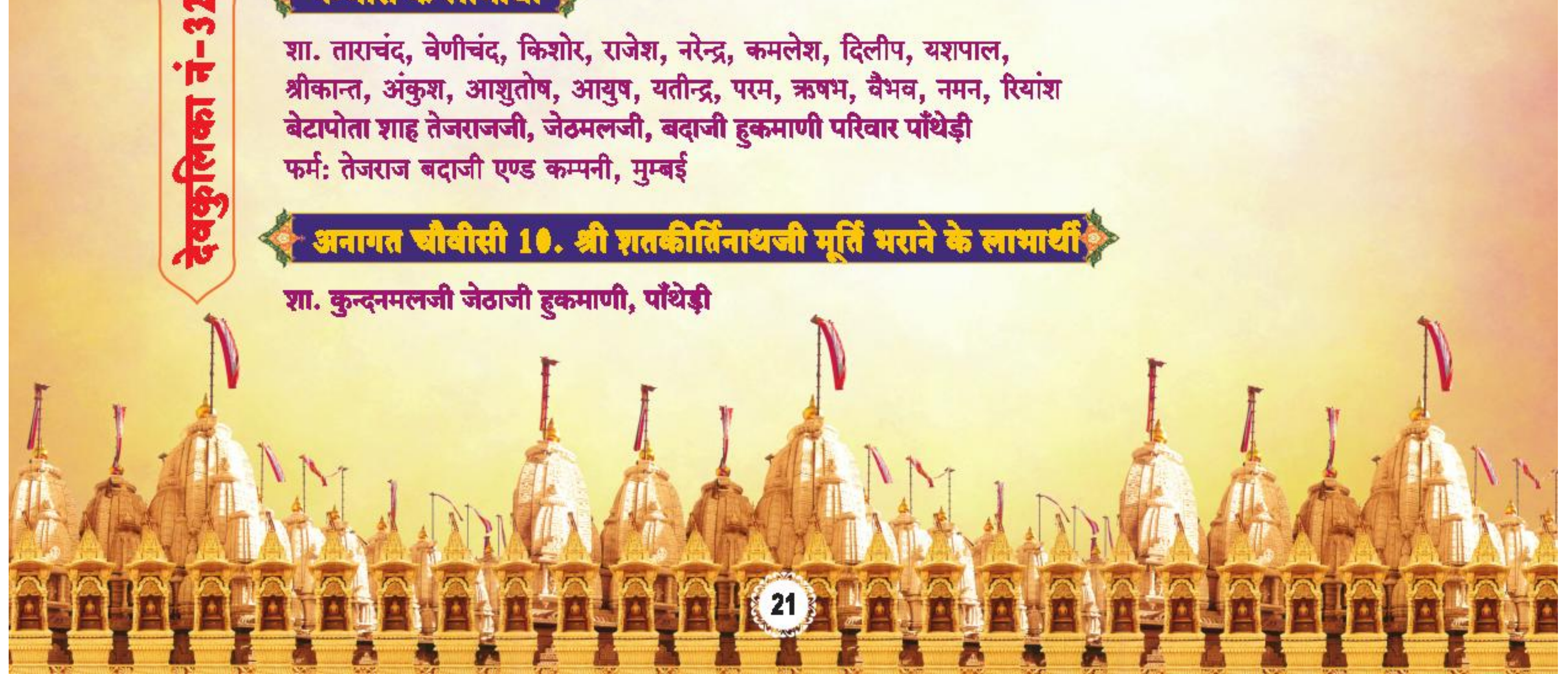

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-33

गम्भारा के लाभार्थी

शा. सूरजमलजी सुन्दरदेवी एवं वरधीचंदजी की पुण्य स्मृति में
श्रीमती शान्तिदेवी जुगराजजी के भावनानुसार
श्रीमती सरोजदेवी, पुत्रः प्रवीणकुमार-ललितादेवी, ललीतकुमार-संगीतादेवी, भरतकुमार-कमलादेवी, यश, नेहुल, लक्ष्य, शिखर **बेटापोता शाह छोगमलजी संकलेचा परिवार, दाँसपा**

अनागत चौवीसी 11. श्री सुव्रतनाथजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. जुगराज सुरजमलजी संकलेचा, दाँसपा

देवकुलिका नं-34

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री प्यारीबाई पिताश्री मेघराजजी एवं सुपुत्र बाबुलालजी, गुटराजजी की पुण्य स्मृति में
शा. भँवरलाल, किशोरकुमार, दाडमचंद, कान्तिलाल, मदनलाल, शेषमल, अमीचंद, जोगराज, उत्तमचंद, सुरेशकुमार **बेटापोता शाह मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा परिवार, सुराणा**
फर्मः मिलियन ग्रुप, विजयवाडा, दिल्ली, मुम्बई, हरिद्वार, हैदराबाद

अनागत चौवीसी 12. श्री अममनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रिया वोरा, सुराणा

देवकुलिका नं-35

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री संगुबाई-धापुबाई भबुतमलजी की पुण्य स्मृति में
शा. हस्तीमल, पारसमल, दूधमल, कपूरचंद, नरेशकुमार, रमेशकुमार संदीपकुमार, अभिषेक, मोन्टु, ऋत्विक, मितांश, हिआन, **बेटापोता शाह भबुतमलजी छत्राजी पालगोता चौहान परिवार, सुराणा**

अनागत चौवीसी 13. श्री निष्कषायनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. चम्पालालजी, पुखराजजी, पीथाजी पालगोता-चौहान-सुराणा

देवकुलिका नं-36

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री कुकीबाई एवं पुत्रवधु चंचलदेवी की पुण्य स्मृति में
शाह नेनमल, महावीरकुमार, जीतमल, आयुष, संयम, वैराग्य **बेटापोता शाह साहेबचंदजी पूनमचंदजी बालगोता परिवार, मेंगलवा**

अनागत चौवीसी 14. श्री निष्पुलाकनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. नेणमलजी साहेबचंदजी बालगोता, मेंगलवा

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-37

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री मोहनदेवी, पिताश्री दाडमचंदजी झोटा की पुण्य स्मृति में
पुत्र : चम्पालाल-मीनादेवी, प्रकाशकुमार-सुशीलादेवी, पौत्र : ललितकुमार,
विकेशकुमार-खुश्बूदेवी, पौत्री : निकिता, प्रपौत्र : पर्व समस्त
शाह दाडमचंदजी बाबुलालजी झोटा परिवार, दाधाल

अनागत चौवीसी 15. श्री निर्ममनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. भीमराजजी जुठाजी छत्रियावोरा-सुराणा

देवकुलिका नं-38

गम्भारा के लाभार्थी

शाह हरखचंदजी केशरीमलजी, देवीचंदजी पुखराजजी गोवाणी की पुण्य स्मृति में
श्रीमती हंजादेवी, सुखीदेवी, शा. मांगीलाल-बबलीदेवी, रमेशकुमार-फैन्सीदेवी, नरपतकुमार-सुशीलादेवी,
प्रवीणकुमार-वदामीदेवी, महेन्द्र, विक्रम, प्रदीप, राजेन्द्र, महावीर, अक्षय, खुश, मोक्ष,
वैभव, हर्षिल, प्रणील, जयन्त समस्त शाह जामताजी नागौत्रा सोलंकी परिवार, चौराऊ (मैसूर)

अनागत चौवीसी 16. श्री चित्रगुप्तनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. मांगीलालजी केशाजी गोवाणी, चौराऊ

देवकुलिका नं-39

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री वदामीबाई कुन्दनमलजी एवं भ्राता बाबुलालजी की पुण्य स्मृति में
शा. भँवरलाल-पवनीदेवी, कान्तिलाल-प्रकाशदेवी, हरीशकुमार-रेखादेवी, आकाशकुमार-कवितादेवी,
चेतनकुमार-शिल्पादेवी, कुलदीप, आगम बेटापोता शाह लादाजी छत्रगोता मलाणी परिवार, चौराऊ

अनागत चौवीसी 17. श्री समाधिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. भँवरलाल कुन्दनमलजी छत्रगोता, चौराऊ

देवकुलिका नं-40

गम्भारा के लाभार्थी

शा. पृथ्वीराजजी पुखराजजी झोटा की पुण्य स्मृति में
मातुश्री रूपीदेवी धर्मपत्नी कान्तादेवी, भ्राता कान्तिलालजी
भतीज- मुकेशकुमार, हितेशकुमार, पुत्र - राजीवकुमार-पिंकीदेवी, संजयकुमार-वीणादेवी, पुत्री-काजल,
पौत्र-पौत्री - रिहाना, ध्रुवी, तक्ष, प्रिशा, मनन समस्त झोटा परिवार, दाधाल

अनागत चौवीसी 18. श्री संवरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. पृथ्वीराजजी पुखराजजी झोटा, दाधाल

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-41

गम्भारा के लाभार्थी

सेठ कुन्दनमलजी, रिखबचंदजी, मुन्नीलालजी, सुमेरमलजी, घेवरचंदजी,
रूपराजजी, गुलाबचंदजी पुत्र अशोककुमार की पुण्य स्मृति में
सेठ माँगीलाल, भँवरलाल, चम्पालाल, प्रकाशकुमार, महेन्द्रकुमार
समस्त सेठ शाह हरकचंदजी साहेबचंदजी ताराजी लुंकड परिवार, उम्मेदाबाद (गोल)

अनागत चौवीसी 19. श्री यशोधरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती सीतादेवी मनोहरमलजी साँवलचन्दजी वाणीगोता-बागोड़ा

देवकुलिका नं-42

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री रमकुदेवी कुन्दनमलजी संकलेचा की पुण्य स्मृति में
पुत्र : रतनचंद-कंचनदेवी, पुत्री : माँगीदेवी, सुपौत्र : विक्रमकुमार-खुश्बूदेवी,
विमलकुमार-निकितादेवी, विपुलकुमार-मुस्कानदेवी, प्रपौत्र : ऊर्व, प्रपौत्री : यशा
अचिरा शाह कुन्दनमलजी अन्नाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

अनागत चौवीसी 20. श्री विजयनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. रतनचंद कुन्दनमलजी संकलेचा, मेंगलवा

देवकुलिका नं-43

गम्भारा के लाभार्थी

शा. समरथमलजी, पुखराजजी, लादमलजी, भँवरलालजी, हस्तीमलजी अंदाणी की पुण्य स्मृति में
शा. हेमराज, सुमेरमल, लक्ष्मणराज, योगराज, रमेशकुमार, दिनेशकुमार, उत्तमचंद, अशोककुमार, राजेन्द्रकुमार,
जयन्तिलाल, गौतमचंद, पूनमचंद, दिलीपकुमार, चेतन, विक्रम, संदीप, कार्तिक, दीपक, देवेन्द्र, लेखेन्द्र, निकित,
शुभम्, अमन, आर्यन, गौरव, चिराग, दीक्षित, **बेटापोता शाह समरथमलजी छोगाजी अंदाणी परिवार, सुराणा**

अनागत चौवीसी 21. श्री मल्लिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती मेतादेवी समरथमलजी अंदाणी, सुराणा

देवकुलिका नं-44

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री शान्तिदेवी पिताश्री माणकचंदजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
पुत्र शा. तिलोकचंद, जुगराज, प्रकाशचंद, गौतमचंद, मूलचंद, भरत, दिलीप,
संजय, मनीष, वरूण, अंकुश, पवन, प्रिन्स, हितार्थ, **बेटापोता**
शाह माणकचंदजी छोगाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

अनागत चौवीसी 22. श्री देवनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती शान्तिदेवी माणकचंदजी बालगोता, मेंगलवा

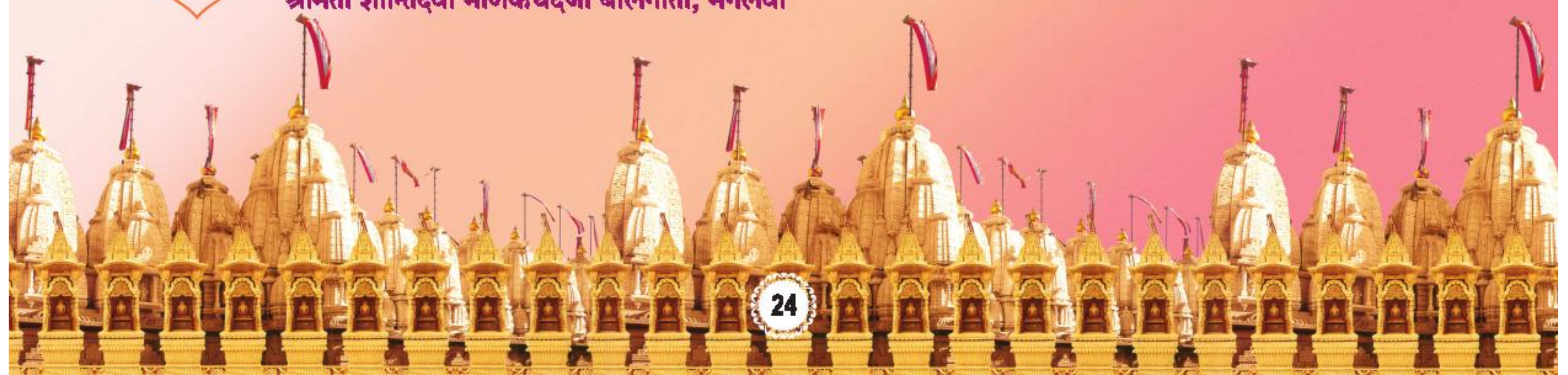

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-45

गम्भारा के लाभार्थी

श्री दियावट पट्टी जैन संघ, मुम्बई
श्री दियावट पट्टी जैन संघ, मुम्बई- स्थापना सन् १९९१
'रजत जयन्ति' के उपलक्ष में

अनागत चौवीसी 23. श्री अनन्तवीर्यस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्री दियावट पट्टी जैन संघ, मुम्बई

देवकुलिका नं-46

गम्भारा के लाभार्थी

पिताश्री मिश्रीमलजी भंडारी की पुण्य स्मृति में
धर्मपत्नी चाँदकँवर, सुपुत्र : सूर्यप्रकाश-उषाकँवर, सुपौत्र : कुणालकुमार-मोनिकाकँवर,
हर्षितकुमार-पूजाकँवर, जयन्त **समस्त शाह मिश्रीमलजी खेमचंदजी भंडारी परिवार**
फर्म: बी. एम. शाह., चैन्नई-जोधपुर

अनागत चौवीसी 24. श्री भद्रंकृतस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

देवकुलिका नं-47

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री बक्षुदेवी साँवलचंदजी, मातुश्री सुंगीदेवी भीमराजजी की पुण्य स्मृति में
शा. जावँतराज, प्रेमचंद, किशोरकुमार, महेन्द्र, गौतम, मुकेश, भरत, जितेन्द्र, विक्रम, रिधान
बेटापोता शाह मिश्रीमलजी मादाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

प्राचीन त्रिगड़ा मूर्ति श्री नेमिनाथजी, सुमतिनाथजी, चन्द्रप्रभस्वामीजी मूर्ति

देवकुलिका नं-48

गम्भारा के लाभार्थी

सायला निवासी शा. कान्तिलालजी बागुचन्दजी कबदी की पुण्यस्मृति में
धर्मपत्नी : हेमलतादेवी, भतीज : रमेशकुमार जुगराजजी, पुत्रवधु : सन्तोषकुमार-रेखादेवी,
पुत्री : पिंकीबाई, पूनमबाई, टीनाबाई, हीनाबाई, पौत्र-पौत्री : युविक, डीजा, तन्वी
बेटापोता बागुचन्दजी पुनमचन्दजी कबदी परिवार, प्रतिष्ठान : एडीक्शन ईलेकट्रीकल, विजयवाडा

श्री पुण्डरीकस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

श्रीमती हेमलतादेवी कांतिलालजी बागुचन्दजी कबदी, सायला

श्री महावीर 52 जिनालय के विविध लाभार्थी

देवकुलिका नं-49

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री बदामीदेवी (असलीबाई) सरेमलजी कोठारी की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र- शा. माणकचन्द, स्व. चम्पालाल, भँवरलाल, पृथ्वीराज, दिनेशकुमार, राजेशकुमार, मुकेशकुमार, राकेशकुमार, केतनकुमार, मेहूलकुमार, विशालकुमार, विवेक, प्रियंक, मोक्ष, आर्य, अव्य, कबीर बेटापोता
शा. सरेमलजी कपूरचन्दजी हिन्दुजी कोठारी परिवार-भीनमाल

सीमंधरस्वामी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. माणकचन्दजी सरेमलजी कोठारी-भीनमाल

देवकुलिका नं-50

गम्भारा के लाभार्थी

मातुश्री सुआबाई लालचन्दजी भंडारी की प्रेरणा से
पुत्र-पुत्रवधु : शा. धीरजकुमार-मंगलीदेवी, जयंतिलाल-पुष्पादेवी, विजय-सुमन, प्रकाश-मीना,
पौत्र-पौत्रवधु : कैलाश-हेमलता, सुरेश-पिंकी, प्रेम-रचना, भरत-अभिषेक, मिनोल, ऋषि * पौत्री : साक्षी, टीशा
* प्रपौत्र : क्रिश, स्पर्श, लक्ष * प्रपौत्री : स्तुति, छवी, सिमी, सान्वी
समस्त शाह लालचन्दजी उम्मेदमलजी हाँसाजी भंडारी परिवार
प्रतिष्ठान : minox माईनोक्स मेटल प्रा.लि. - बैंग्लोर, चैन्नई, अहमदाबाद

प्राचीन श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथजी मूर्ति

देवकुलिका नं-51

गम्भारा के लाभार्थी

श्री शान्तिनाथ जैन श्वेताम्बर पेढ़ी, शान्तिपुरा-सायला
श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर पेढी, सायला

प्राचीन श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथजी मूर्ति

देवकुलिका नं-52

प्राचीन मूलनायकजी श्री महावीरस्वामीजी मूर्ति

रंगमंडप में श्री पार्श्वनाथ देवकुलिका जीमणी तरफ

शाहजी जामतराजजी, अचलराजजी
बेटा पोता धनराजजी, शाहजी गुमानमलजी भोमराजजी,
शाहजी मनोहरमलजी, पुखराजजी, सुमेरमलजी, कानराजजी
बेटा पोता जुगराजजी भोमराजजी की पुण्यस्मृति में
शा. पृथ्वीराज, मदनराज, रमेशकुमार, सुरेशकुमार, महेन्द्रकुमार,
जितेन्द्रकुमार, सुनीलकुमार, कैलाशकुमार, प्रदीपकुमार, रीधम
समस्त शाहजी परिवार, पाँथेडी

रंगमंडप में श्री पार्श्वनाथ देवकुलिका डाबी तरफ

मातुश्री शान्तिदेवी माँगीलालजी गोवाणी के भावनानुसार
सुपुत्र : शा. दिपीलकुमार-प्रमिलादेवी,
रमेशकुमार-संगीतादेवी, जेठमल-ललितादेवी
सुपुत्री : गीतादेवी, कंचनदेवी, संगीतादेवी, संतोषदेवी, नीतुदेवी
सुपौत्र : निलेशकुमार-शिल्पादेवी, हरीशकुमार-नीलमदेवी,
डोनेशकुमार-मोनिकादेवी, नवीनकुमार-कोमलदेवी, गौरवकुमार-हिमांशी
प्रपौत्र : जय, युवान, चिंतन * सुपौत्री : पूजा, निशा, आयुषी
प्रपौत्री : भवि, श्रेष्ठा, प्रेक्षा
समस्त रुपाजी गोवाणी परिवार, चौराऊ

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम पत्र 1. श्री आराचाराङ्ग सूत्रम्

प्रथम आचाराङ्ग सूत्र में जीवन शुद्धि को श्रेष्ठ बनाने का मार्ग बताया गया है । सभी जीवों के साथ आत्मीय भाव रखना आवश्यक है । पृथ्वीकाय, अप्काय, तेउकाय,वायुकाय, वनस्पतिकाय, त्रसकाय इन छ: प्रकार के जीवों की रक्षा कर आचार शुद्धि कैसे करना ? इस सूत्र में दर्शाया गया है। वर्तमान में प्रथम आगम पर ४०,५२९ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
दादीश्री चम्पादेवी मातुश्री गवरीदेवी हीराचंदजी एवं भ्राता स्व. चंदनमलजी की पुण्य स्मृति में
शा. डायालाल, अमीचंद, कान्तिलाल, पारसमल, दुदमल, प्रकाश, राजेश, नरपत, लक्ष्मण, ललित, महेन्द्र, मुकेश, गौतम, कैलाश, चेतन, अनिल, दिलीप, मनिष, दीपक, विवेक, नवीन, प्रियंक निराग, मिलन, प्रियंक, विपुल, कलश, द्रव्य
बेटापोता शा समरथमलजी मुलतानमलजी झोटा परिवार, दाधाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
स्व. शा. हीराचन्दजी समरथमलजी की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : दरियादेवी, वदामीदेवी, भँवरीदेवी, कमलादेवी, मन्जूदेवी
पुत्री : लसुबाई, मीनाबाई समस्त **हीराचन्दजी झोटा परिवार, दाधाल**

श्री सीमन्धरस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. हीराचन्दजी समरथमलजी झोटा–दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. शान्तिलालजी मुनीलालजी संघवी–आलासन

आगम-पत्र 2. श्री सूत्रकृताङ्ग सूत्रम्

द्वितीय सूत्रकृताङ्ग में विश्व में व्याप्त षड्दर्शन व विविध दर्शनों की अपूर्णता दर्शाकर स्याद्वाद सिद्धान्त की स्थापना की । साध्वाचार एवं नारकीय दुःखों का वर्णन है । इस आगम के अध्ययन से श्रद्धा दृढ़ होती है । २१०० श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है । ४१७५० श्लोक आधारित साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : मातुश्री शान्तिदेवी सुपुत्र शाह नेमीचंद, सुरेशकुमार, जीतमल, प्रवीणकुमार, किरण, अंकित, मोन्टी, दीक्षित, संयम, सुमित, मोक्ष, शासन, ध्वज बेटापोता शाह **नगराजजी नरसाजी झोटा परिवार, दाधाल**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : मातुश्री शान्तिदेवी, सुपुत्री : मन्जु, मधु, पुत्रवधु : मन्जूदेवी, गुलाबीदेवी, रीटादेवी, विमलादेवी पिंकीदेवी, लतादेची, रिंकुदेवी पौत्री : कोमल, अंकिता, काजल, एनी, साविया, मोक्षा एवं
समस्त नगराजजी नरसाजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री युगमन्धरस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. नेमीचन्दजी नगराजजी झोटा–दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. नेमीचन्दजी नगराजजी झोटा–दाधाल

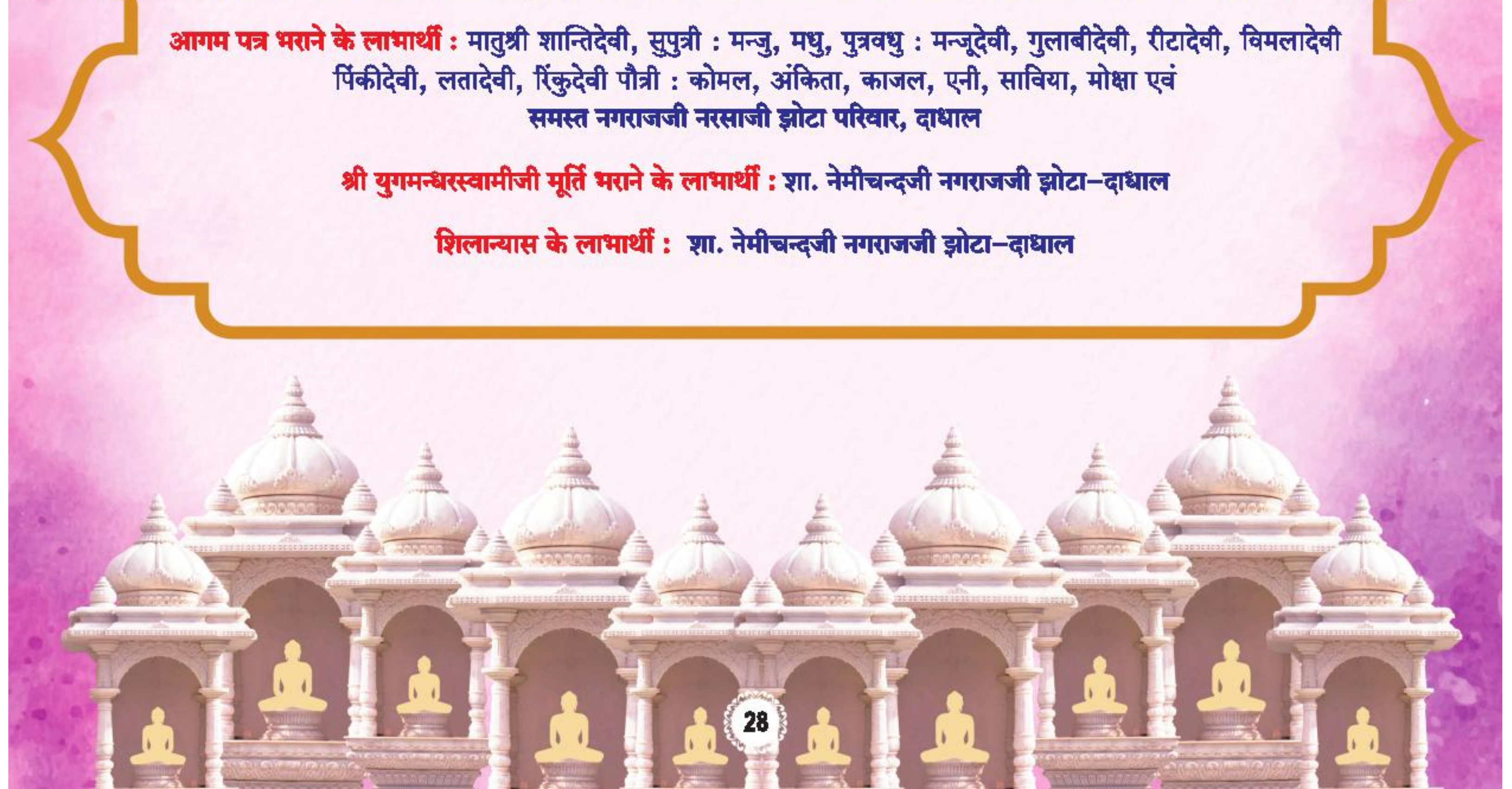

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 3. श्री ठाणाङ्ग सूत्रम्

तृतीय ठाणाङ्ग सूत्र में जगत् के भिन्न-भिन्न पदार्थों को १ से १० तक में वर्गीकृत किया गया है । आत्मतत्त्व को पहचानने में उपयोगी-अनुपयोगी पदार्थों की विवेचना की है । कौतूहल वृत्ति का शमन होने के पश्चात् तत्त्वज्ञान स्थिर होता है । इस सिद्धान्त को सम्यक् प्रकार से इस आगम में समझाया गया है । ३७०० श्लोक प्रमाण यह सूत्र है । ४२०५४ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान हैं ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री शान्तिदेवी सुपुत्र शाह ललितकुमार, मदनलाल, दीपककुमार, अंकुश, आकाश, सौरभ, शुभम्, नमन
बेटापोता शाह छतरचंदजी वेजाजी झोटा परिवार, दाधाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री शान्तिदेवी, सुपुत्री : सुशीलादेवी, पुत्रवधुः मन्जुदेवी, भागुदेवी, पूजादेवी
सुपौत्री : डिम्पल, मुस्कान **शा. छतरचन्दजी वेजाजी झोटा परिवार, दाधाल**

श्री बाहुस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी

शा. लालचन्दजी छतरचन्दजी वेजाजी झोटा-दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. गेबीचन्दजी शिवराजजी छत्रियावोरा-जीवाणा

आगम-पत्र 4. श्री समवायाङ्ग सूत्रम्

चतुर्थ समवायाङ्ग सूत्र में १ से १०० तक की संख्या में वस्तुओं का निरूपण कर कोड़ा कोड़ी तक की संख्या वाले पदार्थों का निर्देश है । अन्त में समस्त द्वादशाङ्गी (सर्व आगमों) का संक्षिप्त परिचय, तीर्थंकर-कुलकर-चक्रवर्ती-वासुदेव-बलदेव-प्रतिवासुदेव आदि का वर्णन वर्णित है । १६६७ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ५४४२ श्लोक प्रमाण सहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

श्रीमती रमकुदेवी पुत्र राणमलजी पत्नी रतनदेवी की पुण्य स्मृति में
शा. पारसमल, धींगडमल, कान्तिलाल, कुन्दनमल , जयन्तिलाल, प्रवीणकुमार, गणपतकुमार, सुरेशकुमार
ललितकुमार, नरेश, मनीष, अंकुश, विशाल, जैनम्, मीत, हेमन्त, अक्षत, प्रियांशु, **बेटापोत्ता**
शाह पारसमलजी मिश्रीमलजी कटारिया संघवी परिवार, दाधाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री रमकुदेवी के विविधतप अनुमोदनार्थ
स्व. श्रीमती रतनदेवी, गुलाबीदेवी, रतनदेवी, दमयन्तीदेवी, रेखादेवी पुत्रवधु
शा. पारसमलजी मिश्रीमलजी कटारिया संघवी, दाधाल

श्री सुबाहुस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. पारसमलजी मिश्रीमलजी कटारिया संघवी-दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. पारसमलजी मिश्रीमलजी कटारिया संघवी-दाधाल

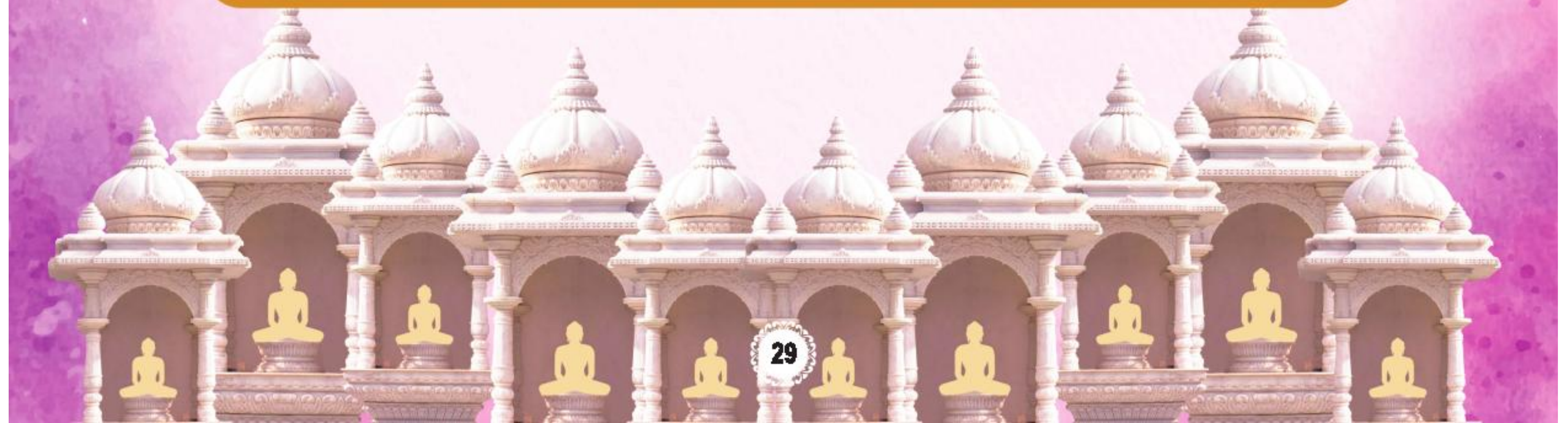

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 5. श्री भगवती सूत्रम्

पंचम भगवती सूत्र में श्री गौतमस्वामीजी द्वारा श्री वीर प्रभु से पूछे गए ३६००० प्रश्नों का सुन्दर समाधान है । अन्य गणधर-श्रावक-श्राविका एवं अनेक अजैनों द्वारा पूछे गए प्रश्नोत्तर भी हैं । इस आगम में अनेक विषयों का विशिष्ट शैली में गंभीर वर्णन है । गुरुमुख से श्रवण योग्य है । १५७५२ श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है । ५७४४२ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान हैं ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
शा. मफतलाल, दलीचंद, लक्ष्मणराज, नेमीचंद, विक्रम, जुगल, अंकित, कल्पेश, दीपक, विशाल
बेटापोता शाह मानमलजी वीरमाजी कटारीया संघवी परिवार, दाधाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
मातुश्री हापुदेवी मानमलजी की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधुः स्व. कमलादेवी (डी), मन्जूदेवी (एल), मन्जूदेवी, चन्द्रादेवी समस्त
शा. मानमलजी वीरमाजी कटारिया संघवी परिवार, दाधाल (जालोर)

श्री सुजातस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. मानमलजी वीरमाजी कटारिया संघवी-दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : स्व. श्रीमती रिधकुंवर कँवलचन्दजी भण्डारी-जालोर

आगम-पत्र 6. श्री ज्ञाताधर्म कथाङ्ग सूत्रम्

षष्ठ ज्ञाताधर्म कथाङ्ग सूत्र महापुरूषों के जीवन चरित्रों से समृद्ध है । पहले इस आगम में दो अरब छियालीस करोड, पचास लाख कथा-उप कथाएँ थी । आज मात्र १९ कथा उपलब्ध है । बाल जीवों को धर्मानुरागी बनाने के लिए कथानुयोग उत्तम ग्रंथ है । ५४०० श्लोक प्रमाण मूत्र सूत्र है । ९२०० श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
मातुश्री देवुदेवी सुखराजजी बालगोता की पुण्य स्मृति में... शा. मूलचंद * सुपुत्री : मंजुदेवी * पुत्रवधु : संतोषदेवी * पौत्र : विक्रमकुमार * पौत्रवधु प्रियंकादेवी * पौत्री : दीपिका, पूजा * दोहित्र : डियारा-मेंगलवा * प्रपौत्र : ग्रन्थ, अर्थ

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
मातुश्री देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : शा. मूलचंद, सुपुत्री : मन्जूदेवी, पुत्रवधुः सन्तोषदेवी, पौत्रः विक्रमकुमार,
पुत्रवधुः प्रियंकादेवी, पौत्री : दीपिका, पूजा , प्रपौत्र : ग्रन्थ, अर्थ, मेंगलवा

श्री स्वयंप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : मातुश्री देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता-मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : मातुश्री देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता-मेंगलवा

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगमपत्र 7. श्री उपासक दशाङ्ग सूत्रम्

स्थूल प्राणातिपात विरमण व्रत, स्थूल मृषावाद विरमण व्रत, स्वदारा सन्तोष परस्त्रीगमन विरमण व्रत, स्थूल परिग्रह परिमाणव्रत, दिग्परिमाण व्रत,भोगोपभोग विरमण व्रत, अनर्थदण्ड विरमण व्रत, सामायिक व्रत, देशावगासिक व्रत, पौषध व्रत, अतिथि संविभाग व्रत,सप्तम उपासक दशाङ्ग सूत्र में भगवान श्री महावीर प्रभु के बारह व्रतधारी मुख्य दस श्रावकों की जीवनी का संक्षिप्त रोचक वर्णन है। जो आदर्श श्रावक जीवन का बोध प्रदायक है । गौशालक का महामाहण महागोप, महासार्थवाह और महानिर्यामक की उपमाओं का यथार्थ वर्णन है । ८१२ श्लोक प्रमाण मूत्र सूत्र है । १६१२ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
पिताश्री रतनचंदजी कुन्दनमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
मातुश्री गंगादेवी * पुत्र : गौतमचंद, विमलकुमार * पौत्र : सिद्ध, नील * रतनगंगा ग्रुप, मेंगलवा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
पिताश्री रतनचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
मातुश्री गंगादेवी, पुत्री : कंकुदेवी, भागुदेवी, सवितादेवी, पुत्रवधु : सवितादेवी, ज्योतिदेवी, पौत्री : लारा, रिया * रतनगंगा ग्रुप, मेंगलवा

श्री ऋषभाननस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. गौतमचन्दजी रतनचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता–मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. गौतमचन्दजी रतनचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता–मेंगलवा

आगम-पत्र 8. अन्तकृत दशाङ्ग सूत्रम्

अष्टम अन्तकृत दशाङ्ग सूत्र में अन्तकृत केवलि भगवंतों का वर्णन है । अन्त समय में केवल ज्ञान प्राप्त कर अन्तर्मुहूर्त में मोक्ष पधारे, उन्हें अन्तकृत केवली कहते हैं । द्वारिका नगरी के वर्णन से इस आगम का शुभारंभ होता है । द्वैपायन द्वारा द्वारिका का विनाश, अर्जुनमाली, अईमुत्ता मुनि एवं श्री शंत्रुजय तीर्थ का भी अधिकार है । साथ ही श्रेणिक राजा की तेबीस रानीयों की तपश्चर्या का सुन्दर वर्णन है । ८५० श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है । १२५० श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
श्रीमती गेरँदेवी जेठमलजी बालगोता, सुपुत्र : शा. लालचंद, गौतमचंद, महेन्द्रकुमार, नरेन्द्रकुमार
बेटा पोता शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार, मेंगलवा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
श्रीमती गेरँदेवी जेठमलजी बालगोता, सुपुत्र : शा. लालचन्द, गौतमचन्द, महेन्द्रकुमार, नरेन्द्रकुमार,
बेटापोता शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार, मेंगलवा (जालोर)

श्री अनन्तवीर्यस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता–मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता–मेंगलवा

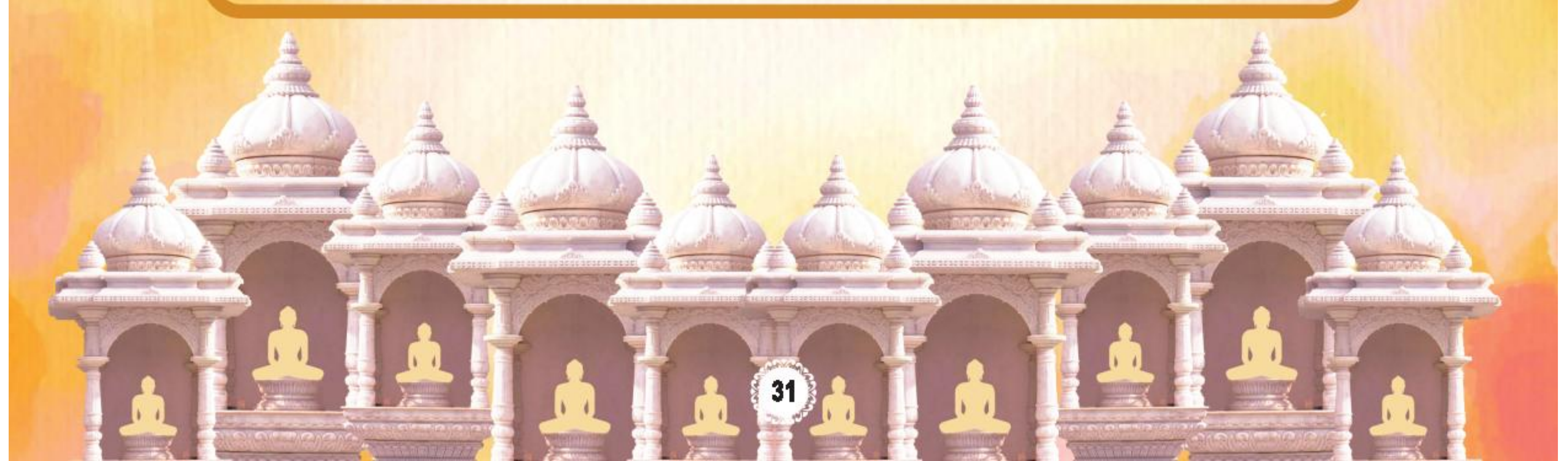

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 9. श्री अनुत्तरोववाई दशाङ्ग सूत्रम्

नवम अनुत्तरोववाई दशाङ्ग सूत्र में शुद्ध चारित्र का पालन कर अनुत्तर देव विमान में गए हुए एकावतारी उत्तम आत्माओं का जीवन चारित्र है। स्वयं महावीर प्रभु ने जिसकी प्रशंसा की ऐसी धन्नाकांकदी की कठोर तपस्या का रोमांचक वर्णन भी है। जिस तपश्चर्या से उनका शरीर हाड पींजर जैसा बन गया था। १९२ श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है। २९२ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

संघवी मातुश्री मोहनदेवी साँवलचंदजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
शा. पारसमल, सुरेशकुमार, दिनेशकुमार, कैलाशकुमार, जयन्तकुमार, बिलेश, श्रीकेष, दीक्षिल, पूरव, सुविध,
बेटापोता **शाह साँवलचंदजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार, मेंगलवा** * फर्मः फाइब्रॉस कुन्दन ग्रुप, दिल्ली-चेन्नई-मुम्बई

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

संघवी मातुश्री मोहनदेवी साँवलचन्दजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : श्रीमती सुशीलादेवी, मन्जुदेवी, निर्मलादेवी, राखीदेवी, पिंकीदेवी, पौत्री : निवेदा, रिया, जैना, कियारा
समस्त बालगोता परिवार, मेंगलवा

श्री सूरप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती मोवनदेवी साँवलचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता-मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती मोवनदेवी साँवलचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता-मेंगलवा

आगम-पत्र 10. श्री प्रश्न व्याकरणाङ्ग सूत्रम्

दशम प्रश्न व्याकरणाङ्ग सूत्र मे हिंसा-झूठ-चोरी-मैथुन-परिग्रह इन पांच महापापों का वर्णन एवं इनके त्याग रूप पांच महाव्रतों का स्वरूप बताया गया है। पूर्व काल में मंत्र-तंत्र-विद्या की प्रभाविकता की अनेक बातें एवं भवनपति आदि देवों के साथ बात करने की तथा भूत-भविष्य को जानने की मां त्रिकीय पद्धतियांइस आगम में थी। १३०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। १३४०० श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री मालूबाई हंजारीमलजी लुंकड़, श्रीमती सुआदेवी सुमेरमलजी, श्रीमती सीतादेवी किशोरमलजी,
श्रीमती मोहिनीदेवी माणकचंदजी लुंकड परिवार, भीनमाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री मालूबाई हंजारीमलजी श्रीमती सुआदेवी सुमेरमलजी
श्रीमती सीतादेवी-किशोरमलजी, श्रीमती मोहिनीदेवी-माणकचन्दजी, **समस्त लुंकड परिवार, भीनमाल**

श्री विशालस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती सुआदेवी सुमेरमलजी लुंकड़-भीनमाल

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती सुआदेवी सुमेरमलजी लुंकड़-भीनमाल

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 11. श्री विपाकाङ्ग सूत्रम्

एकादशम श्री विपाकाङ्ग सूत्र में अज्ञान अवस्था में हिंसा आदि भयंकर पापों के फल (विपाक) रूप परभव में पीड़ा पाने वाले दश महापापी जीवों और धर्म की उत्तम आराधना करने से परभव में सुन्दर सुख पाने वाले दश धर्मी जीवों के चरित्र का वर्णन है। मृगापुत्र (लोढ़ियो)और महामुनि सुबाहु के अद्भुत प्रसंग है । १२५० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। अनेक श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

पूज्य मातुश्री मोहनदेवी रूपचन्दजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : किशोरीलाल, पुत्रवधुः मीनादेवी,पौत्र : दीपककुमार, अक्षयकुमार,
पौत्री : ऊषाकुमारी, चांदनीकुमारी **समस्त शा. रूपचन्दजी पुनमाजी बालगोता परिवार- मेंगलवा**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

पूज्य मातुश्री मोहनदेवी रूपचन्दजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : किशोरीलाल, पुत्रवधुः मीनादेवी,पौत्र : दीपककुमार, अक्षयकुमार,
पौत्री : ऊषाकुमारी, चांदनीकुमारी **समस्त शा. रूपचन्दजी पुनमाजी बालगोता परिवार- मेंगलवा**

श्री वज्रन्धरस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. किशोरीलालजी रूपचन्दजी बालगोता-मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. किशोरीलालजी रूपचन्दजी बालगोता-मेंगलवा

आगम-पत्र 12. श्री उववाई सूत्रम्

बारहवां श्री उववाई सूत्र आचाराङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । देव-नारकी का उपपात-जन्म, मोक्ष-मनआदि मुख्य विषय है । श्री वीरप्रभु को वंदन करने जाने हेतु श्रेणिक महाराजा की अपूर्व तैयारी श्रेणिक राजा कृत वीर प्रभु का सामैया, अंबड तापस के जीवन प्रसंग, उनके सात सौ शिष्यों, केवली समुद्घात एवं मोक्ष का रोमांचक वर्णन इस आगम में है ।११६७ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ४२४२ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

श्रीमती शान्तिदेवी गणेशमलजी, श्रीमती रेशमीदेवी जेठमलजी
सुपुत्र : जयन्तीलाल, गौतमचन्द, रतनचन्द, मूलचन्द, विजयराज, महावीरकुमार, मिलापचन्द, हंसमुख, राहुल, अक्षय, केतन, मेहूल, कुशाल, रियांशु, जैनम्, **बेटापोता शा.सागरमलजी प्रागाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमती शान्तिदेवी गणेशमलजी, श्रीमती रेशमीदेवी जेठमलजी
सुपुत्र : जयन्तीलाल, गौतमचन्द, रतनचन्द, मूलचन्द, विजयराज, महावीरकुमार, मिलापचन्द, हंसमुख, राहुल, अक्षय, केतन, मेहूल, कुशाल, रियांशु, जैनम्, **बेटापोता शा.सागरमलजी प्रागाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा**

श्री चन्द्राननस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. कान्तिलालजी मीठालालजी पुखराजजी राठौड़, पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. घेवरचन्दजी आदाजी छत्रियावोरा-सुराणा

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 13. श्री रायपसेणी सूत्रम्

तेरहवां श्री रायपसेणी सूत्र - सूत्रकृताङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । प्रदेशी राजा द्वारा कृत जीव की शोध-परीक्षा, महाश्रमण केशीकुमार द्वारा धर्मबोध, उनकी समाधि मृत्यु, सूर्याभदेव के नाम से उत्पत्ति, समवसरण में कृत बत्तीस बद्ध नाटक, भगवंत से पूछे नास्तिकवाद गूढ ६ प्रश्नों का तार्किक निराकरण इस आगम में है । सिद्धायतन की १०८ जिन प्रतिमाओं का वर्णन भी है । २१२० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ५८२० श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

श्रीमती नेनुबाई धर्मपत्नी विरमचन्दजी भण्डारी-उम्मेदाबाद (गोल)
शा. शंकरलाल, विजयराज, नरपतराज, ललितकुमार बेटापोता केसाजी धुडाजी बालगोता परिवार, राजनगर (ऊनडी)

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमती नेनुबाई धर्मपत्नी विरमचन्दजी भण्डारी-उम्मेदाबाद (गोल)
शा. शंकरलाल, विजयराज, नरपतराज, ललितकुमार बेटापोता केसाजी धुडाजी बालगोता परिवार, राजनगर (ऊनडी)

श्री चन्द्रबाहुस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. शंकरलालजी केशाजी बालगोता-ऊनड़ी (राजनगर)

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. बाबूलालजी रिखबचन्दजी पारख-जीवाणा

आगम पत्र 14. श्री जीवाभिगम सूत्रम्

चौदहवाँ श्री जीवाभिगम सूत्र - स्थानाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । जीव-अजीव-अढि द्वीप-नरकावास देवविमान संबंधी प्रश्नोत्तर शैली में विशद विवेचन है । विजयदेव द्वारा कृत जिनपूजा का विस्तृत वर्णन इस आगम में है । अष्टप्रकारी जिन पूजा का अधिकार अतीव रसप्रद है ।४७०० श्लोक प्रमाण मूत्रसूत्र है । २५१९२ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

श्रीमती मेथीदेवी रामजीजी की पुण्य स्मृति में शा. कानराज, तिलोकचंद, डायालाल, मुकेशकुमार, ललितकुमार, नेमीचंद, महावीर, चेतन, दिलीप, रोनक, मोक्ष, आदि बेटा पोता शा. रामजीजी सोनाजी हुकमाणी परिवार, पाँथेडी

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमती मेथीदेवी रामजीजी की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : पवनीदेवी, शान्तिदेवी, सुपुत्री : स्व. लसुबाई, स्व. विजुबाई, मोहनबाई, सुपौत्रवधु : लीलादेवी, सन्तोषदेवी, संगीतादेवी, हीनादेवी, अंजुदेवी, वर्षादेवी, सुपौत्री : सुशीला, वीणा, त्रिशला, प्रपौत्री : मुस्कान, पहेल,अलिशा, टीया, रूही, अदीश
समस्त रामजीजी सोनाजी हुकमाणी परिवार पांथेडी

श्री भुजंगस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. कानराजजी तिलोकचन्दजी रामजीजी हुकमाणी-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. कानराजजी तिलोकचन्दजी रामजीजी हुकमाणी-पाँथेड़ी

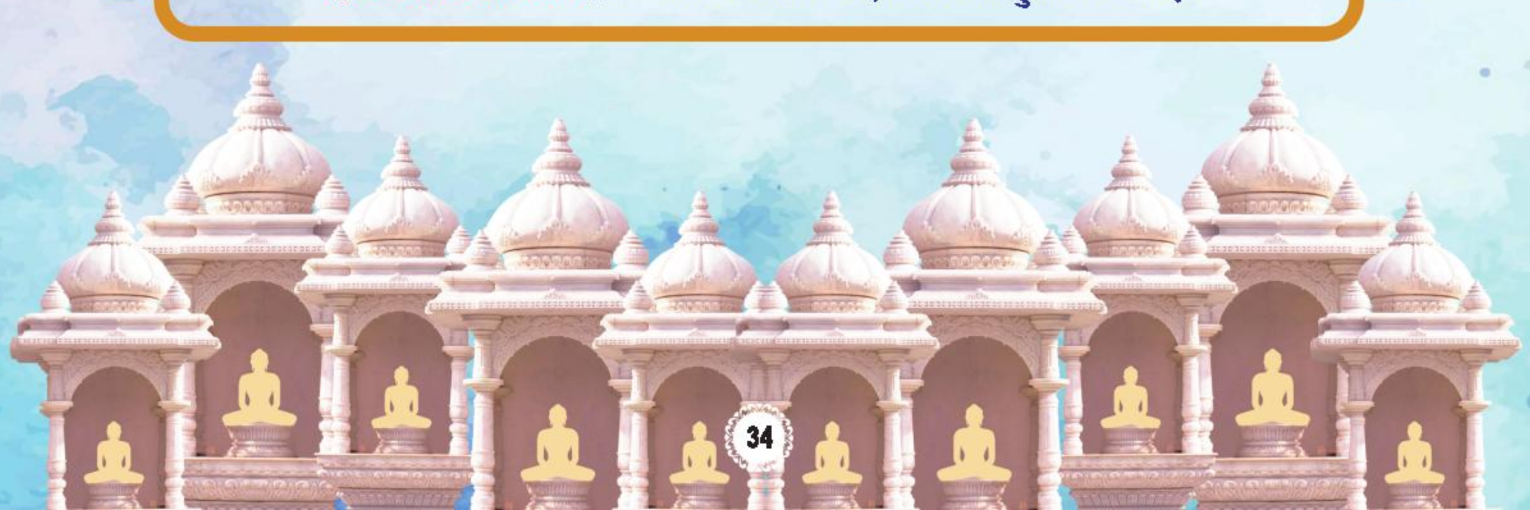

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 15. श्री पन्नवणा सूत्रम्

पन्द्रहवाँ श्री पन्नवणा सूत्र - समयावायाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । यह प्रश्नोत्तर शैली में ग्रंथ है । इसे ''लघुभगवती सूत्र'' भी कहते हैं । जैन दर्शन के तात्विक पदार्थों का यह संक्षिप्त विश्वकोष है । अणु-परमाणु की शक्ति का सूक्ष्म गणित इसमें निर्देशित किया है । छह लेश्या (आभा मण्डल) का स्वरूप, कर्मग्रंथ, संयम,समुद्घात जैसी महत्व की बातें समझाई गई हैं । यह उपाङ्ग सब से बड़ा है। रत्नों का भण्डार है । ७७८७ श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है । २६५८५ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री कसबीदेवी लालचंदजी हुकमाणी की पुण्य स्मृति में सुपुत्र : शा. पारसमल, गणेशमल, मुल्तानमल, भानमल * सुपौत्र : अशोक, दिनेश, भंवरलाल, वेलचंद, उत्तम, दिलीप * प्रपौत्र : दीपक, अरिहंत, प्रीतम, कुणाल, मीत, सुजल, हृदय, ध्रुव
बेटापोता शाह नवाजी हाथीजी श्री श्री श्रीपत खोराणा राठोड हुकमाणी परिवार, पाँथेडी

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री मेथीबाई एवंपुत्र भुधरमलजी की पुण्यस्मृति में
शा. मफतलाल, बाबुलाल, मनोजकुमार, सन्तोषकुमार, दीपककुमार, सूरजकुमार, रत्नराज, कलश बेटापोता
शाह खुशालचन्दजी हाथीजी वाणीगोता परिवार, भीनमाल

श्री ईश्वरस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. ताराचन्दजी तेजराजजी बदाजी हुकमाणी-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : देहदानी श्रीमती निर्मलचन्द्रिका-ॐ पारदर्शीजी डाँगी (पारदर्शी)-उदयपुर

आगम-पत्र 16. श्री सुरपन्नत्ति सूत्रम्

सोलहवां श्री सूर्यपन्नत्ति सूत्र - भगवती सूत्र का उपाङ्ग रूप है । इसमें खगोल विद्या का महत्वपूर्ण विषय है । सूर्य-चन्द्र-ग्रह-नक्षत्र-तारा आदि के गति के वर्णन के साथ दिन-रात एवं ऋतु का भी वर्णन है । अनेक खगोल संबंधी प्रामाणिक गणित सूत्र भी इस आगम में है ।२२९३ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ११७९६ श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान हैं ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री टिपूदेवी पुखराजजी झोटा की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : शा. बाबुलाल, ध.प. रतनदेवी * पौत्र : चेतनकुमार ध.प. रचनादेवी, विक्रमकुमार ध.प. पूर्वीदेवी *
प्रपौत्र : वीरांशकुमार **बेटापोता शाह पुखराजजी पूनमचंदजी झोटा परिवार, दाधाल**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

स्व. मातुश्री टीपूदेवी पुखराजजी की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : चन्दनमल-रोहिणीदेवी, पौत्र : किरणकुमार-नीलमदेवी, विनोदकुमार-मिंटीदेवी, प्रपौत्रः अंश बेटापोता
शा. पुखराजजी पूनमचन्दजी झोटा परिवार, दाधाल

श्री नेमीप्रभस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. चन्दनमलजी पुखराजजी पुनमाजी झोटा-दाधाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. चम्पालालजी पुखराजजी झोटा-दाधाल

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 17. श्री जम्बूद्वीप पन्नत्ति सूत्रम्

सत्रहवाँ श्री जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति सूत्र ज्ञाताधर्म कथाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । मूलत: यह आगम भूगोल विषयक है । कालचक्र के छह आरों का स्वरूप अतीव सुन्दर वर्णित है । साथ ही जम्बूद्वीप के शाश्वत पदार्थ नवनिधि, मेरु पर्वत पर तीर्थंकर का अभिषेक, कुलकर स्वरूप एवं श्री ऋषभदेव और भरत महाराजा का प्रासंगिक वर्णन है । समुद्र में भरती एवं ओट का कारण भी दर्शाया है। ४४५६ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :
श्रीमती भूरीबाई वस्तीमलजी की पुण्य स्मृति में श्रीमती सूरजदेवी, ध.प. मोहनलालजी, किरणराज, दिनेशकुमार, प्रवीणकुमार, सिद्धार्थ **बेटा पोता शाह वस्तीमलजी भानाजी दांतेवाडीया, मांडवला (चैन्नई)**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :
श्रीमती वदामीदेवी जीवराजजी मीठालालजी * सुपुत्र : उत्तमचन्द, अशोक, प्रवीण, कैलाश, राजेन्द्रकुमार
समस्त नागोत्रा सोलंकी परिवार, सियाणा

श्री वीरसेनस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. ताराचन्दजी घेवरचन्दजी बन्दामुथा–ऐलाणा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. बाबूलालजी रिखबचन्दजी पारख–जीवाणा

आगम-पत्र 18. श्री चंदपण्णत्ति सूत्रम्

अठाहरवाँ श्री चन्द्रप्रज्ञप्ति सूत्र उपासक दशाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । जैन खगोल संबंधी गणितानुयोग से पूरित ग्रंथ है । चन्द्र की गति, परिधि, कृष्ण पक्ष में क्षीण, शुक्ल पक्ष में वृद्धि होने के कारण एवं नक्षत्रों का वर्णन है । वर्तमान काल के चन्द्रदेव पूर्व जन्म में कौन थे ? कैसे पदवी प्राप्त की ? आदि रूचिकर प्रासंगिक वर्णन है । २२०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ११७०० श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : मातुश्री सकुदेवी– सुपुत्र श्री वगतावरमलजी सुपौत्र कमलेशकुमार की पुण्य स्मृति में सुपुत्र : कान्तिलाल, फतेहराज, रमेशकुमार, राजेशकुमार, प्रकाशकुमार, नरपतकुमार, श्रीपालकुमार, रवीन्द्रकुमार, नरेशकुमार, भरतकुमार, अभिषेक,भावेश, समकित, योनिक, द्विज **बेटा पोता शाह साँकलचंदजी नेथीजी हुकमाणी परिवार, पाँथेडी**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : स्व. श्रेष्ठिवर्य श्री वगतावरमलजी एवं पौत्र कमलेशकुमार की पुण्य स्मृति में मातुश्री सकुदेवी, पुत्री : कमला, रोहिणी, पुत्रवधु: पवनीदेवी, सरोजदेवी, पुष्पादेवी, सुशीलादेवी, रंगीलादेवी, रेखादेवी, डिम्पलदेवी, मीनादेवी, प्रमीलादेवी, खुशबूदेवी, यामिनीदेवी * पौत्री : रेणुका, धनलक्ष्मी, करिश्मा, कोमल, अभिलाषा, दिव्या, अक्षिता, करीना, चाहत, वृष्टि, **समस्त साँकलचन्दजी नेथीजी हुकमाणी परिवार, पाँथेडी**

श्री महाभद्रस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती सकूदेवी साँकलचन्दजी नेथीजी हुकमाणी–पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती सकूदेवी साँकलचन्दजी नेथीजी हुकमाणी–पाँथेड़ी

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 19. श्री निरयावलि सूत्रम्

उगणीसवाँ श्री निरयावलिका सूत्र अन्तकृत दशाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । इस आगम में कोणिक महाराजा ने चेड़ा महाराजा के साथ भीषण संग्राम किया, उसका हृदय विदारक वर्णन है । रथमूशल एवं कंटकमूशल युद्ध द्वारा १ करोड़ ८० लाख लोग मारे गये थे वे सभी नरक गति में गये,अतः युद्ध को महायुद्ध भी कहते हैं । अतः इस आगम का नाम नरक-आवली (श्रेणी) था । दूसरा नाम कल्पिका भी है । अनेक श्लोक आधारित विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मुथा शा. हस्तीमलजी, समरथमलजी, सुमेरमलजी, जुगराजजी, गेबीचंदजी, मुकेश, सुरेश, उज्ज्वल
बेटा पोता शाह खेतमलजी चुन्नीलालजी हीराजी गुलेच्छा, जीवाणा (आहोर)

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री विमलादेवी के विविधतप अनुमोदनार्थ
पुत्रवधु : ममतादेवी, पिंकीदेवी, सुपौत्री : साक्षी, निव्या
शा. गेबीचंदजी चुन्नीलालजी गुलेच्छा परिवार जीवाणा (हाल आहोर)

श्री देवयशस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. गेबीचन्दजी चुन्नीलालजी मुथा (जीवाणा वाला)-आहोर

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. गेबीचन्दजी चुन्नीलालजी मुथा (जीवाणा वाला)-आहोर

आगम-पत्र 20. श्री कप्पवडंसिया सूत्रम्

बीसवाँ श्री कप्पवडंसिया सूत्र-अनुत्तरोपपातिक दशाङ्ग सूत्र का उपाङ्ग है । इसमें श्रेणिक महाराजा के काल आदि दश पुत्र और पद्म-महापद्म आदि दश पौत्र राजकुमार परमात्मा के पास दीक्षा लेकर अलग-अलग देवलोक में गये वहां से मोक्ष जायेंगे । उनके तप-त्याग संयम साधना का इस ग्रन्थ में विस्तार से वर्णन है । अनेक श्लोक प्रमाण साहित्य विद्यमान है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

शा. रमेशकुमार, ललितकुमार, संजयकुमार, कल्पेशकुमार, मानव, चैत्य
बेटापोता शाह समरथमलजी उम्मेदाजी, श्रीश्रीमाल संघवी फुआणी परिवार, आलासन * फर्म : पिंकी बैंगल्स, कोलकाता-दिल्ली

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

शा. उत्तमचन्दजी कबदी की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : चन्द्रादेवी, सुपुत्री : सीमा, प्रिया, खुशबू, सोनू, काजल, कोमल, डिम्पल, एशु
बेटापोता शा. मनोहरमलजी एवं राजमलजी गुणेशमलजी कबदी परिवार, सायला

श्री अजीतवीर्यस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. घेवरचन्दजी नगाजी श्रीश्रीपत बोराणा राठौड़-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. मनोहरमलजी साँकलचन्दजी वाणीगोता-तिलोड़ा

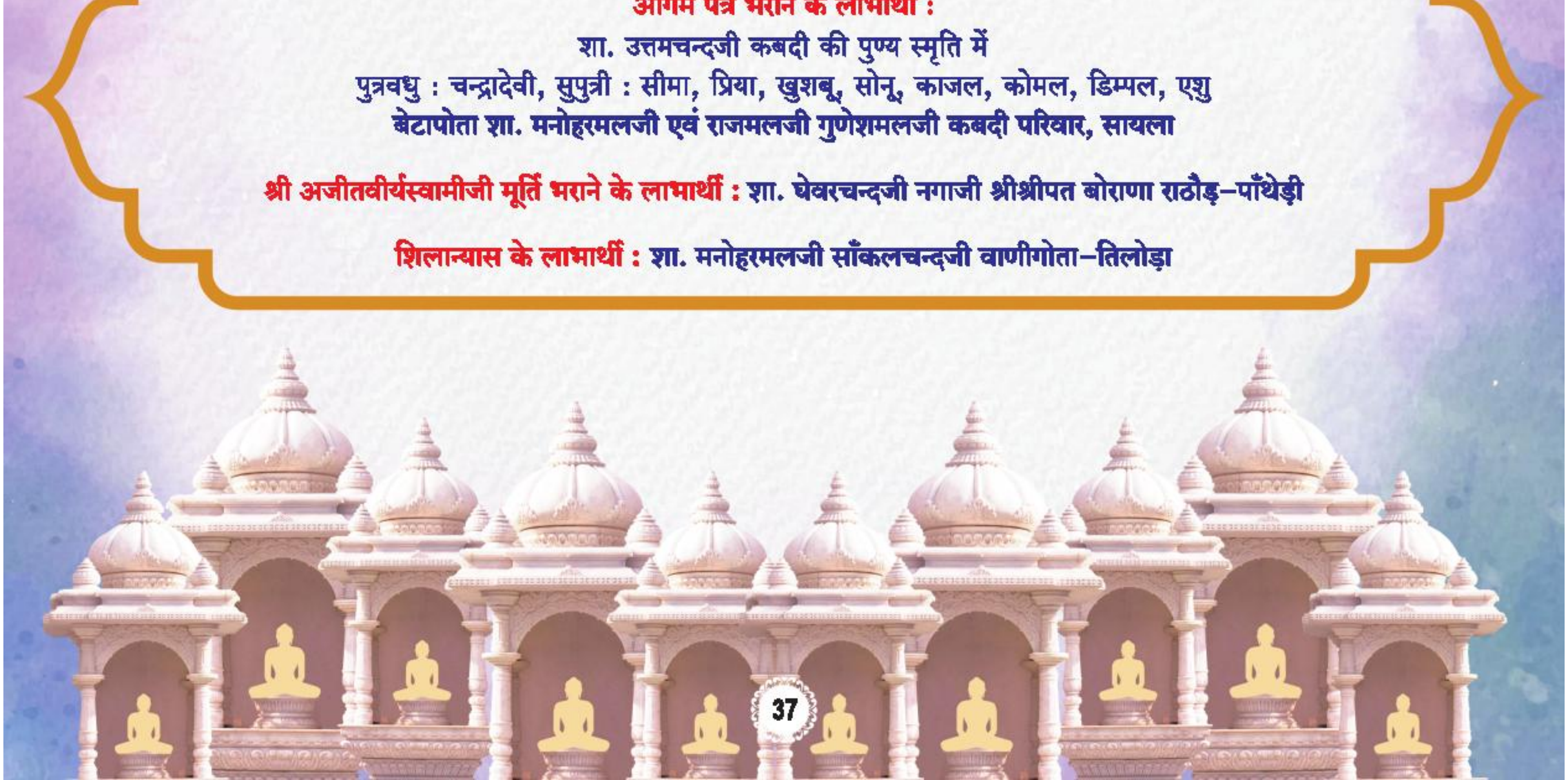

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 21. श्री पुप्फिया सूत्रम्

इक्कीसवाँ पुष्पिका आगम सूत्र श्री प्रश्न व्याकरण सूत्र का उपाङ्ग है। दस देव-देवी अपनी अद्भुत समृद्धि सहित पुष्पक विमान में बैठकर परमात्मा श्री वीरप्रभु को वन्दन करने के लिए आते हैं। श्री वीरप्रभु उनके पूर्व भव गौतमस्वामीजी को बताते है। सूर्य-चन्द्र, शुक्र बहु पुत्रिकादेवी-पूर्णभद्र-माणिभद्र-दत्त-शील आदि की इसमें रोमांचकारी कहानियाँ हैं।अनेक श्लोक प्रमाण सहित्य विद्यमान है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

श्रेष्ठीवर्य शा. मदनराज, सुरेशकुमार, जितेन्द्रकुमार, सुनीलकुमार, राजेन्द्रकुमार, विक्रमकुमार, आकाश, श्रेणीक, विशाल, शोभित
बेटा पोता शाह जाँवतराजजी अचलराजजी शाहजी, पाँथेडी

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

पूज्य दादाश्री दुरगाजी एवं दादीसा श्रीमती गजराँदेवी की पुण्य स्मृति में
पौत्र : पारसमल, श्रीमती दौलतकँवर प्रपौत्र : महावीरराज, मुकेशकुमार गोवर्धन गौत्रीय चौधरी परिवार, बागोडा (हाल जोधपुर)

श्री केवलज्ञानीनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. मदनराजजी जावन्तराजजी शाहजी-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. मदनराजजी जावन्तराजजी शाहजी-पाँथेड़ी

आगम-पत्र 22. श्री पुप्फचूलिया सूत्रम्

बाईसवाँ श्री पुष्पचूलिका सूत्र श्री विपाकसूत्र का उपाङ्ग है। श्री ह्री धृति आदि दश देविओं की पूर्वभव सहित कहानियाँ हैं। पूर्व भव में श्री देवी भूता नामक स्त्री थी। उसने श्री पार्श्वनाथ भगवान् के निर्ग्रन्थ प्रवचन में श्रद्धा कराई थी,आदि का इस सूत्र में अतीव सुन्दर विवरण है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मुथा शाह बाबुलाल, धीरजलाल, कान्तिलाल, अशोककुमार, रणजीत, अरविन्द, ललित, विक्रम, हरीश, महेन्द्र, नरेश, अजय, आशिष, यतीश, साहिल, हिमांशु, यकिन, गगन, मिषांक, भाविक, ध्रुव **बेटा पोता मुथा कुन्दनमलजी धर्माजी गुलेच्छा परिवार, सायला**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमती केसीदेवी की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : पानीदेवी, पौत्रवधुः कमलादेवी, कमलादेवी, विमलादेवी, फैन्सीदेवी, लतादेवी, मीनादेवी, रेखादेवी, गुणवंतीदेवी, पुष्पादेवी, हेमादेवी, रेखादेवी, खुशबूदेवी एवं **समस्त कुन्दनमलजी धर्माजी गुलेच्छा परिवार, सायला (जालोर)**

श्री निर्वाणीनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती पानीदेवी धर्मपत्नी कुन्दनमलजी गुलेच्छा (जीवाणा) सायला

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती पानीदेवी धर्मपत्नी कुन्दनमलजी गुलेच्छा (जीवाणा) सायला

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 23. श्री वह्निदशा सूत्रम्

तेईसवाँ श्री वह्निदशा सूत्र श्री दृष्टिवाद सूत्र का उपाङ्ग स्वरूप है । इसमें अंधक के वंशज और वासुदेव श्री कृष्णजी के वडील बन्धु बलदेव के अखण्ड ब्रह्मचारी बारह पुत्रों ने प्रभु श्री नेमिनाथजी के पास दीक्षा ली तथा सर्वार्थ सिद्ध विमान गये, वहां से महाविदेह क्षेत्र मेंजन्म धारण कर मोक्ष प्राप्त करेंगे आदि का इस सूत्र में सुन्दर से विस्तार वर्णन है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

शा. गोकुलचंद, कानराज, रमेशकुमार, नरपतराज, मुकेशकुमार, प्रवीणकुमार, कैलाशकुमार, किरणकुमार, श्रीपालकुमार, चेतन, राहुल, तरूण, साहिल, प्रीतेश, संभव, पर्व, अर्हम्, आरव, **बेटापोता शाह फूलचंदजी प्रतापजी बंदामुथा परिवार, पाँथेडी**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

शा. घेवरचंदजी साँकलचंदजी वाणीगोता, तिलोडा * श्रीमती भँवरीदेवी की पुण्य स्मृति में शा. घेवरचंद, सुपुत्र : रमेशकुमार, पौत्र : आयुषकुमार **बेटापोता शाह साँकलचन्दजी मादाजी वाणीगोता परिवार, तिलोडा**

श्री सागरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. रविकुमार माता प्रकाशदेवी दोशी-भीनमाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. घेवरचन्दजी साँकलचन्दजी वाणीगोता-भीनमाल

आगम-पत्र 24. श्री चउसरण पयन्ना सूत्रम्

इस चतुश्शरण पयन्ना में आराधक भावों में अभिवृद्धि करने के लिए अरिहंत-सिद्ध-साधु और धर्म इन चार शरण की महत्ता, दुष्कृत की गर्हा सुकृत की अनुमोदना अतीव मार्मिक शब्दों में वर्णित है । चौदह स्वप्नों का भी नामोल्लेख है । यह पयन्ना चित्त प्रसन्नता के लिए अक्षुण्ण भण्डार है ।इसका त्रिकाल पठन करने से चमत्कारिक लाभ होता है । इसका दूसरा नाम कुशलानुबंधी भी है । ६३ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ८८० श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : श्रीमती पाबूदेवी ओटमलजी गोराजी वेदमुथा, रेवतड़ा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती पाबुदेवी ओटमलजी गोराजी वेद्मुथा, रेवतडा (जालोर)

श्री महायशनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती पाबुदेवी ओटमलजी गोराजी वेद्मुथा

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती पाबुदेवी ओटमलजी गोराजी वेद्मुथा

आगम-पत्र 25. श्री आउर पच्चक्खाण पयन्ना सूत्रम्

इस पयन्ना में अन्तिम समय में करने योग्य आराधना का स्वरूप, बालमरण, पण्डितमरण,बाल पण्डित मरण का सुस्पष्ट विस्तार से वर्णन किया गया है । अनेक प्रकार के दुर्ध्यान बताकर रूग्ण अवस्था में कौन से पच्चक्खाण करना ? कौनसी भावना भाना आदि समझाया है । ८० श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है । ५०० श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : शा. ईश्वरचन्द, मनीषकुमार, हितेशकुमार, मोक्षित, तन्य, जियान, बेटापोता **शाह मिश्रीमलजी जोईताजी बन्दामुथा परिवार, पाँथेडी**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती प्यारीबाई मिश्रीमलजी की पुण्य स्मृति में पुत्रवधुः देवीबेन पौत्रवधुः नीतू, डिम्पल एवं **समस्त ईश्वरचन्दजी बंदामुथा परिवार, पाँथेडी**

श्री विमलनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. ईश्वरचन्दजी मिश्रीमलजी बन्दामुथा-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. ईश्वरचन्दजी मिश्रीमलजी बन्दामुथा-पाँथेड़ी

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 26. श्री महाप्रत्याख्यान पयन्ना सूत्रम्

इस पयन्ना में मुनियों को अन्तिम समय करने योग्य आराधना का विशेष वर्णन है । दुष्कृत्यों की निन्दा, माया का त्याग, पण्डित मरण की अभिलाषा और प्रशंसा, पौद्गलिक आहार से होने वाली अतृप्ति पाँच महाव्रतों का पालन तथा आराधना का वर्णन है । मूलसूत्र १७६ श्लोक प्रमाण व अनेक श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

शा. जयन्तिलाल, गणपतराज, राजकुमार, राहुलकुमार, दर्शकुमार
बेटापोता शाह सुखराजजी सागरमलजी एवं समस्त फुआणी संघवी परिवार, आलासन

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमान् सुखराजजी सागरमलमलजी एवं श्रीमान् अमीचन्दजी भलाजीकी पुण्य स्मृति में
कमलादेवी–जयन्तीलालजी, त्रिशलादेवी–गणपतराजजी * फुआणी गुड़ाल गौत्रीय संघवी परिवार, आलासन

श्री सर्वानुभूतिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा.जयन्तीलालजी सुखराजजी गुडाल गौत्र संघवी–आलासन

शिलान्यास के लाभार्थी : शा.जयन्तीलालजी सुखराजजी गुडाल गौत्र संघवी–आलासन

आगम-पत्र 27. श्री भक्त परिज्ञा पयन्ना सूत्रम्

इस भक्त परिज्ञा सूत्र में चार प्रकार का आहार त्याग कर के अनसन करने की पूर्व तैयारी बताई गयी है । पण्डित मरण के तीन प्रकार है - १. भक्त परिज्ञा, २. इंगिनी मरण ३. पादपोगमन मरण है । भक्त परिज्ञा मरण १.सविचार, २.अविचार दो प्रकार का है । इसमें चाणक्य के समाधि मरण का वर्णन है । २१५ लोक प्रमाण मूलसूत्र है । अनेक श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

सुपुत्र श्री नेमीचन्दजी की पुण्य स्मृति में शाह कालूचन्द, मनोहरमल, किशोरकुमार, संयम, भाविक
बेटा पोता शाह हंजारीमलजी संकलेचा परिवार, निवासी–मेंगलवा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

श्रीमती मोहनदेवी, पुत्रवधु : ऊषादेवी, वीणादेवी, पौत्री : हर्शिता शाह कालूचन्दजी हंजाजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा

श्री श्रीधरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : स्व. शा. नेमीचन्दजी कालूचन्दजी हंजाजी संकलेचा–मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : स्व. शा. नेमीचन्दजी कालूचन्दजी हंजाजी संकलेचा–मेंगलवा

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 28. श्री तन्दुलवेयालिय पयन्ना सूत्रम्

यह पयन्ना वैराग्य रस का भण्डार है। मनुष्य १०० वर्ष की आयु में ४, ६०, ८०, ००, ००० चावल के दानों का आहार करता है। वैसे अन्य चीजों का भी आहार करता है। फिर भी तृप्त नहीं होता। गर्भावस्था, जन्म की वेदना, आयु की दस दशा आदि का वर्णन है। तन्दुल-चावल खाने के वर्णन से इस ग्रन्थ का नाम तन्दुलवेयालिया पयन्ना है। ५०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। पू. विमलविजयजी गणि की टीका भी है।

आगम गम्भारा लाभार्थी : पिताश्री सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
मातुश्री गुणीदेवी, पुत्र : कान्तिलाल-लीलादेवी, गौतमचंद-धापियादेवी, हरीशकुमार-किरणादेवी, दिनेशकुमार-शिल्पादेवी, रितेशकुमार-पूजादेवी, विवेक, जैनिल, सिद्ध, लिनोय, यांशी **बेटापोता शाह सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : पूज्य पिताश्री सुमेरमलजी की पुण्य स्मृति में
मातुश्री गुणीबाई, पुत्र : शा. कान्तिलाल-लीलादेवी, गौतमचंद-धापियादेवी, हरीशकुमार-किरणदेवी, दिनेशकुमार-शिल्पादेवी, रितेशकुमार-पूजादेवी, विवेक, जैनिल, सिद्ध, लिनोय, यांशी **बेटापोता शा. सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता परिवार, मेंगलवा**

श्री दत्तनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती गुणीदेवी सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता-मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती गुणीदेवी सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता-मेंगलवा

आगम-पत्र 29. श्री गणिविज्जा पयन्ना सूत्रम्

श्री गणिविज्जा पयन्ना सूत्र में ज्योतिष संबंधी प्राथमिक जानकारी का वर्णन है। तिथि, वार, नक्षत्र, गृह, लग्न, होरा, मुहूर्त, शुकन, निमित्त आदि का वर्णन है। गणि, आचार्य पद, प्रतिष्ठा, दीक्षा, तपस्या, उपधान आदि के मुहूर्त शुद्धि का आवश्यक अधिकार इसमें वर्णित है।

आगम गम्भारा लाभार्थी : संघवी मातुश्री सुभद्रादेवी चुन्नीलालजी तातेड की पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : शा. धनराज * सुपौत्र : मंगलचन्द, दीपककुमार, कैलाशकुमार, अशोककुमार * प्रपौत्र : विवेककुमार, राहुलकुमार, करणकुमार, हेमन्तकुमार * प्रपौत्रई : खूश्बु, पलक, दिव्या **बेटा पोता शाह चुन्नीलालजी हेमाजी तातेड परिवार, भीनमाल**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : संघवी मातुश्री सुभद्रादेवी चुन्नीलालजी तातेड की पुण्य स्मृति में
पुत्रवधु : अ. सौ. पवनदेवी-धनराजजी, पौत्रवधुः अनितादेवी-मंगलचंद, संगीतादेवी-दीपककुमार, आशादेवी-कैलाशकुमार, डिम्पलदेवी-अशोककुमार पौत्री : गुड़िया, पलक, दिव्या **समस्त चुन्नीलालजी हेमाजी तातेड परिवार, भीनमाल**

श्री दामोदरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : संघवी शा. धनराजजी चुन्नीलालजी तातेड़-भीनमाल

शिलान्यास के लाभार्थी : संघवी शा. धनराजजी चुन्नीलालजी तातेड़-भीनमाल

आगम-पत्र 30. श्री चन्दाविज्ज पयन्ना सूत्रम्

इस पयन्ना में राधा वेध का वर्णन है। राधावेध की साधना की भाँति स्थिर चित्त से आराधना का लक्ष्य धारण कर सर्व प्रवृत्ति करके अध्यवसाय स्थिर करना और मरण सुधारना, ऐसे स्वरूप का उपदेश है। अवश्य कंठस्थ करने योग्य है। २०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। अनेक श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है।

आगम गम्भारा लाभार्थी : दादीश्री सुन्दरबाई, पिताश्री जुगराजजी, मातुश्री शान्तिदेवी की पुण्य स्मृति में
मातुश्री सरोजदेवी, पुत्रः प्रवीणकुमार-ललितादेवी, ललीतकुमार-संगीतादेवी, भरतकुमार-कमलादेवी, एश, नेहुल, लक्ष्य, शिखर **बेटापोता शाह छोगमलजी संकलेचा परिवार, दाँसपा**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती सुन्दरबाई सूरजमलजी एवं पुत्रवधु शान्तिदेवी-जुगराजजी की पुण्य स्मृति में
श्रीमती सरोजदेवी-जुगराजजी, ललितादेवी-प्रवीणकुमार, संगीतादेवी-ललितकुमार, कल्पनादेवी-भरतकुमार, यश, नेहुल, लक्ष्य, शिखर, पूजा, सुस्मिता, कृपाली, प्रेरणा, पलक, भव्या, **बेटापोता शा. जुगराजजी सूरजमलजी संकलेचा परिवार, दाँसपा**

श्री सुतेजनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. जुगराजजी सूरजमलजी संकलेचा-दासपा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. जुगराजजी सूरजमलजी संकलेचा-दासपा

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 31. श्री देवेन्द्र स्तव पयन्ना सूत्रम्

श्री देवेन्द्र स्तव पयन्ना सूत्र में बत्तीस इन्द्रों द्वारा परमात्मा की स्तवना उस का सुन्दर वर्णन है । ३२ इन्द्रों के स्थान, आयुष्य, शरीर, अग्रमहीषि, रिद्धि-सिद्धिपराक्रम आदि का भी वर्णन है । सूर्य-चन्द्र-ग्रह-नक्षत्र, सिद्धशिला आदि का स्वरूप सिद्धों की अवगाहना-सुख आदि का भी वर्णन है । ३७५ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री प्यारीबाई पिताश्री मेघराजजी एवं सुपुत्र बाबुलालजी, गुटराजजी की पुण्य स्मृति में
शा. भँवरलाल, किशोरकुमार, दाडमचंद, कान्तिलाल, मदनलाल, शेषमल, अमीचंद, जोगराज, उत्तमचंद, सुरेशकुमार बेटापोता शाह
मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा परिवार, सुराणा * फर्म: मिलियन ग्रुप, विजयवाडा, दिल्ली, मुम्बई, हरिद्वार, हैदराबाद

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

दादीश्री प्यारीबाई मेघराजजी की पुण्य स्मृति में
सुपुत्रवधु : श्रीमती कानुदेवी, रतनदेवी, मोवनदेवी, मन्जूदेवी, कमलादेवी, शान्तिदेवी, कलीदेवी, मन्जुदेवी, लीलादेवी, मन्जूदेवी, मन्जूदेवी, जयादेवी **समस्त शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा परिवार, सुराणा**

श्री स्वामीनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा-सुराणा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा-सुराणा

आगम-पत्र 32. श्री मरणसमाधि पयन्ना सूत्रम्

इस पयन्ना में समाधि-असमाधि मरण का विस्तृत विवरण तथा मरण सुधारने की आदर्श पद्धतियाँ एवं मन की चंचलता, कषाय की ऊग्रता, वासना की प्रबलता रोकने के कुछ उपाय और आराधक पुण्यात्माओं के अनेक दृष्टान्त समाविष्ट है । ८३७ श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

पिताश्री रिखबचंदजी मातुश्री शान्तिदेवी भण्डारी की पुण्य स्मृति में
शा. जयन्तीलाल-मीनादेवी, गौतमचन्द-गीतादेवी, रोहन, सिद्धार्थ, पूजा, राशि
बेटापोता शा. रिखबचंदजी गुणेशमलजी भण्डारी परिवार, थलवाड़

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

पिताश्री रिखबचंदजी मातुश्री शान्तिदेवी भण्डारी की पुण्य स्मृति में
शा. जयन्तीलाल-मीनादेवी, गौतमचन्द-गीतादेवी, रोहन, सिद्धार्थ, पूजा, राशि **बेटापोता**
शा. रिखबचंदजी गुणेशमलजी भण्डारी परिवार, थलवाड़

श्री मुनिसुव्रतनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती शान्तिदेवी रिखबचंदजी गुणेशमलजी भण्डारी-थलवाड़

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती शान्तिदेवी रिखबचंदजी गुणेशमलजी भण्डारी-थलवाड़

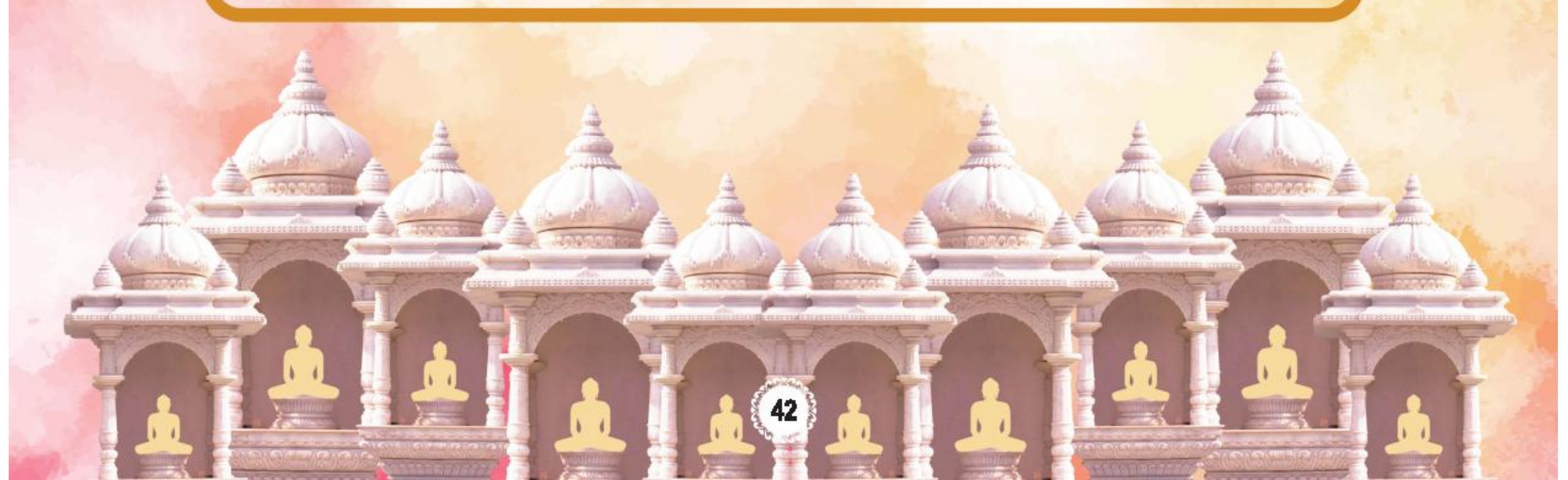

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 33. श्री संथार पयन्ना सूत्रम्

इस पयन्ना में अन्तिम संथारा का मार्मिक वर्णन है । अन्तिम समय में क्षमापना की आदर्श विधि. ऐसे पण्डित मरण के बल से प्राप्त होने वाली आत्म-शुद्धि की प्राप्ति----द्रव्य और भाव संथारा का स्वरूप.----विषम स्थिति में भी पण्डित मरण की आराधना करने वाले महापुरुष के चरित्र का वर्णन है । १५५ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : शा. रुपराज, कैलाशकुमार, प्रवीणकुमार, वल्लभचंद (विनोद) साहिल, सचिन, प्रथम, वंश बेटा पोता शा. उम्मेदमलजी हरकचन्दजी बाफना परिवार, पाँथेडी

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : मातुश्री धनियादेवी की प्रेरणा से पुत्रवधु अ. सौ. मीनादेवी,इन्द्रादेवी, प्रसन्नदेवी, पिंकीदेवी समस्त उम्मेदमलजी बाफना परिवार, पाँथेडी

श्री सुमतिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती धनियादेवी उम्मेदमलजी हरकचन्दजी बाफना-पाँथेड़ी

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती धनियादेवी उम्मेदमलजी हरकचन्दजी बाफना-पाँथेड़ी

आगम-पत्र 34. श्री दशाश्रुतस्कंध पयन्ना सूत्रम्

इस दशाश्रुतस्कंध सूत्र में दस अध्ययन हैं । जिस में ७ वाँ पर्युषणा कल्प नामक अध्ययन ही कल्पसूत्र हैं । जो प्रतिवर्ष चतुर्विध संघ में धाम धूम से पढ़ा जाता हैं । इस आगम में २० असमाधिस्थान, २१ शबल दोष, ३३ गुरु की आशातना, साधु, श्रावक की पडिमा, ९ नियाणा आदि का वर्णन है । २२०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : श्रीमती मथराँबाई गेबचन्दजी सेठ की पुण्य स्मृति में... सुपुत्र : चम्पालाल * पौत्र : महावीर, गौतम, प्रविण * प्रपौत्र : राहुल, ध्रुव, प्रथम, अक्षत शाह गेबचन्दजी सरेमलजी सेठ परिवार, धानसा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : मातुश्री मथराबाई गेबचन्दजी सेठ की पुण्य स्मृति में... पुत्रवधु : अ. सौ. बगुदेवी, सवितादेवी, पौत्रवधुः प्रमीलादेवी, पुष्पादेवी, पिंकीदेवी, प्रपौत्र वधू : नेहादेवी, प्रपौत्री : पूजा, जीनल, दिव्या, समस्त शा. गेबचन्दजी सरेमलजी सेठ परिवार, धानसा

श्री शिवगतिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. चम्पालालजी गेबचन्दजी सेठ-धानसा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. चम्पालालजी गेबचन्दजी सेठ-धानसा

आगम-पत्र 35. श्री बृहत्कल्प सूत्रम्

श्री बृहत्कल्प सूत्र में साधु-साध्वीजी के मूलगुण, उत्तरगुण पर आधारित प्रायश्चित का अधिकार है । उत्सर्ग एवं अपवाद का सूक्ष्म वर्णन है । विहार आदि में नदी उतरने के समयकिस तरह आचरण करना, इसमें छद्म अनुपयोग से लगने वाले दोषों का शोधन आदि बताये हैं । यह सूत्र प्रत्याख्यान प्रवाद नाम के पूर्व से संकलित हुआ है । ४७३ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । ९१६४९ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : शा. शान्तिलाल, किशोरकुमार, नरपतकुमार, उत्तमचंद बेटा पोता शाह मिश्रीमलजी तोलाजी झोटा परिवार, दाधाल

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती गुलाबीदेवी मनोहरमलजी वाणीगोता, शा. जयन्तिलाल, डायालाल, मुकेशकुमार, गणपतराज, किशोरकुमार, खुशाल, देव, जैनम्, रचित, बेटा पोता शाह साँकलचंदजी मादाजी वाणीगोता परिवार, तिलोडा

श्री अस्त्यागनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. मेहूलकुमार विमलचन्दजी हस्तीमलजी विशाणी-उम्मेदाबाद (गोल)

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. शान्तिलालजी मिश्रीमलजी झोटा-दाधाल

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 36. श्री व्यवहार सूत्रम्

श्री व्यवहार सूत्र दंडनीति शास्त्र है। प्रमादादि कारण से पुण्यात्माओं को लगने वाले दोषों का निवारण करने की प्रक्रिया बताई है। आलोचना देने वाला लेने वाला दोनों कैसे होने चाहिए ? आलोचना किन भावों से करनी चाहिए ? किसको कितना प्रायश्चित ? किसको पदवी देनी ? कौन से आगम किसे पढ़ाना ? पाँच व्यवहार आदि का निरूपण भी है। ३७३ श्लोक प्रमाण मूल सूत्र है। कुल ५२७७२ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब हैं।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री वीजूबाई, भ्राता हीराचन्दजी की पुण्यस्मृति में
शा. उगमराज, दिनेशकुमार, जसराज, चम्पालाल, ललितकुमार, अभिषेक, राजू, मोहित, आयुश, भाविक, प्रणत
बेटा पोता शाह तोलचन्दजी जुहारमलजी कटारिया संघवी परिवार, धानसा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

संघवी मातुश्री पातीदेवी भारतमलजी की पुण्य स्मृति में
शा. माँगीलाल, गणपतचन्द, रमेशकुमार, कैलाशकुमार, ललितकुमार, मुकेशकुमार, निर्मलकुमार, दिनेशकुमार, प्रवीणकुमार, संजयकुमार, राजेशकुमार, अरविन्दकुमार, जितेन्द्रकुमार, विक्रमकुमार, युवराज **बेटापोता शा. भारतमलजी भगाजी वेदमुथा परिवार, रेवतड़ा**

श्री नमीश्वनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : **शा. उगमराजजी तोलचन्दजी जुहाराजी कटारिया संघवी–धानसा**

शिलान्यास के लाभार्थी : **शा. उगमराजजी तोलचन्दजी जुहाराजी कटारिया संघवी–धानसा**

आगम-पत्र 37. श्री जीतकल्प सूत्रम्

श्री जीतकल्प सूत्र गंभीर ग्रन्थ है। मुनि जीवन में अतिचारों अनाचारों का दश और उन्नीस प्रकार प्रायश्चित्तों का विधान किया है। यह गंभीर ग्रन्थ है। पीढ़ अनुभवी गीतार्थ गुरु भगवंत ही इस ग्रन्थ के अधिकारी हैं। २२५ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। अनेकविध श्लोक आधारित साहित्य उपलब्ध है।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

मातुश्री मोहनदेवी–खेतमलजी की पुण्य स्मृति में
शा. पुखराज, भँवरलाल, उम्मेदमल, ओटमल, उत्तमचंद, अशोककुमारस बाबूलाल, राजमल, विक्रमकुमार, राजेशकुमार, रोशनकुमार, कीर्तिकुमार, राहुल, कुणाल, सचिन, ध्रुव, सक्षम, प्रयाण, नवल, विवान **बेटा पोता परपोता : शाह नरसाजी छोगाजी श्री श्री श्रीमाल हरियम परिवार, दाधाल (मैसूर)**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

मातुश्री लक्ष्मीदेवी उम्मेदमलजी प्रतापजी एवं सुपुत्र अमृतलालजी की पुण्य स्मृति में
श्रीमती कमलादेवी, मीठालाल–मंजूदेवी, पूजमल–पुष्पादेवी, गौतमचन्द–जयंतीदेवी, प्रकाशचन्द–गीतादेवी, नरपतलाल–संगीतादेवी **बेटापोता शा. उम्मेदमलजी प्रतापजी कंकु चौपड़ा परिवार, मेंगलवा**

श्री अनिलनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : **शा. उम्मेदमलजी प्रतापचन्दजी कंकुचौपड़ा–मेंगलवा**

शिलान्यास के लाभार्थी : **शा. उम्मेदमलजी प्रतापचन्दजी कंकुचौपड़ा–मेंगलवा**

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 38. श्री निशीथ सूत्रम्

श्री निशीथ सूत्र में मुनि के आचारों का वर्णन है । इस में प्रायश्चित्त और समाचारी विषयक बातों का भण्डार है । प्रमादादि से उन्मार्गगामी हुए साधु को यह सन्मार्ग में लाता है । इस का दूसरा नाम आचारकल्प भी है । निशीथ अर्थात् मध्यरात्रि में अधिकारी शिष्य को गुप्तता में पढ़ाया जाये ऐसा महत्वपूर्ण आगम है । ८५० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : मातुश्री टमिदेवी नरसाजी की पुण्य स्मृति में
शा. उम्मेदमल, राकेशकुमार, रोशनलाल, सक्षम, नवल, बेटा पोता नरसाजी छोगाजी श्री श्री श्रीमाल हरियम परिवार, दाधाल (मैसूर)

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती भँवरीदेवी रूपचंदजी वाणीगोता, सुरेशकुमार, प्रवीणकुमार, कल्पकुमार
बेटा पोता शाह साँकलचंदजी मादाजी वाणीगोता परिवार, तिलोडा

श्री यशोधरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. पारसमलजी सरेमलजी ओस्तवाल-सायला

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. रूपचन्दजी साँकलचन्दजी वाणीगोता-तिलोड़ा

आगम-पत्र 39. श्री महानिशीथ सूत्रम्

श्री महानिशीथ सूत्र में वर्धमान विद्या एवं नवकार मंत्र की महिमा-उपधान का स्वरूप और विविध तप का वर्णन है । गच्छ का स्वरूप, गुरुकुलवास का महत्व, प्रायश्चित्त का मार्मिक स्वरूप, ब्रह्मचर्य व्रत भंग से कितने दुःख होते हैं । यह बताकर कर्म सिद्धान्त सिद्ध किया है । संयम जीवन की विशुद्धि पर विशेष बल दिया हैं । ४५४८ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : श्रीमती सुमटीदेवी मनोहरमलजी अंदाणीकी पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : शा. चम्पालाल, दुदमल, गुटराज, सूरजमल, विक्रमकुमार बेटापोता शा. मनोहरमलजी वस्तीमलजी अंदाणी परिवार, सुराणा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : श्रीमती सुमटीदेवी मनोहरमलजी अंदाणीकी पुण्य स्मृति में
सुपुत्र : शा. चम्पालाल, दुदमल, गुटराज, सूरजमल, विक्रमकुमार बेटापोता शा. मनोहरमलजी वस्तीमलजी अंदाणी परिवार, सुराणा

श्री कृतार्थनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती सुमटीदेवी मनोहरमलजी वस्तीमलजी अन्दाणी-सुराणा

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती सुमटीदेवी मनोहरमलजी वस्तीमलजी अन्दाणी-सुराणा

आगम-पत्र 40. श्री आवश्यक सूत्रम्

श्री आवश्यक सूत्र में साधु-साध्वी-श्रावक-श्राविकाओं को प्रतिदिन अवश्य करने योग्य, छः आवश्यक सामायिक, जिनस्तवन, वन्दन, प्रतिक्रमण, काउस्सग्ग, पच्चक्खाण का विस्तार से वर्णन है । आत्मोन्नति कारक पदार्थो से भरपूर है । प्रासंगिक रीति से भी अनेक विध विषय इस आगम में दर्शाये गये हैं । १३५ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है । कुल २३७१४३ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है ।

आगम गम्भारा लाभार्थी : पूज्या मातुश्री मेतादेवी समरथमलजी अंदाणीकी पुण्य स्मृति में
पुत्रवधुः स्व. वीजूदेवी, सुमटीदेवी, स्व. विजूदेवी, स्व. झमुदेवी, सोवनदेवी, पवनीदेवी समस्त समरथमलजी छोगाजी अंदाणी परिवार, सुराणा

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : पूज्या मातुश्री मेतादेवी समरथमलजी अंदाणीकी पुण्य स्मृति में
पुत्रवधुः स्व. वीजूदेवी, सुमटीदेवी, स्व. विजूदेवी, स्व. झमुदेवी, सोवनदेवी, पवनीदेवी समस्त समरथमलजी छोगाजी अंदाणी परिवार, सुराणा

श्री जिनेश्वरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती मेतादेवी समरथमलजी अन्दाणी-सुराणा

शिलान्यास के लाभार्थी : श्रीमती मेतादेवी समरथमलजी अन्दाणी-सुराणा

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 41. श्री दशवैकालिक सूत्रम्

पूज्य आचार्य श्री शय्यंभव सूरिजी ने अपने पुत्र मनक मुनि को, अल्पायु जान कर पूर्व में से वैराग्य रसपूरित गाथाओं को दश अध्ययन रूपी मटकों में संग्रहीत की है। जिसके पान से श्रमण संयम भाव में सहज स्थिर हो सकते हैं। मनकमुनि के काल धर्म पश्चात् श्री संघ की विनंती से आचार्य महाराज साहेब ने आगम यथावत रखा। ७५० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। कुल ३२१४८ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध हैं।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

पूज्य पिताश्री मिश्रीमलजी मातुश्री सुआबाईकी पुण्य स्मृति में, संघवी नेमीचंद, प्रवीणकुमार, गौरवकुमार, पुत्रवधुः दरियादेवी, पौत्रवधु : पिंकीदेवी, पौत्री : मीनाक्षी, करीना **समस्त गुलेच्छा परिवार,** जीवाणा फर्म : शा. विजयकुमार बाबूलाल एण्ड कम्पनी, चैन्नई

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

पूज्य पिताश्री मिश्रीमलजी मातुश्री सुआबाईकी पुण्य स्मृति में, संघवी नेमीचंद, प्रवीणकुमार, गौरवकुमार, पुत्रवधुः दरियादेवी, पौत्रवधु : पिंकीदेवी, पौत्री : मीनाक्षी, करीना **समस्त गुलेच्छा परिवार,** जीवाणा फर्म : शा. विजयकुमार बाबूलाल एण्ड कम्पनी, चैन्नई

श्री शुद्धमतिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : श्रीमती सुआदेवी पारसमलजी लादाजी संकलेचा–मेंगलवा

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. मनोहरमलजी साँकलचन्दजी मादाजी वाणीगोता–तिलोड़ा

आगम-पत्र 42. श्री उत्तराध्ययन सूत्रम्

परमात्मा श्री महावीर प्रभु ने पृथ्वी से विदाई लेते समय अन्तिम हित शिक्षा रूप महत्व की बातें सतत सोलह प्रहर तक देशना में कही, उनका संग्रह इस सूत्र में हैं। इस देशना में नवमल्ली और नवलच्छी राजा उपस्थित थे। वैराग्य मुनिवर के उच्च आचार, जीव, अजीव, कर्मप्रकृति लेश्या आदि का वर्णन इस सूत्र में हैं। २००० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। कुल १,१६,७०८ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध हैं।

आगम गम्भारा लाभार्थी :

शा. अचलचन्द, गुलाबचन्द, अशोककुमार, ललितकुमार, पंकजकुमार, शुभम्, तरुण, यश, युग
बेटा पोता शाह भीमराजजी गाँधीमेहता परिवार, सायला

आगम पत्र भराने के लाभार्थी :

शाह भीमराजजी श्रीमती धर्माबाई की पुण्य स्मृति में
पौत्र–प्रपौत्रवधु : अ. सौ. मन्जूदेवी, अरूणादेवी, ललितादेवी, कल्पनादेवी
एवं समस्त अचलचन्दजी गाँधी मेहता परिवार, सायला

श्री शिवंकरनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. अचलचन्दजी भीमराजजी गाँधी मेहता–सायला

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. अचलचन्दजी भीमराजजी गाँधी मेहता–सायला

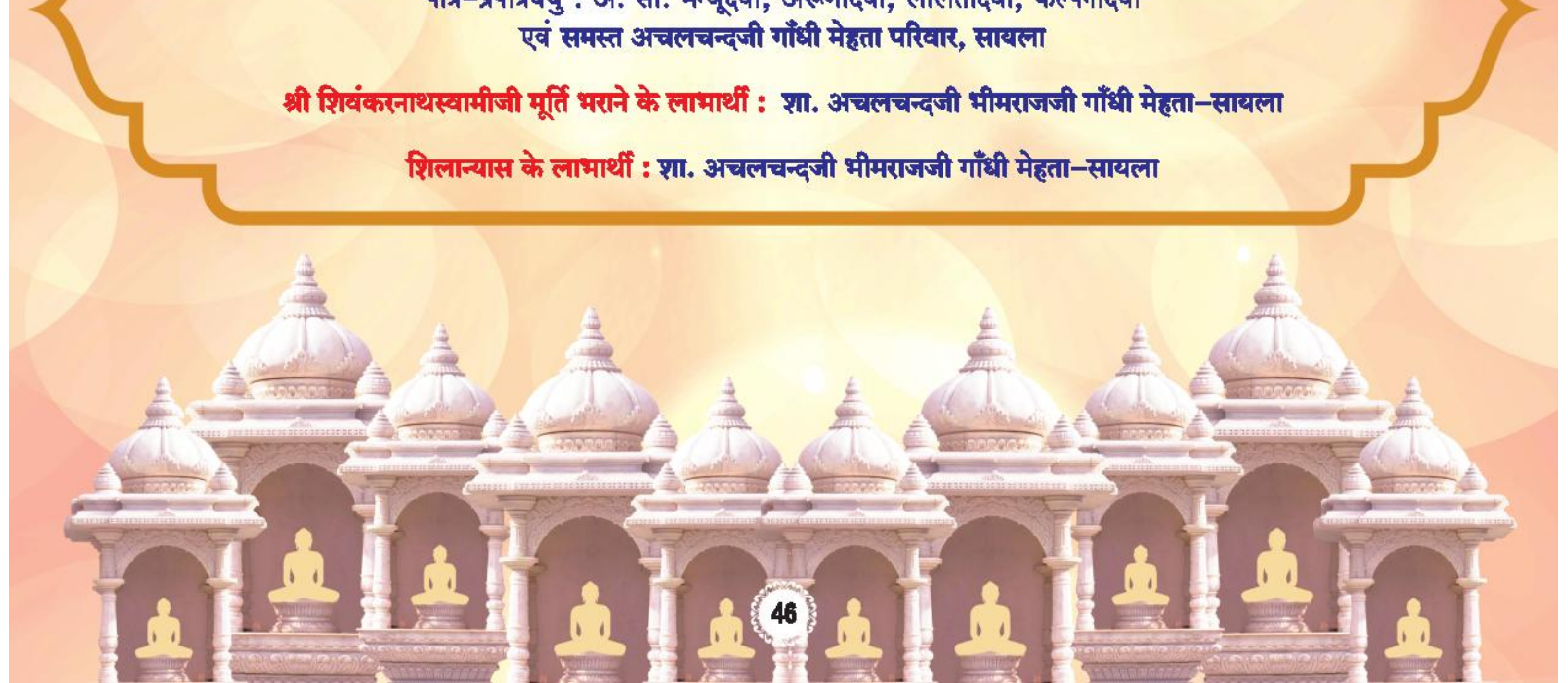

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर के विविध लाभार्थी

आगम-पत्र 43. श्री पिण्ड निर्युक्ति सूत्रम्

श्री पिंड निर्युक्ति आगम में मुख्यत: गौचरी की शुद्धि का स्पष्ट उल्लेख है। संयम साधना के लिए शरीर आवश्यक है और शरीर टिकाने के लिए पिंड (गौचरी) आवश्यक है। अत: मुनि गौचरी जाता है, तब उद्गम-उत्पादन एषणा आदि दोष रहित आहार लेते हैं तथा ग्रासैषणा के दोषों को टालने का सुन्दर वर्णन है। ८३५ श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। कुल १७,७७३ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध हैं।

आगम गम्भारा लाभार्थी : मातुश्री झमुदेवी हंजारीमलजी एवं भ्राता श्री डूँगरचन्दजी कबदी की पुण्य स्मृति मे शा. देवीचन्द, शान्तिलाल, लालचन्द, दलीचन्द, रमेशकुमार, प्रवीणकुमार, गौतम, अनिल, मदन, महावीर, कैलाश, भरत, प्रकाश, विक्रम, जिनेन्द्र, शुभम्, ऋषभ, निहाल, आर्यन, तनिश, ध्रुव, नमित, अक्षत, व्योम, वंश, युवल, प्रिंस, भव्य, मयंक, पलक, **बेटापोता शा. हंजारीमलजी मानमलजी हिमताजी कबदी परिवार, सायला** * फर्म : चम्पालाल डूँगरचन्द एण्ड कम्पनी, बीजापुर (कर्नाटक)

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : मातुश्री झमुदेवी हंजारीमलजी एवं भ्राता श्री डूँगरचन्दजी कबदी की पुण्य स्मृति मे शा. देवीचन्द, शान्तिलाल, लालचन्द, दलीचन्द, रमेशकुमार, प्रवीणकुमार, गौतम, अनिल, मदन, महावीर, कैलाश, भरत, प्रकाश, विक्रम, जिनेन्द्र, शुभम्, ऋषभ, निहाल, आर्यन, तनिश, ध्रुव, नमित, अक्षत, व्योम, वंश, युवल, प्रिंस, भव्य, मयंक, पलक, **बेटापोता शा. हंजारीमलजी मानमलजी हिमताजी कबदी परिवार, सायला** * फर्म : चम्पालाल डूँगरचन्द एण्ड कम्पनी, बीजापुर (कर्नाटक)

श्री स्यन्दननाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. देवीचन्दजी हंजरीमलजी कबदी-सायला

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. देवीचन्दजी हंजरीमलजी कबदी-सायला

आगम-पत्र 44. श्री नन्दि सूत्रम्

परम मंगल रूप इस आगम में मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मन:पर्यवज्ञान-केवलज्ञान इन पाँचोंज्ञानों का विस्तार से वर्णन है। द्वादशांगी का वर्णन संक्षिप्त में अतीव सुन्दर है। अनेक उपमान युक्त श्री संघ का वर्णन तीर्थंकर, गणधरों के नाम व स्थविरों के संक्षिप्त चरित्र भी वर्णित है। ७०० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। कुल १६, ४७७ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध हैं।

आगम गम्भारा लाभार्थी : वजावत भँवरलाल, विमलचंद, शांतिलाल, जयंतिलाल, कांतिलाल, कमलचंद, कीर्तिकुमार, सुरेशकुमार, प्रकाशकुमार, ब्रिजेश, नरेश, हितेश, विनोद, विवेक, अक्षय, मोहित, सोमेश, विश्वजित, कल्प, मानस, प्रथम, प्रणव
बेटापोता शाह फतेहचंदजी मगराजजी व रुपराजजी चुन्नीलालजी एवंस समस्त वाणीगोता परिवार, आहोर
* फर्म : शा. कांतिलाल जयंतिलाल वजावत, चैन्नई

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : वजावत भँवरलाल, विमलचन्द, शान्तिलाल, जयन्तीलाल, कान्तिलाल, कमलचन्द, कीर्तिकुमार, सुरेशकुमार, प्रकाशकुमार, बृजेश, नरेश, हितेश, विनोद, विवेक,अक्षय, मोहित, सोमेश, विश्वजीत, कल्प, मानस, प्रथम, प्रणव
बेटापोत्ता शा. फतेहचन्दजी मगराजजी, व रूपराजजी चुन्नीलालजी एवं समस्त वाणीगोता परिवार, आहोर
फर्म : शा. कान्तिलाल, जयन्तीलाल वजावत परिवार, चैन्नई

श्री सम्प्रतिनाथस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. फतहराजजी रूपचन्दजी वजावत-आहोर

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. फतहराजजी रूपचन्दजी वजावत-आहोर

आगम-पत्र 45. श्री अनुयोगद्वार सूत्रम्

श्री अनुयोग द्वार सूत्र सभी आगमों की विशिष्ट (मास्टर) चाबी है। इस आगम के अध्ययन से आगमों को समझने की पद्धति मिलती है, क्योंकि पदार्थो का निरूपण, सुव्यवस्थित संकलन, स्वरूप शैली ही इस आगम की प्रभावी विशिष्टता है। कुछ प्रासंगिक महत्व की माहिती पर प्रकाश भी डाला है। २००० श्लोक प्रमाण मूलसूत्र है। कुल १३, १६५ श्लोक प्रमाण साहित्य उपलब्ध है।

आगम गम्भारा लाभार्थी : मातुश्री बदामीदेवी (असलीबाई) सरेमलजी कोठारीकी पुण्य स्मृति में, सुपुत्र शा. माणकचन्द, स्व. चम्पालाल, भँवरलाल, पृथवीराज, दिनेशकुमार, राजेशकुमार, मुकेशकुमार, राकेशकुमार, केतनकुमार, मेहुलकुमार, विशालकुमार, विवेक, प्रियंक मोक्ष, आर्य, अव्य, कबीर, **बेटा पोता शाह सरेमलजी कपूरचन्दजी हिन्दुजी कोठारी परिवार, भीनमाल**

आगम पत्र भराने के लाभार्थी : मातुश्री बदामीदेवी (असलीबाई) सरेमलजी कोठारीकी पुण्य स्मृति में, पुत्रवधु : अ. सौ. देवुदेवी, मोदिनीदेवी, कलावंतीदेवी, विद्यादेवी, शिल्पादेवी डिम्पलदेवी, निकीदेवी, डोलीदेवी, दीपिकादेवी, मानसीदेवी **समस्त शाह सरेमलजी कपूरचन्दजी हिन्दुजी कोठारी परिवार, भीनमाल**

श्री महावीरस्वामीजी मूर्ति भराने के लाभार्थी : शा. माणकचन्दजी सरेमलजी कोठारी-भीनमाल

शिलान्यास के लाभार्थी : शा. माणकचन्दजी सरेमलजी कोठारी-भीनमाल

श्री शत्रुंजय पट दर्शनम् के मूलनायक एवं सूरिमंत्र पीठिका आराधनार्थ

श्री आदीश्वर भगवान की मूर्ति भराने के लाभार्थी

थराद निवासी
पूज्य पिताश्री वसन्तलालजी शान्तिलालजी परीख की पुण्य स्मृति में
श्रीमती कोकिलाबेन, पुत्र-पुत्रवधू : हार्दिककुमार-सिल्कीबेन,
क्रुणालकुमार-लेन्सीबेन, हेमलकुमार-सोनालीबेन
पौत्र-पौत्री : धैर्य, निष्का

जिमणी तरफ
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मन्दिर प्रवेश द्वार

प्रथम - श्री शान्ति पार्श्व राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर संघ - धानसा (राज.)
द्वितीय - श्री सुविधिनाथ राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर संघ , मैसूर (कर्नाटक)

डाबी तरफ प्रवेश द्वार

प्रथम - श्री शीतल शान्ति जिन राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर संघ - दाधाल (राज.)
द्वितीय - श्री सुमतिनाथ राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर संघ - मेंगलवा

पीछे के भाग में प्रथम द्वार

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय श्री राजेन्द्रसूरि जैन आराधना भवन, बीजापुर (विजयपुर, कर्नाटक)

पीछे के भाग में द्वितीय द्वार

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय श्री राजेन्द्रसूरि जैन आराधना भवन, बीजापुर (विजयपुर, कर्नाटक)

श्री शत्रुंजय दर्शन - वर्षीतप आराधक हॉल

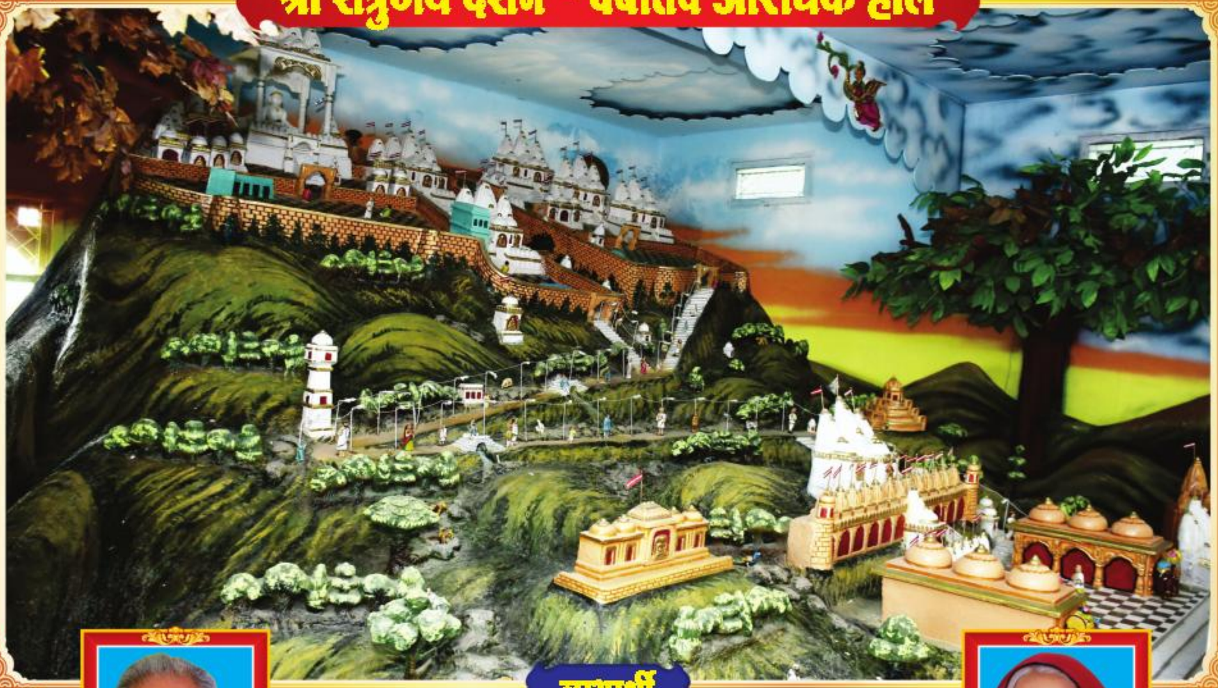

स्व. मानमलजी छत्रियावोरा

लाभार्थी

श्रीमति सुआदेवी मानमलजी भीमाजी
छत्रियावोरा परिवार, सुराणा (राज.)

श्रीमति सुआदेवी

श्री जिनबिम्ब भण्डार

श्री जयन्तसेनसूरि पाटगादी

लाभार्थी

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय श्री राजेन्द्रसूरि जैन आराधना भवन संघ
बीजापुर (विजयपुर) कर्नाटक

कार्यालय

लाभार्थी

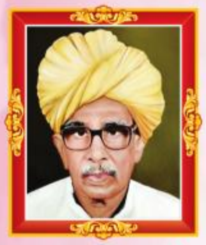

शा सुखराजजी बालगोता

मातुश्री देवुदेवी सुखराजजी केशाजी बालगोता मेंगलवा की पुण्य स्मृति में

सुपुत्र : मूलचन्द * सुपुत्री : मंजुदेवी * पुत्रवधु : सन्तोषदेवी

पौत्र : विक्रमकुमार * पौत्रवधु : प्रियंकादेवी * पौत्री : दीपिका, पूजा * प्रपौत्र : ग्रन्थ, अर्थ

सुखसागर चेरीटेबल ट्रस्ट, दिल्ली-मेंगलवा-चैन्नई

श्रीमती देवुदेवी बालगोता

स्वागत कक्ष-उप कार्यालय

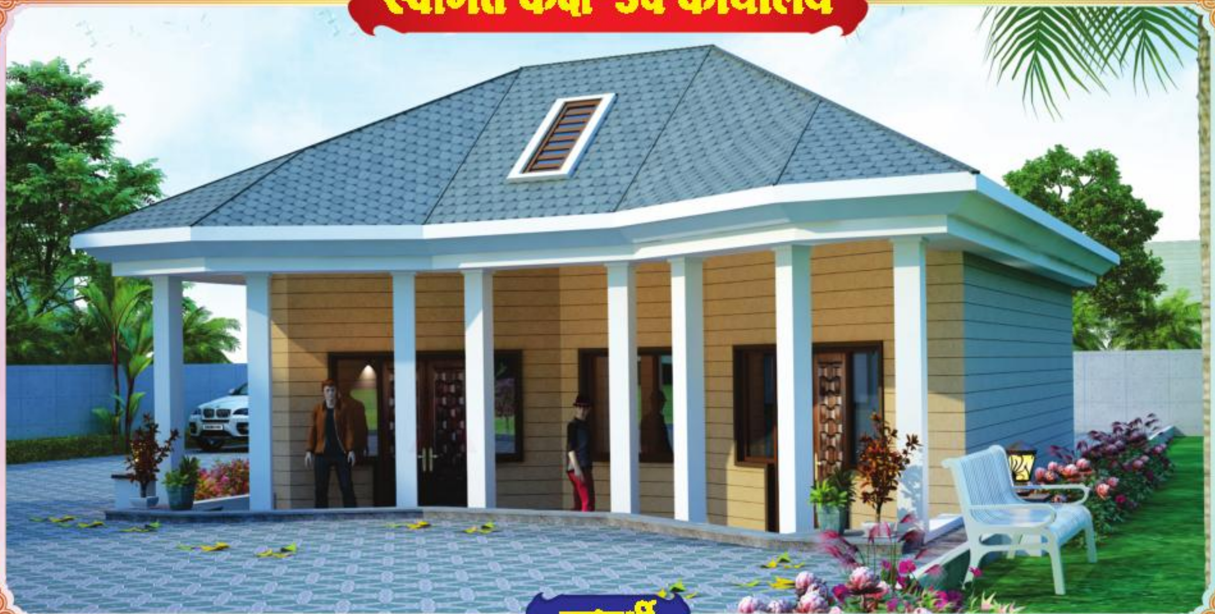

लाभार्थी

शा. माणकचन्दजी बालगोता

मेंगलवा निवासी

मातुश्री शान्तिदेवी माणकचन्दजी छोगाजी बालगोता की पुण्यस्मृति में

पुत्र-पुत्रवधू : शा. तिलोकचन्द-मंजुदेवी, जुगराज-कंचनदेवी, प्रकाशकुमार-शान्तादेवी, गौतमचन्द-निर्मलादेवी, मूलचंद-मोवनदेवी,

पौत्र-प्रपौत्र : भरत, दिलीप, मनीष, सज्जन, अंकुश, वरुण, हर्ष, पवन, हितार्थ, इदान्त, द्रव्य

शाह माणकचन्दजी छोगाजी बालगोता परिवार

श्रीमती शान्तीदेवी बालगोता

श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन द्वार

लाभार्थी

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र जैन श्वे. संघ – जीवाणा
श्री जैन संघ – जीवाणा

श्री संघवी भवन स्वागत कक्ष

लाभार्थी

शा. माणकचन्दजी बालगोता

उम्मेदाबाद-गोल (राज.) निवासी
संघवी शा. गौतमचन्द-निर्मलादेवी महावीरकुमार-गुणवन्तीदेवी,
संजयकुमार-वीणादेवी, विक्रमकुमार-रेखादेवी, प्रविणकुमार-हेमादेवी
धरणेन्द्रकुमार- डिम्पलदेवी, हर्ष वर्धमान, चारु, सानिया, ऋषभ,
भाविक, जैनम्, पक्षाल, देशना, नीराली, खुश, संभव
बेटा पोता संघवी शा. चम्पालालजी बन्दामुथा,
रिद्धि-सिद्धि मेटल्स, बेंगलूरु-चेन्नई

श्रीमती शान्तीदेवी बालगोता

श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन सभा भवन

प्रथम खण्ड लाभार्थी

मातुश्री गवरीबाई पिताश्री हिराचन्दजी एवं भ्राताश्री चन्दनमलजी की पुण्य स्मृति में
शा. डायालाल, अमीचन्द, कान्तिलाल, पारसमल, दूदमल, प्रकाश, राजेश, नरपत,
लक्ष्मण, ललित, महेन्द्र, मुकेश, गौतम, कैलाश, चेतन, अनिल, दिलीप, मनीष,
दीपक, विवेक, नवीन, प्रियंक, निराग, मिलन, प्रियंक, विपुल, कलश, द्रव्य
बेटा पोता शा समरथमलजी मुलतानमलजी झोटा परिवार, दाधाल (राज.)

द्वितीय खण्ड लाभार्थी

श्री शीतल शान्ति जिन राजेन्द्र जैन श्वे. संघ * श्री पंच महाजन समस्त–दाधाल

श्री चतुर्विध संघ भक्ति केन्द्र

श्री शांतिलालजी संकलेचा

श्रीमती मोवनदेवी संकलेचा

लाभार्थी

पूज्य पिताश्री शान्तिलालजी की पुण्य स्मृति में मातुश्री मोवनदेवी
सुपत्र : अशोककुमार–कान्तादेवी, दिनेशकुमार–भाग्यवन्तीदेवी
सुपुत्री : नारंगीदेवी, रंगीलादेवी * सुपौत्र : राहुल, निखिल, प्रफुल्ल, यश
सुपौत्री : मारुती, दिया, करिश्मा
समस्त शा शान्तिलालजी हरकचंदजी संकलेचा परिवार, मेंगलवा (राज.)

पानी टंकी

लाभार्थी

संघवी
शा. चन्दाजी अमीचन्दजी
कटारिया संघवी परिवार
साँचोर

श्री यतीन्द्र विहार उपाश्रय

लाभार्थी

शा. मांगीलालजी

संघवी मातुश्री चुन्नीबाई मिश्रीमलजी मेहता की पुण्य स्मृति में निर्मित
संघवी शा. माँगीलाल-उगमदेवी, अशोककुमार- मीनादेवी, जयन्तिलाल-निर्मलादेवी
सुपुत्री : संगीताबेन, सचित, मीत, राहुल, हितांश
बेटा पोता शा. मिश्रीमलजी जावन्तराजजी वेद मेहता परिवार
साँचोर (राज.)

श्रीमती उगमदेवी

प्रसंग प्रांगण

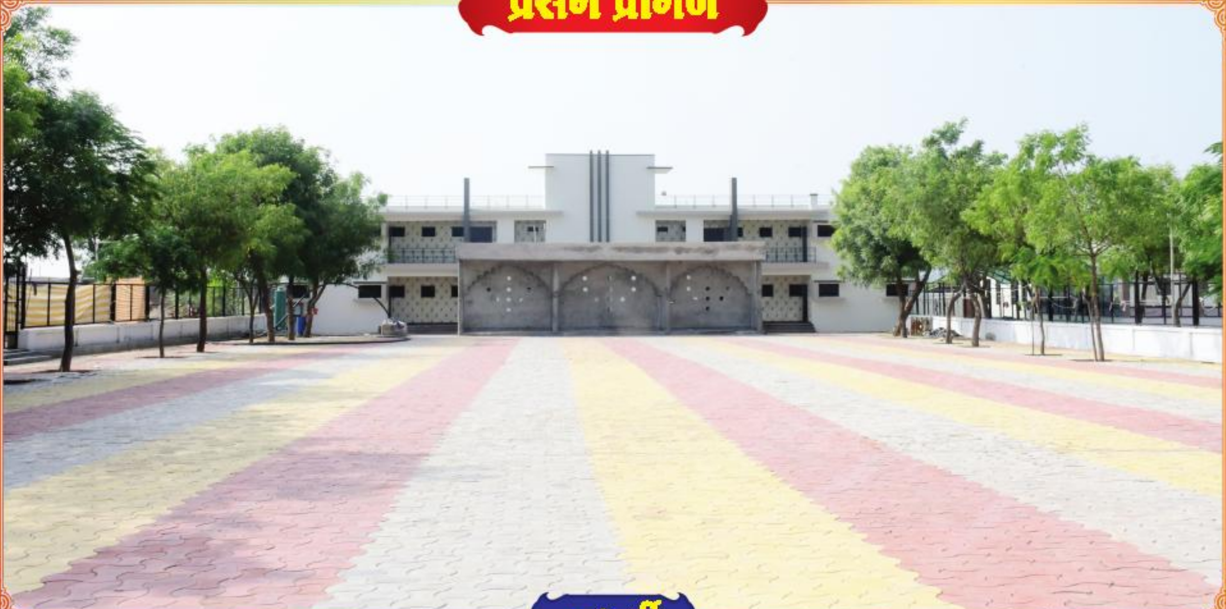

लाभार्थी

मातुश्री प्यारीबाई पिताश्री मेघराजजी एवं
सुपुत्र-श्री बाबुलालजी, गुटराजजी की पुण्य स्मृति में
शा. भँवरलाल, किशोरकुमार, दाडमचन्द, कान्तिलाल, मदनलाल, शेषमल, अमीचन्द, जोगराज, उत्तमचन्द, सुरेशकुमार
बेटा पोता शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोहरा परिवार, सुराणा (राज.)
प्रतिष्ठान : मिलियन ग्रुप, विजयवाडा, दिल्ली, मुम्बई, हरिद्वार

श्री वर्धमान राजेन्द्र कुन्दन जैन संघ भोजनशाला

श्री वर्धमान राजेन्द्र कुन्दन जैन भोजनशाला

श्री गौतम लब्धि भण्डार

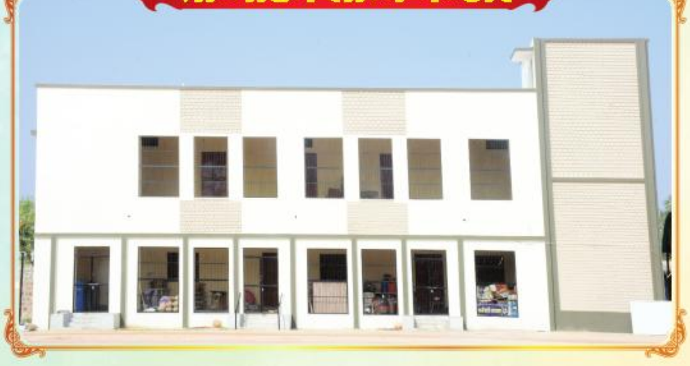

शा. साँवलचन्दजी बालगोता

मोहनदेवी बालगोता

लाभार्थी

संघवी श्रीमती मोहनदेवी साँवलचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में निर्मित
सुपुत्र-पुत्रवधु : पारसमल-सुशीलादेवी, सुरेशकुमार-मंजुदेवी, दिनेशकुमार-निर्मलादेवी, कैलाशकुमार-राखीदेवी, जयन्तकुमार-पिंकीदेवी * सुपौत्र-पौत्रीः बिलेश, निवेदा, श्रीकेष, रिया, दीक्षित, जैना, पूरव, सुविध, कियारा

समस्त श्रीमती मोहनदेवी साँवलचन्दजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार

प्रतिष्ठान : फाईब्रोस कुन्दन केब, मेंगलवा (चैन्नई, दिल्ली, मुंबई)

श्री जयन्तसेन विजयवाड़ा जैन यात्रिक भवन

(वातानुकूलित)

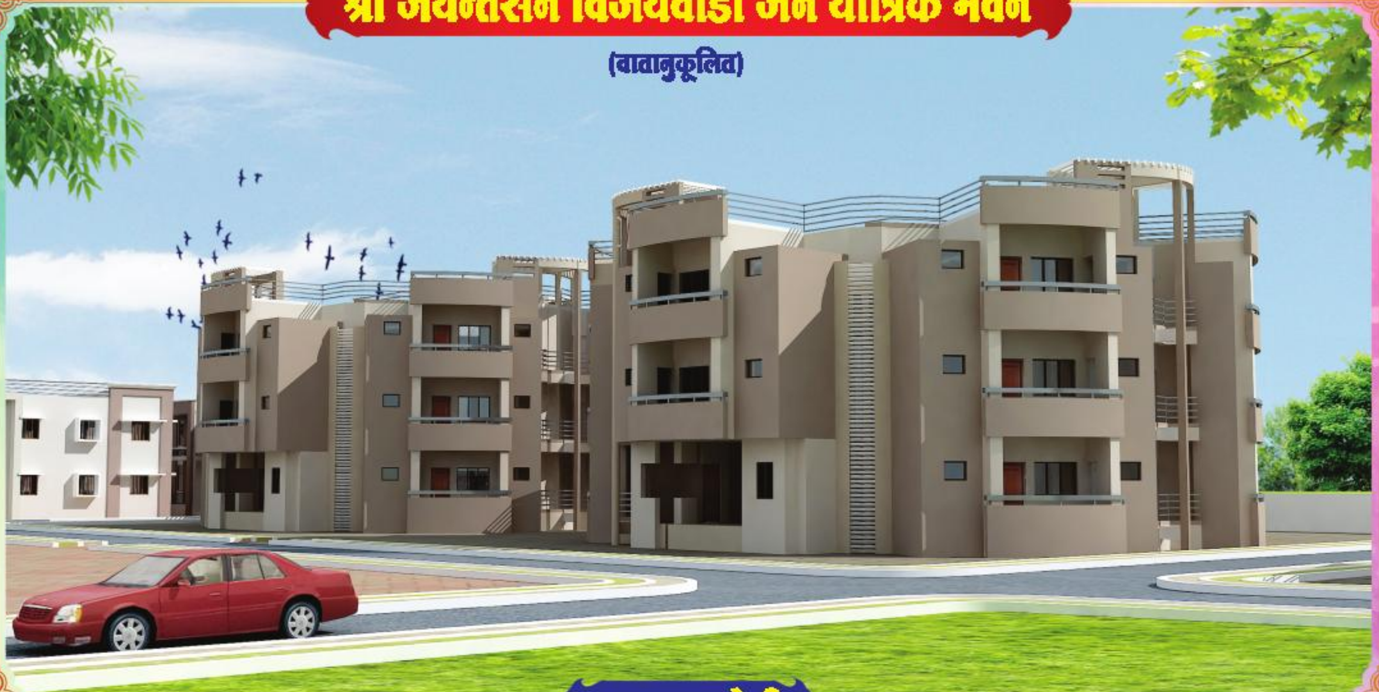

मुख्य सहयोगी

श्री संभवनाथ राजेन्द्रसूरि जैन श्वेताम्बर संघ, विजयवाड़ा

कक्ष लाभार्थी

* संघवी शा. भँवरलालजी भेरमलजी श्रीश्रीश्रीमाल अग्निगोता – अमरसर (सरत) विजयवाड़ा
* मातुश्री सुंगीदेवी तिलोकचन्दजी सदाजी कटारिया संघवी – धानसा, विजयवाड़ा
* संघवी श्रीमती मेतीदेवी पेराजमलजी रतनपुरा वोरा – मोदरान्, विजयवाड़ा
* श्रीमती पाबुदेवी ओटमलजी गोराजी वेदमुथा – रेवतड़ा, विजयवाड़ा
* श्रीमती उजीदेवी हस्तीमलजी मगनाजी भंडारी – सायला, विजयवाड़ा
* शा. सागरमलजी लादाजी पालगोता चौहान – उम्मेदाबाद (गोल) विजयवाड़ा
* संघवी शा. माँगीलालजी रिखबचन्दजी कबदी – सायला, विजयवाड़ा
* शा. मोहनलालजी हरकचन्दजी जोमताजी गोवाणी – चोराऊ, विजयवाड़ा
* संघवी श्रीमती कमुदेवी घेवरचन्दजी आदाजी छत्रिया बोहरा – सुराणा, विजयवाड़ा
* शा. भँवरलालजी मेघराजजी आदाजी छत्रिया बोहरा – सुराणा, विजयवाड़ा
* शा. बादरमलजी वेजराजजी साँकलचन्दजी हुकमाणी – पाँथेडी, विजयवाड़ा
* शा. जवानमलजी आसुलालजी टाणी – दासपा, विजयवाड़ा
* शा. मनोहरमलजी सराजी कसनाजी हुण्डिया – दासपा, विजयवाड़ा
* श्रीमती रंगुदेवी नरसींगमलजी आसाजी बाफना – कोरा, विजयवाड़ा
* शा. शान्तिलालजी गणपतचन्दजी सोलंकी – जालौर, विजयवाड़ा
* शा. मीठालालजी गुणेशमलजी बाफना – थलवाड, हालः जालौर, विजयवाड़ा
* शा. प्रकाशचन्दजी वस्तीमलजी भंडारी – आहोर, विजयवाड़ा

श्री विद्याचन्द्र चैन्नई जैन यात्रिक भवन

(वातानुकूलित)

मुख्य सहयोगी

श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी जैन ट्रस्ट-चैन्नई

कक्ष लाभार्थी

* श्रीमती शान्तिदेवी माणकचन्दजी छोगाजी बालगोता - मेंगलवा, बैंगलोर
* शा. जीतमलजी देवीचन्दजी पालगोता चौहान - ऐलाना, बैंगलोर
* श्रीमती हीरादेवी जुगराजजी साँकलचन्दजी काँगरेशा - उम्मेदाबाद (गोल) सेलम
* श्रीमती रमकुदेवी मोहनलालजी गिरधारजी छत्रियाबोहरा - जीवाणा, अहमदाबाद
* शा. पुखराजजी हिमताजी भगाजी ओकाणी बाफना - राजनगर (उनडी) कोलकत्ता, अहमदाबाद
* श्रीमती नावीदेवी मिश्रीमलजी केशाजी बालगोता- मेंगलवा, अहमदाबाद
* शा. बस्तीमलजी नेणमलजी प्रागाजी संकलेचा - मेंगलवा, बैंगलोर
* शा. उत्तमचन्दजी मनोहरमलजी गुणेशमलजी कबदी - सायला
* श्रीमती मिठूदेवी घेवरचन्दजी मादाजी पालरेचा - चौराऊ, चैन्नई
* श्रीमती पुष्पादेवी सुखराजजी मादाजी पालरेचा - चौराऊ, चैन्नई
* शा. हेमराजजी हस्तीमलजी धनाजी छत्रगोता - चौराऊ, चैन्नई
* शा. वस्तीमलजी समरथमलजी हाँसाजी कबदी - सायला, कोयंबटूर
* शा. हीराचन्दजी भारमलजी कटारिया संघवी - साँचोर, मुंबई
* शा. बाबुलालजी धनराजजी हरजीजी डोडिया गाँधी - धुम्बडिया, अहमदाबाद
* श्रीमती प्रेमलताबाई मगराजजी डोडिया गाँधी - धुम्बडिया, चैन्नई
* श्रीमती प्यारीबाई फूलचन्दजी मिश्रीमलजी गाँधीमहेता - धुम्बडिया, मुंबई, चैन्नई
* श्रीमती वलमीदेवी वस्तीमलजी मुता - जीवाणा

श्री वर्धमान राजेन्द्र सुमतिदेवी मनोहरमलजी अंदाणी जैन यात्रिक भवन

(72 कक्षीय यात्रि धर्मशाला)

निर्माण लाभार्थी

शा. मनोहरमलजी अंदाणी

स्व. श्रीमती सीतादेवी–दुदमलजी अंदाणी,
श्रीमती विमलादेवी–सूरजमलजी अंदाणी
सुराणा (राज.)–अहमदाबाद–बेंगलोर

श्रीमती सुबटीदेवी अंदाणी

श्री राजेन्द्रसूरि जैन सभा भवन

लाभार्थी

शा. नैनमलजी बालगोता

मातुश्री कुकीदेवी साहेबचन्दजी एवं
पुत्रवधु चंचलदेवी नेनमलजी बालगोता की पुण्य स्मृति में
शा. नैनमल, महावीरकुमार-किरणदेवी, जीतुकुमार-मधुदेवी,
आयुषकुमार, संयमकुमार, वैराग, दियारा

बेटा पोता शा साहेबचन्दजी पुनमाजी बालगोता परिवार

मेंगलवा (राज.)

स्व. चंचलदेवी बालगोता

लघु यात्रि धर्मशाला प्रथम

लाभार्थी

सुपुत्र : श्री विक्रमकुमार की पुण्य स्मृति में
शा. नेनमल घेवरचन्दजी छत्रिया बोहरा
सुराणा

लघु यात्रि धर्मशाला द्वितीय

मुख्य सहयोगी

सुपुत्री संगीता बाबुलालजी एवं
श्रीमती ललितादेवी हीराचन्दजी की पुण्य स्मृति में,

श्रीमती रंगुदेवी नरसीमलजी आसाजी बाफना
कोरा-मुंबई-विजयवाडा

श्री लावण्य विहार

शा. मोडमलजी बाफना

स्व. वदामीदेवी

लाभार्थी

श्रीमती वदामीदेवी मोडमलजी बाफना की पुण्य स्मृति में
शा. जयन्तिलाल, अशोककुमार, महावीरकुमार, प्रकाशकुमार हितेशकुमार,
भावेश चिराग, प्रीत, जैनम्, मीत, जैनिल, द्रव्य, संयम
निवासी- सायला (थलवाड़)

शा. मोडमलजी जोईताजी राजींगजी बाफना परिवार

प्रतिष्ठान: **JM GROUP Nellor, Hyderabad | Zome Laxurious Bathzone**

श्री सूर्य स्मृति भवन

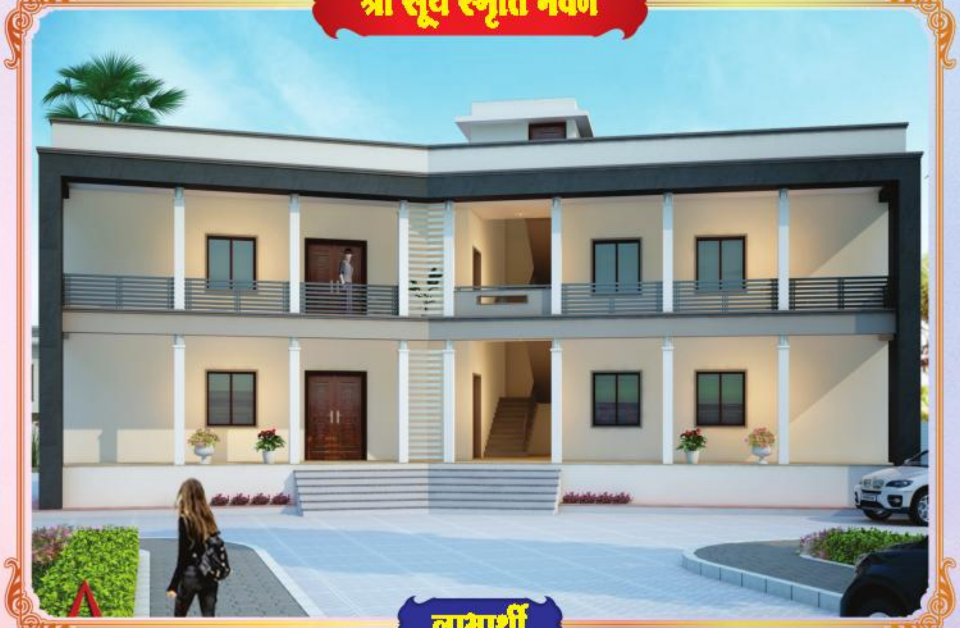

लाभार्थी

शा. दलीचन्दजी मुणोत

मातुश्री धाईबाई खेतमलजी भ्राताश्री माँगीलालजी
सुपुत्र : नितेशकुमार की पुण्य स्मृति में निर्मित
शा. दलीचन्द-लीलादेवी, राकेशकुमार-प्रीतिदेवी, निकिता, मन्नत, खुश

बेटापोता शा. खेतमलजी भगाजी मुणोत परिवार

तिलोडा-मदुराई

श्रीमती लीलादेवी मुणोत

श्री सहयोग धर्मशाला (25 कक्षीय)

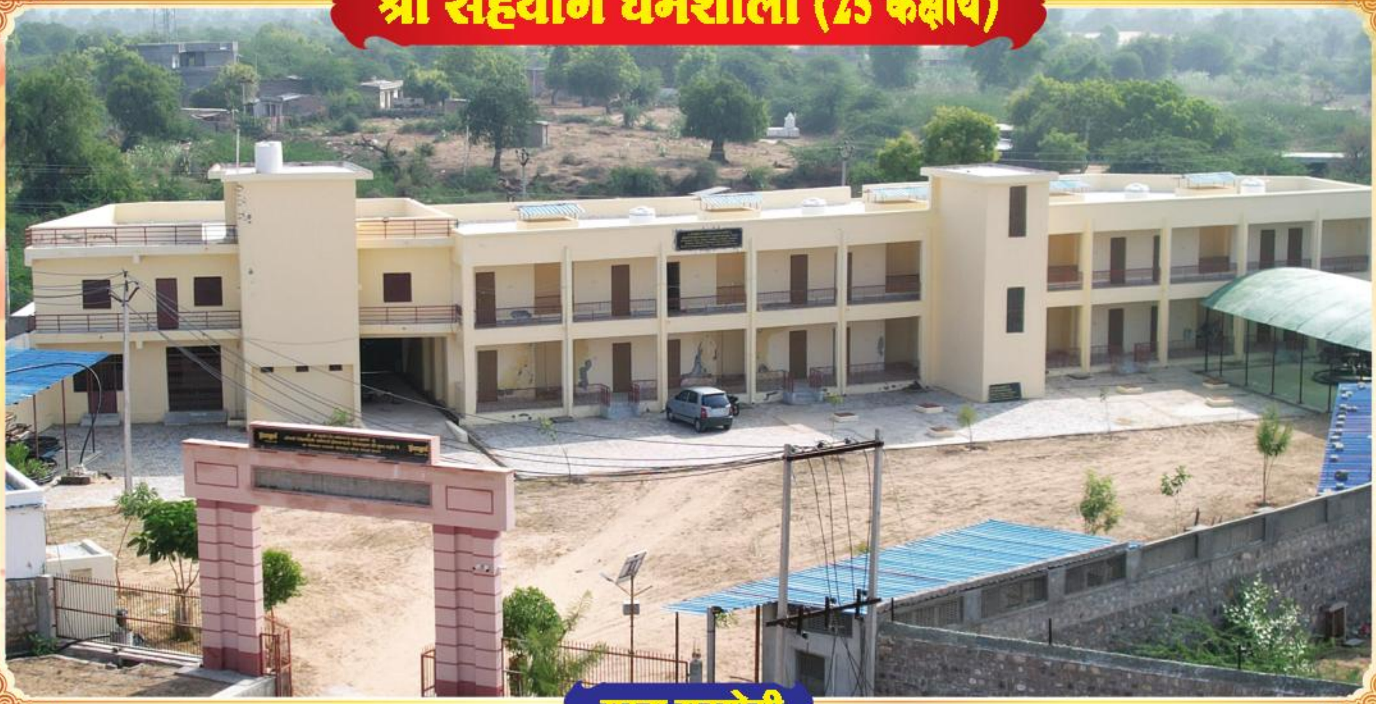

मुख्य सहयोगी

शा भँवरलालजी

सायला (राज.) निवासी
श्रीमती शान्तिदेवी भँवरलालजी भारताजी फोलामुथा, सायला
शा. भँवरलालजी, हीराचंद, रमेशकुमार, अशोककुमार,
प्रवीणकुमार, दिनेशकुमार दीपककुमार, अंकितकुमार,
अश्विनकुमार, श्लोक, मान्विक एवं रायण

बेटा पोता शा. भारताजी रतनाजी परिवार

प्रतिष्ठान : डायमंड मेटल कॉर्पोरेशन, चैन्नई

श्रीमती शान्तिदेवी

कक्ष लाभार्थी

१. दासपा निवासी श्रीमती भँवरीदेवी - विजयराजजी हिम्मतमलजी टाँणी परिवार

२. साँचोर निवासी मातुश्री ढेलीदेवी रडमलजी लालण की पुण्य स्मृति में
सुपुत्रः मिठालाल, किस्तूरचन्द, हटमल * सुपौत्र : नितेश, शैलेष,
अरविन्द, निर्मल, जीतू, मनीष, अक्षय * प्रपौत्र : क्यान, पक्षाल, अर्हम, खुश
बेटा पोता शा रडमलजी रुपाजी लालण परिवार

३. पोषाणा निवासी शा. चंपालालजी कुन्दनमलजी लुंकड परिवार

४. साँचोर नगर (सत्यपुरतीर्थ) निवासी
शा गंगदासजी भगवानजी कटारिया संघवी परिवार
सुपुत्र : सुमेरमल, कालुचन्द * सुपौत्र : किशोर, जितेन्द्र, विजय, अशोक
* प्रपौत्र : हर्ष, ऋषि, क्यान एवं ध्रुवांश * प्रतिष्ठान : अरिहन्त मेटल कॉरपोरेशन-मुंबई

श्री वर्धमान राजेन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय - भाण्डवपुर तीर्थ

भाण्डवपुर, पं.स. सायला, जिला-जालौर (राज.)

निर्माता

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढी ट्रस्ट
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट संघ

भाण्डवपुर तीर्थ, जि. जालोर (राज.)

श्री वर्धमान राजेन्द्र चिकित्सालय - भाण्डवपुर तीर्थ

भाण्डवपुर, पं.स. सायला,
जिला-जालौर (राज.)

निर्माता

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढी ट्रस्ट * श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट संघ

भाण्डवपुर तीर्थ, जि. जालोर (राज.)

गुरु यतीन्द्र जयन्तसेन विद्यापीठ - भाण्डवपुर तीर्थ

प्रस्तावित प्रारूप

श्री सिंहद्वार (मुख्य प्रवेशद्वार) - भाण्डवपुर तीर्थ

प्रस्तावित प्रारूप

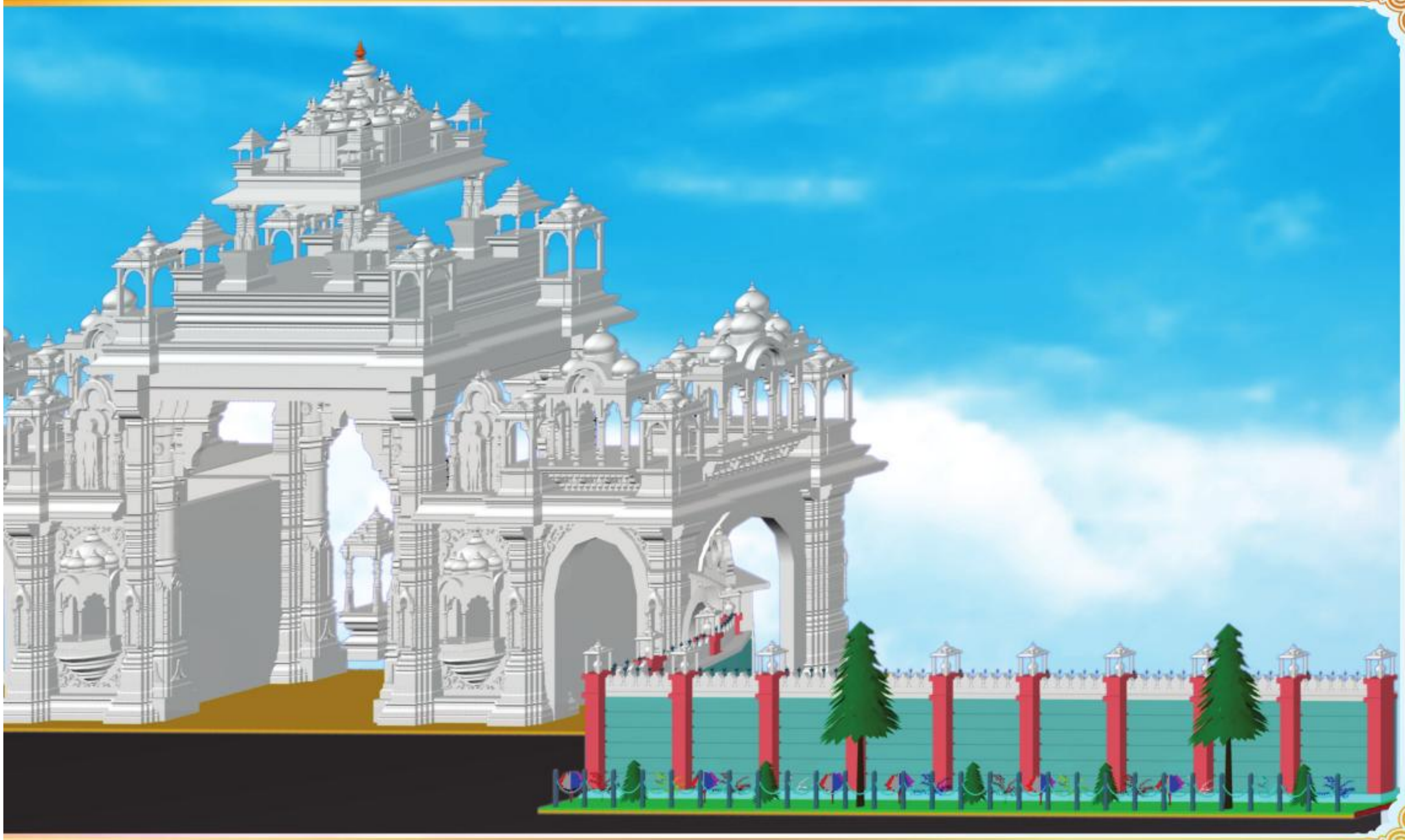

नर्मदानीर आर.ओ. प्लान्ट लाभार्थी

लाभार्थी

मेंगलवा निवासी

श्रीमती झमकादेवी रामाजी डायाजी भण्डारी की पुण्यस्मृति में

पुत्री-जवाँई : श्रीमती विजुदेवी मिश्रीमलजी बाफना-थलवाड

श्रीमती शांतिदेवी माणकचन्दजी बालगोता-मेंगलवा * श्रीमती उर्जीदेवी इन्द्रमलजी संकलेचा, गढ़सिवाणा

श्रीमती राधादेवी घेवरचंदजी नाहटा, मेंगलवा * श्रीमती सुखीदेवी नथमलजी हरण, भीनमाल

प्रतिष्ठान : नवकार प्लायवुड्स, मायावरम्, चैन्नई

शांतिपुरम् प्रवेश द्वार

श्री तत्त्वत्रयी प्रतिष्ठोत्सव स्मारक चोराया एवं प्याऊ

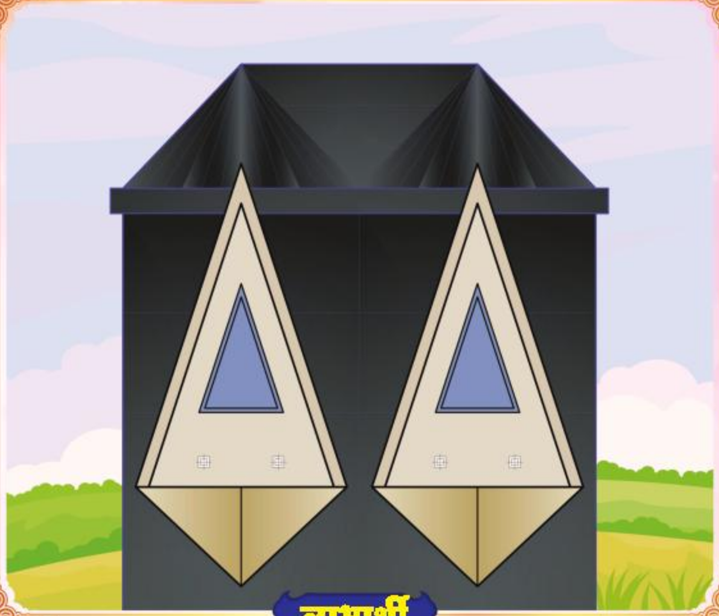

लाभार्थी

संघवी शा. चम्पालालजी भंडारी

सायला, जालोर निवासी

पूज्य दादीजी श्री वदीबाई छोगालालजी भंडारी के दिव्याशीष से

पूज्य पिताजी संघवी श्री भबुतमलजी की पुण्य स्मृति में

मातुश्री सुमटिबाई भण्डारी

पुत्र-पुत्रवधू : शा. चम्पालाल भँवरीदेवी * पुत्री : कमलाबाई, गुलाबीदेवी

पौत्री : निकिता, पूजा * पौत्र-पौत्रवधू : प्रतीक- वैशाली

प्रतिष्ठान : Paxal CORPORATION, BANGALORE

संघवी श्रीमती भँवरीदेवी भंडारी

श्री महावीर अहिंसा स्मारक

लाभार्थी

श्री नाहर ग्रुप, मुंबई

श्रीमती सोहिनीदेवी सुखराजजी नाहर परिवार, भीनमाल

श्री महावीर प्याऊ

लाभार्थी

श्री गेबीलालजी छाजेड

श्रीमती इन्द्रादेवी छाजेड

जीवाणा निवासी

मातुश्री इन्द्रादेवी गेबीलालजी छाजेड पुत्र अमृतलाल की पुण्य स्मृति में

शा. उदयचन्द, मोहनलाल, मनोहरमल, जुगराज, महावीरकुमार,
ललितकुमार, नीतेश, कमलेश, ऋत्विक, दर्शन
प्रतिष्ठान : विनायक डेन्टल, जोधपुर * श्री विनायक डेवलपर्स, जोधपुर
* त्रिशा शेयर्स, जोधपुर * अरिहन्त फैशन, हैदराबाद

श्री महावीर यात्रि प्रतीक्षालय

लाभार्थी

शा. ललितकुमार छाजेड

श्रीमती पार्वतीदेवी

जीवाणा निवासी

मातुश्री इन्द्रादेवी गेबीलालजी छाजेड पुत्र अमृतलाल की पुण्य स्मृति में

शा. उदयचन्द, मोहनलाल, मनोहरमल, जुगराज, महावीरकुमार,
ललितकुमार, नीतेश, कमलेश, ऋत्विक, दर्शन
प्रतिष्ठान : विनायक डेन्टल, जोधपुर * श्री विनायक डेवलपर्स, जोधपुर
* त्रिशा शेयर्स, जोधपुर * अरिहन्त फैशन, हैदराबाद

श्री जैन यात्रिक अतिथि सेवा केन्द्र (द्वितीय खंड)

लाभार्थी

शा. कान्तीलालजी डामराणी

मेंगलवा निवासी

श्रीमती गीतादेवी-कान्तीलालजी श्रीश्रीश्रीमाल नेणगोत्र

पुत्र-पुत्रवधू : महीपकुमार-रिन्कुदेवी, सुमितकुमार-डिम्पलदेवी

पुत्री-जवाँई : कविताबाई-हितेशजी लुणिया मुथा, प्रीतिबाई-विनोदजी गाँधीमुथा

पौत्री : वारुष, जैनित * पौत्री : ईविशा, पहल, डामराणी

श्रीमती गीतादेवी डामराणी

पक्षी दाना घर (चबूतरा)

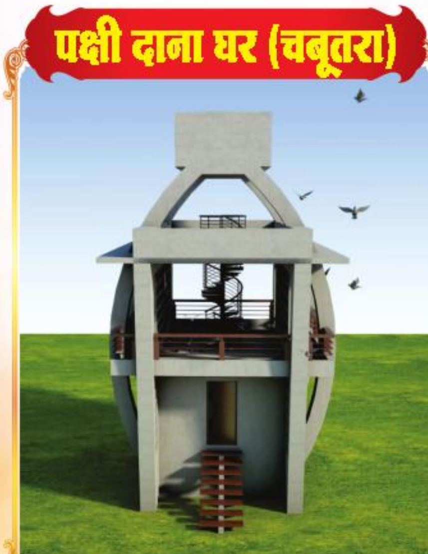

लाभार्थी

* शा. कान्तिलाल गेबाजी डामराणी-मेंगलवा
* शा. सुखराज मुल्तानमलजी कांकरिया-बागोड़ा
* शा. हस्तीमल, पारसमल,
  वुदमल पालगोता चौहान-सुराणा

कबुतर दाना निभाव भवन (दुकान)

लाभार्थी

शा. कान्तीलालजी डामराणी

मेंगलवा निवासी

श्रीमती गीतादेवी-कान्तीलालजी

श्रीश्रीश्रीमाल नेणगोत्र

श्रीमती गीतादेवी डामराणी

पुत्र-पुत्रवधू : महीपकुमार-रिन्कुदेवी, सुमितकुमार-डिम्पलदेवी

पुत्री-जवाँई : कविताबाई-हितेशजी लुणिया मुथा, प्रीतिबाई-विनोदजी गाँधीमुथा

पौत्री : वारुष, जैनित * पौत्री : ईविशा, पहल, डामराणी

श्री राजेन्द्रसूरि जैन सेवा सदन (पोस्ट भवन)

लाभार्थी

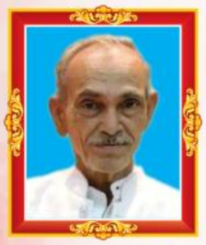

शा. मगराजजी

स्व. श्रीमती शांतिदेवी

जीवाणा (राज.) निवासी

स्व. शा. मांगीलालजी सरेमलजी-स्व. श्रीमती मोहनदेवी मांगीलालजी

शा. मगराजजी सरेमलजी-स्व. श्रीमती शांतिदेवी मगराजजी
शा. डुंगरमलजी सरेमलजी - श्रीमती गीतादेवी डुंगरमलजी
बेटा-पोता : गणपत, बंकीम, कमलेश, अमित, विकेश, दर्शन, पक्षाल,
हार्दिक, भविश, छत्रीया बोहरा एवं समस्त खसाणी परिवार
प्रतिष्ठान : डी.एल. मार्केटींग (फुलक्ष लाईटींग), चेन्नई

श्री महावीर जैन सेवा सदन (बैंक भवन)

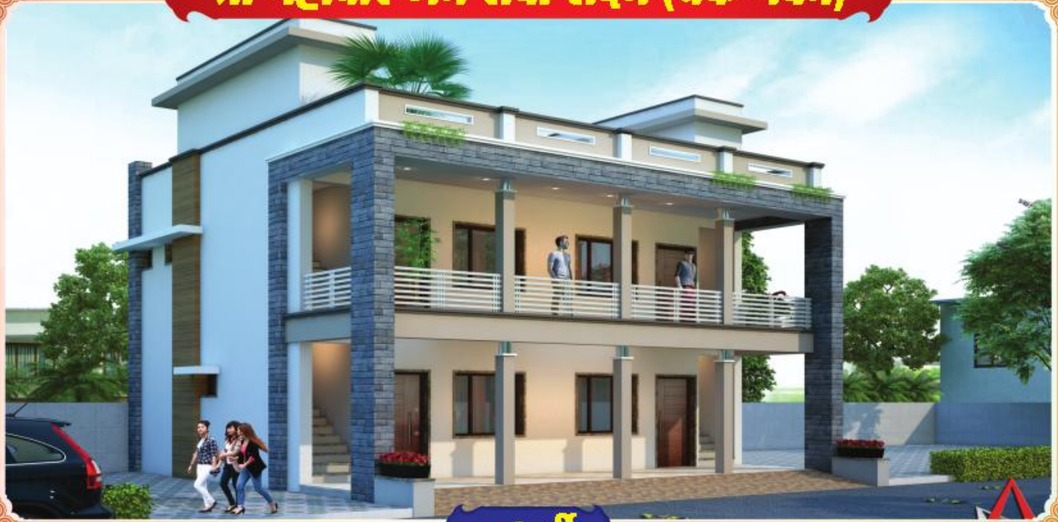

लाभार्थी

संघवी शा. छोगालालजी

संघवी श्रीमती मोहनदेवी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु : शा किशोरकुमार-पूजादेवी, शा. विक्रमकुमार-प्रीतिदेवी
पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही,
संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा-दाधाल,
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी-सायला

कविरत्न गुरुश्री विद्याचन्द्रसूरीश्वरजी वाटिका

लाभार्थी

संघवी शा. मांगीलालजी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु : शा. किशोरकुमार-श्रीमती पूजादेवी,
शा विक्रमकुमार-श्रीमती प्रीतिदेवी, पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही
बेटा-पोता संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा, दाधाल
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी, सायला * प्रतिष्ठान : पूजा सिल्वर, विजयवाडा

पुण्य सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी वाटिका

लाभार्थी

संघवी शा. किशोरकुमार

संघवी श्रीमती पूजादेवी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु : शा. किशोरकुमार-श्रीमती पूजादेवी, शा विक्रमकुमार-श्रीमती प्रीतिदेवी
पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही
बेटा-पोता संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा, दाधाल
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी, सायला * प्रतिष्ठान : पूजा सिल्वर, विजयवाडा

तप सम्राट गुरु श्री शान्ति विजयजी वाटिका

लाभार्थी

संघवी शा. विक्रमकुमार

संघवी श्रीमती प्रीतिदेवी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु : शा. किशोरकुमार-श्रीमती पूजादेवी, शा विक्रमकुमार-श्रीमती प्रीतिदेवी
पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही
बेटा-पोता संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा, दाधाल
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी * प्रतिष्ठान : पूजा सिल्वर, विजयवाडा

गुरुमैया श्री लावण्य-सूर्य-किरणाश्रीजी वाटिका

संघवी शा. किशोरकुमार

संघवी शा. क्रिशकुमार

लाभार्थी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु :
शा. किशोरकुमार-श्रीमती पूजादेवी, शा विक्रमकुमार-श्रीमती प्रीतिदेवी
पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही
बेटा-पोता संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा, दाधाल
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी
प्रतिष्ठान : पूजा सिल्वर, विजयवाडा

गुरु राजेन्द्र प्याऊ

लाभार्थी

श्रीमती ममतादेवी झोटा

श्रीमती कंचनदेवी कबदी

सायला (राज.) निवासी

संघवी श्रीमती मंजुदेवी-माँगीलालजी फोलामुथा

पुत्र-पुत्रवधु : शा किशोरकुमार-पूजादेवी, शा. विक्रमकुमार-प्रीतिदेवी
पौत्र-पौत्री : क्रिशकुमार, वीरांशकुमार, परी, माही,
संघवी शाह छोगालालजी वरदाजी फोलामुथा परिवार
पुत्री-जवाँई : श्रीमती ममतादेवी-कान्तिलालजी झोटा-दाधाल,
श्रीमती कंचनदेवी-धरणेन्द्रकुमारजी कबदी-सायला

श्री राज चन्दन मंजु वाटिका

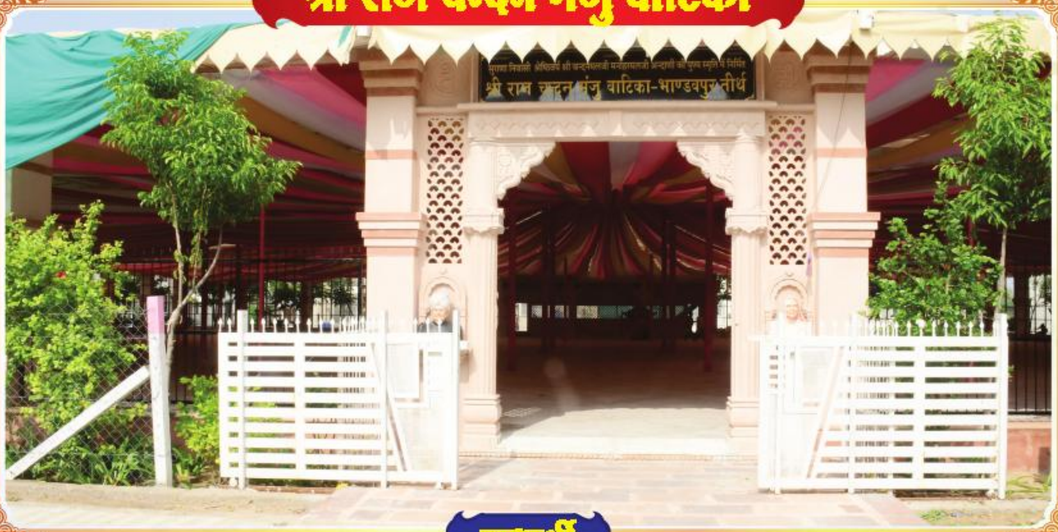

लाभार्थी

स्व. चन्दनमलजी अंदाणी

श्रीमती मंजुदेवी अंदाणी

श्रेष्ठिवर्य श्री चन्दनमलजी मनोहरमलजी अंदाणी की पुण्य स्मृति में निर्मित
शा. चम्पालाल, दुदमल, गुटराज, सूरजमल, राजेशकुमार, रमेशकुमार, दिलीपकुमार,
मुकेशकुमार, विनोदकुमार, संजयकुमार,
विक्रमकुमार, नाईसकुमार, अमनकुमार, राहुल, साहिल, सचित,
वीरम, लकी (विकी) हित, हनिश

बेटा पोता शा. मनोहरमलजी वस्तीमलजी अंदाणी, सुराणा

पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेनसूरि प्याऊ

लाभार्थी

ललितकुमार गोवाणी

मंजुदेवी गोवाणी

चौराऊ (राज.) निवासी
स्व. हरकचन्दजी, केशरीमलजी, देवीचन्दजी, पुखराजजी, छगनराजजी, मोहनलालजी,
विजयराजजी, मीठालालजी, सुरेशकुमारजी, भेरुलालजी, ललितकुमारजी के शुभ भावनानुसार
शा. माँगीलाल, नेमीचन्द, उत्तमचन्द, रमेशकुमार, चन्दनमल, नरपतकुमार,
प्रवीणकुमार, कैलाशकुमार, मदनलाल, दिनेश, राकेश, महेन्द्र, संजय, विक्रम, रतन,
प्रदीप, राजेन्द्र, कल्पेश, महावीर, प्रिन्स, निखिल, अक्षय, साजन, अभिषेक, हिमांशु, यश,
यशवन्त, राहुल, नमन, हार्दिक, खुश, मोक्ष, दिलखुश, वैभव, नयन, हर्षिल, हितांश, प्रणील, जयन्त, रुतबा, रुहान, विहान,

शा. छगनराजजी, हरकचन्दजी, जोमताजी गोवाणी, नागोत्रा सोलंकी परिवार

श्री वर्धमान राजेन्द्र प्याऊ

लाभार्थी

पिताश्री कुन्दनमलजी मलाणी

मातुश्री बदामीबाई मलाणी

चौराऊ (राज.) निवासी
मातुश्री बदामीबाई स्व. कुन्दनमलजी, भ्राता बाबुलालजी की पुण्यस्मृति में
पुत्र-पुत्रवधु : भवरलाल-पवनीदेवी, कान्तीलाल-प्रकाशदेवी * पौत्र-पौत्रवधु : हरीश-रेखा, आकाश-कविता, चेतन-शिल्पा,
पुत्री-जमाईशा : पुष्पावती-शान्तीलालजी, मन्जुला नेमीजन्दजी, शकुन्तला-मफतलालजी
पौत्री-जमाईशा : टिना-कैलाशजी, शिल्पा-श्रीपालजी, सोनम-विक्रमजी, मोनिका-दिपकजी
* परपौत्र कुलदिप, आदी, मेरु, हितांश, आगम, ध्यान * परपौत्री : दिया, भूमि, जयना, याशी, भवी, देशना, शारवी, आस्था

समस्त छत्रगोता मलाणी परिवार

प्रतिष्ठान : शा. कुन्दनमल गणेशमल एन्ड ब्रधर्स, हुबली

श्री शान्तिगुरु प्याऊ

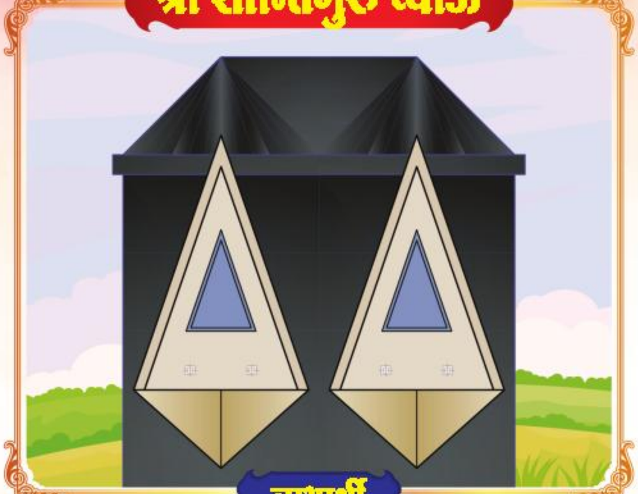

लाभार्थी

रमेशकुमार चौपडा

महेन्द्रकुमार चौपडा

मेंगलवा (राज.) निवासी

पूज्य मातुश्री सुबटीदेवी पूज्य पिताश्री फुसालालजी कंकुचौपडा

पुत्रवधु : राजुदेवी मीठालाल, शांतिदेवी कांतिलाल,

कलावंतीदेवी रमेशकुमार, कलावंतीदेवी महेन्द्रकुमार

पौत्रवधु : रेखादेवी विक्रमकुमार, संतोषदेवी अशोककुमार, दर्शनादेवी हरीशकुमार, पूनमदेवी लेखराज, खुशबुदेवी पंकजकुमार, अंबिकादेवी चेतनकुमार, पूजादेवी अंकेशकुमार, आशादेवी आकाशकुमार

पौत्र : साहिलकुमार * पुत्री : सुशमा, हीना, अविता * परपौत्री : कृतिका, क्रिया, हीया, लिशा

परपोत्र : विनीत, हार्दिक, ध्रुव, लक्ष, वियुष, तनिष्क, कियांश

समस्त फुसालालजी छोगाजी कंकुचौपडा परिवार

प्रतिष्ठान : चोपडा ब्रधर्स, सायला * कॉन्सप्ट, अहमदाबाद * मनखुश, बेंगलौर * मनखुश एन.एक्स., बेंगलोर * नेमि मनखुश, बैंगलोर * मायरा, बैंगलोर

पूज्य आचार्यभगवंत आदि श्रमण-श्रमणीवृन्द का सन् २०२० का वर्षावास का सम्पूर्ण लाभ

सुराणा निवासी

श्रीमती मुन्नीदेवी चम्पालालजी पुखराजजी पिथाजी पालगोता चौहान परिवार ने लिया

प.पू.भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक सूरिमंत्र आराधक, पूज्य आचार्यदेवेश श्रीमद् विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि मुनि मण्डल एवं साध्वीजी श्री अरुणप्रभाश्रीजी म.सा. आदि श्रमणीवृन्द का सन् २०२१ का चातुर्मास एवं पर्युषण पर्व आराधना आदि सम्पूर्ण लाभ

साँचोर निवासी

श्रेष्ठीवर्य श्रीमान् दुदाजी चन्दाजी कटारिया संघवी परिवार ने लिया

तीर्थ विकास सहयोगी एवं प्रतिष्ठा महोत्सव शुभेच्छक

* शा. भारमलजी उकचन्दजी वेलडिया, नेनावा
* श्री राजेन्द्रसूरि त्रिस्तुतिक जैन संघ, जोधपुर
* श्रीमती सुन्दरभाई टीलचन्दजी कावेडी, भीनमाल
* शा. अनराजजी सिरेमलजी कटारिया संघवी, साँचोर
* शा. सूरजमलजी खुमाजी गाँधीमुथा, सायला

श्री तीर्थ विकास निधी (फण्ड़) लाभार्थी

शा. शाहजी शाह श्री सुमेरमलजी जुगराजजी	पाँथेड़ी
शा. शाहजी शाह श्री मदनराजजी जावँतराजजी	पाँथेड़ी
शा. भँवरलालजी तेजाजी संघवी	कोमता
शा. कानराजजी रामजीजी हुकमाणी	पाँथेड़ी
शा. कुन्दनमलजी जेठाजी हुकमाणी	पाँथेड़ी
शा. कालूचन्दजी साँकलचन्दजी हुकमाणी	पाँथेड़ी
शा. जुगराजजी मुन्नीलालजी ओबाणी	पोषाणा
शा. भँवरलालजी सरेमलजी नीमाणी	पोषाणा
शा. सुमेरमलजी हंजाजी ओबाणी	पोषाणा
शा.पृथ्वीराजजी दूदमलजी निमाणी	पोषाणा
शा. दरगचन्दजी हरकाजी संकलेचा	मेंगलवा
शा. माणकचन्दजी छोगाजी बालगोता	मेंगलवा
शा. भँवरलालजी हरकाजी संकलेचा	मेंगलवा
शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता	मेंगलवा
शा. पारसमलजी साँवलचन्दजी बालगोता	मेंगलवा
शा. मूलचन्दजी सुखराजजी बालगोता	मेंगलवा
शा. जीतमलजी देवाजी पालगोता चौहान	ऐलाणा
शा. अशोककुमारजी जेठमलजी बागरेचा	जीवाणा
शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा	सुराणा
शा. चम्पालालजी मनोहरमलजी अंदाणी	सुराणा
शा. चन्दनमलजी हिराचन्दजी झोटा	दाधाल
शा. बाबूलालजी छगनाजी बालगोता	मेंगलवा
शा. अशोककुमारजी शान्तिलालजी संकलेचा	मेंगलवा
शा. सुमेरमलजी नरसाजी बालगोता	मेंगलवा
शा. नेमीचन्दजी नागराजजी झोटा	दाधाल
शा. लालचन्दजी छतरमलजी झोटा	दाधाल
शा. संघवी नेमीचन्दजी मिश्रीमलजी गुलेच्छा	जीवाणा
श्रीमती विजूदेवी स्व.शा. भँवरलालजी बालगोता	मेंगलवा
शा. पारसमलजी मिश्रीमलजी संघवी	दाधाल
शा. मानमलजी वीरमाजी संघवी	दाधाल
शा. मनोहरमलजी सांकलचन्दजी वाणीगोता	तिलोड़ा
शा. मीठालालजी हरकचन्दजी गोवाणी	चौराऊ
शा. राणमलजी हीम्मताजी श्रीश्रीश्रीमाल	दाधाल
शा. बाबूलालजी मिश्रीमलजी बागरेचा	जीवाणा
शा. घेवरचन्दजी वस्तीमलजी गुलेच्छा	जीवाणा
श्री दीयावट पट्टी जैन संघ-मुम्बई ह.श्री हिराचंदजी सेठ	मुम्बई
शा. गेबचन्दजी शिवराजी छत्रियावोरा	जीवाणा
स्व. मातुश्री आचीबाई लालचन्दजी पालगोता चौहान	दासपां
शा. रमेशचन्दजी मिश्रीमलजी बालगोता	मेंगलवा
श्रीमती सूआबाई रुपचन्दजी रांका	उम्मेदाबाद(गोल)

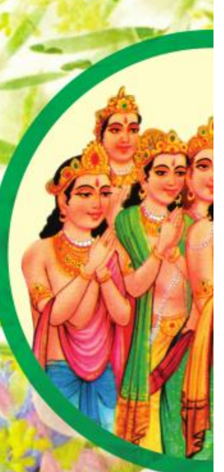

श्री तीर्थ विकास निधी (फण्ड़) लाभार्थी

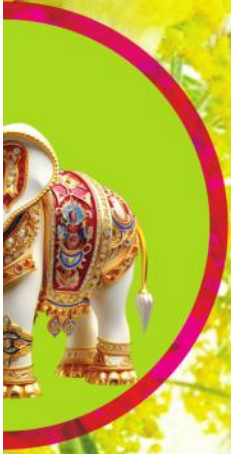

✱ शा. छगनलालजी रुपचन्दजी रांका	उम्मेदाबाद (गोल)
✱ शा. हरकचन्दजी सांवलचन्दजी बाफना	थलवाड़
✱ शा. नैनमलजी साहेबचन्दजी बालगोता	मेंगलवा
✱ श्रीमती चंचलदेवी नैनमलजी बालगोता	मेंगलवा
✱ शा. राकेशकुमारजी दलिचन्दजी मुणोत	तिलोड़ा
✱ शा. घेवरचन्दजी भारताजी फोलामुथा	सायला
✱ शा. कुन्दनमलजी मिश्रीमलजी बागरेचा	आहोर
✱ शा. धनराजजी चुन्नीलाली तातेड़	भीनमाल
✱ शा. चन्दनलालजी नगराजजी बाफना	थलवाड़
✱ श्रीमती पानीदेवी गणेशमलजी हुकमाणी	पाँथेड़ी
✱ शा. गणेशमलजी लालाजी हुकमाणी	पाँथेड़ी
✱ शा. मेघराजजी साहेबचन्दजी बालगोता	मेंगलवा
✱ शा. सेठ मांगीलालजी सुमेरमलजी लुंकड़	उम्मेदाबाद (गोल)
✱ शा. देवीचन्दजी माणकचन्दजी वर्धन	भीनमाल
✱ श्रीमती कुंकुमदेवी रिखबचन्दजी संघवी	बाकरा
✱ शा. प्रकाशचन्दजी रिखबचन्दजी संघवी	बाकरा
✱ शा. उत्तमचन्दजी रिखबचन्दजी संघवी	बाकरा
✱ शा. खेतमलजी नरसाजी श्रीश्रीश्रीमाल	दाधाल
✱ शा. जुहारमलजी कीनाजी संकलेचा	मेंगलवा
✱ शा. सुरेन्द्रकुमारजी घेवरचन्दजी रांका	उम्मेदाबाद (गोल)
✱ शा. जेठमलजी कीनाजी संकलेचा	मेंगलवा
✱ शा. कुम्बराजजी सोनमलजी बाफना	पाँथेड़ी
✱ शा. उम्मेदमलजी वस्तीमलजी बोहरा	सायला
✱ शा. इन्द्रमलजी जूठाजी बालगोता	मेंगलवा
✱ श्रीमती कंकूदेवी दरगचन्दजी संकलेता	मेंगलवा
✱ श्रीमती हेमलतादेवी कान्तिलालजी कबदी	सायला
✱ श्रीमती खम्मादेवी भँवरलालजी डामराणी	मेंगलवा
✱ श्रीमती हिरादेवी पीरचन्दजी ढेलडीयामुथा	चौराऊ
✱ श्री शंखेश्वर नवकार पूनम ग्रुप, ह. जुगराजजी	मुम्बई (भीनमाल)
✱ शा. सोहनराजजी हीम्मताजी ओखाणी	राजनगर (ऊनडी)
✱ शा. मांगीलालजी अनराजजी पालगोता चौहान	राजनगर (ऊनडी)
✱ शा. धनराजजी पुखराजजी ओखाणी	राजनगर (ऊनडी)
✱ शा. मीठालालजी सरदारमलजी ओबाणी	पोषाणा
✱ श्रीमती झीणीदेवी मानमलजी ओबाणी	पोषाणा
✱ शा. चम्पालालजी सरेमलजी विशाणी	पोषाणा
✱ शा. जेठमलजी देवाजी भंड़ारी	सुराणा
✱ शा. जयन्तिलालजी सुखराजजी संघवी	आलासण
✱ श्रीमती पवनीदेवी चम्पालालजी गुलेच्छा	जीवाणा
✱ शा. विजयराजजी सोनमलजी वाणीगोता	तिलोड़ा
✱ शा. मांगीलालजी मिश्रीमलजी छत्रगोता	सायला

श्री तीर्थ विकास निधी (फण्ड़) लाभार्थी

✻ शा. खुशालचन्दजी गेबाजी ड़ामराणी	मेंगलवा
✻ शा. कान्तिलालजी गेबाजी ड़ामराणी	मेंगलवा
✻ शा. राजमलजी नैनमलजी गोवाणी	चौराऊ
✻ श्रीमती सुकीदेवी वीनाजी पटियात	धानसा
✻ श्री शंखेश्वर दर्शन जैन संघ-भायखला	मुम्बई
✻ श्रीमती मथरादेवी भँवरलालजी नागोत्रा सोलंकी	चौराऊ
✻ श्रीमती बदामीदेवी सूरजमलजी बरमेशा	नगर
✻ श्रीमती फूलीदेवी जेठमलजी बरमेशा	नगर
✻ शा. हिराचन्दजी रताजी संकलेचा	मेंगलवा
✻ शा. ड़ायालालजी दुदमलजी संकलेचा	मेंगलवा
✻ शा. गणेशमलजी तोलाजी मिठडिया वोरा	राजनगर(ऊनड़ी)
✻ शा. तगराजजी हिम्मताजी संकलेचा	मेंगलवा
✻ शा. मीठालालजी उम्मेदमलजी कंकुचोपड़ा	मेंगलवा
✻ श्री दियावट जैन संघ-दियावट	दियावट
✻ श्रीमती सुशीलादेवी कपूरचंदजी दोशी	भीनमाल
✻ श्री ओसवाल जैन संघ	बाड़मेर
✻ सेठ रिखबचंद मुन्नीलाल जैन चेरिटेबल ट्रस्ट	उम्मेदाबाद(गोल)
✻ शा. मोहनलालजी वस्तीमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. रणमलजी मनोहरमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. डुंगरमलजी वस्तीमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. कान्तिलालजी मिश्रीमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ श्रीमती बगीदेवी घेवरचन्दजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. अशोककुमारजी सोमतमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. सोमतमलजी पारसमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ शा. बाबूलालजी पारसमलजी मुणोत	तिलोड़ा
✻ स्व. निशाकुमारी चम्पालालजी कबदी	सायला
✻ शा. शिवराज, दुदमल, पुनमचन्दजी कबदी	सायला
✻ श्रीमती अमरतीदेवी हंजारीमलजी सोफाडीया	रेवतड़ा
✻ श्री सीमंधर मुनिसुव्रत राजेन्द्र जैन संघ	बेंगलोर
✻ शा. अशोककुमारजी भंवरलालजी कबदी	सायला
✻ श्रीमती भँवरीदेवी भँवरलालजी कबदी	सायला
✻ श्रीमती हंजादेवी केसरीमलजी गोवाणी	चौराऊ
✻ श्रीमती बदामीदेवी कुन्दनमलजी छात्रगोता	चौराऊ
✻ श्रीमती सूकीदेवी पुखराजजी गोवाणी	चौराऊ
✻ शा. संघवी पारसमलजी केवलचन्दजी मेहता	जालोर
✻ श्रीमती प्रेमलतादेवी केसरीमलजी हुण्डिया	दासपा
✻ शा. मॉंगीलालजी फूलाजी गांधीमुथा	धुम्बडीया
✻ श्रीमती नावीदेवी मिश्रीमलजी बालगोता	मेंगलवा
✻ शा. रिकबचंदजी ऊकाजी बाफना	थलवाड़
✻ शा. जाँमतराजजी जेराजी भंसाली	पाँथेड़ी

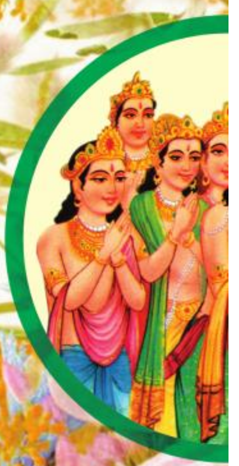

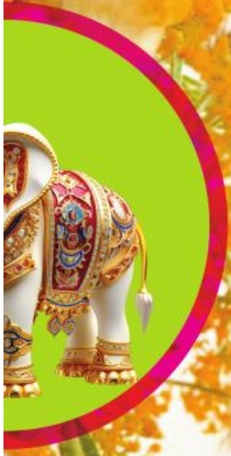

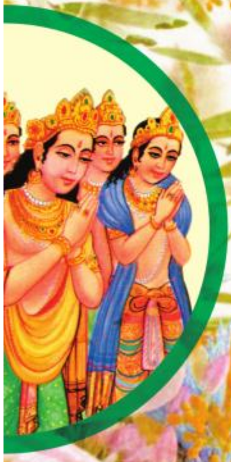

श्री तीर्थ विकास निधी (फण्ड़) लाभार्थी

* शा. कान्तिलालजी सुमेरमलजी भंसाली	पाँथेड़ी
* शा. मुथा नरपतराजजी समरथमलजी गुलेच्छा	जीवाणा
* स्व.श्रीमती सुआदेवी तिलोकचंदजी चोवटीया	मेंगलवा
* शा. जीतमलजी रिखबचन्दजी श्रीश्रीपत बोराणा	पाँथेड़ी
* श्रीमती शांतीदेवी जुहारमलजी संकलेचा	मेंगलवा
* शा. मांगीलालजी भोमराजजी संकलेचा	मेंगलवा
* शा. हस्तीमलजी भबूतमलजी पालगोता चौहान	सुराणा
* श्रीमती फेन्सीदेवी सुखराजजी कबदी	धानसा
* शा. सुखराजजी चमनाजी कबदी	धानसा
* शा. बाबूलालजी छगनराजजी ओबाणी	पोषाणा
* शा. सुरजमलजी छगनराजजी ओबाणी	पोषाणा
* श्री दुर्गा ईन्डस्ट्रीज (शा.चम्पालालजी पीराजी मुथा-चौराऊ)	हैदराबाद
* शा. तिलोकचन्दजी गेमाजी कागरेचा	ओटवाड़ा
* स्व.शा. जोमतराजजी धनराजजी पालगोता चौहान	सुराणा
* श्रीमती सुआदेवी जोमतराजजी पालगोता चौहान	सुराणा
* श्रीमती गुलाबीदेवी रिकबचंदजी कागरेचा	ओटवाड़ा
* शा. भीकमचन्दजी पुष्पकुमारजी गेबाजी संकलेचा	मेंगलवा
* शा. वसन्तकुमारजी भीमराजजी बंदामुथा	ऐलाणा
* शा. शेषमलजी भीमराजजी झोटा	दाधाल
* शा. पारसमलजी फूलचन्दजी छाजेड़	बिशनगढ़
* शा. देवीचन्दजी नरसाजी बागरेचा	मेंगलवा
* शा. पुखराजजी जेठाजी ओबाणी	पोषाणा
* श्रीमती शांतीदेवी सुमेरमलजी ओबाणी	पोषाणा
* श्रीमती विजूदेवी ताराचन्दजी ओबाणी	पोषाणा
* शा. देरामचन्दजी सिरेमलजी गांधीमुथा	वाली
* शा. चम्पालालजी प्रेमचन्दजी रांका	उम्मेदाबाद(गोल)
* श्री साधर्मिक भाई	सायला
* श्रीमती रेखाबेन चम्पकलालजी जोगाणी	खिमत
* शा. वख्तावरमलजी पारसमलजी बागरेचा	मेंगलवा
* स्व. संघवी श्रीमती तीखीदेवी पेराजमलजी रतनपुरावोरा	मोदरान्
* शा. सुमेरमलजी सरूपाजी बाफना	कोरा
* शा. सुरेशकुमारजी रूपराजजी ओखाणी	राजनगर (ऊनड़ी)
* श्रीमती शांतीदेवी कस्तुरचंदजी चौपड़ा	भीनमाल
* शा. स्व. पारसमलजी गुलराजजी छत्रियावोरा	सुराणा
* शा. मंगलचन्दजी गुलराजजी छत्रियावोरा	सुराणा
* श्रीमती अन्नपूर्णदेवी मनोहरमलजी डामराणी	मेंगलवा
* मुथा शा. जोगराजजी प्रमोदकुमारजी कवाड़	जेतपुर-सुरत
* शा. चन्दाजी वेलाजी कटारिया संघवी परिवार	जाखल-साँचोर

श्री धार्मिक आयोजन के सेवाभावी

* अंबिका टेन्ट हाउस	श्री पारसजी जैन	जालोर
* शिवलाईट डेकोरेशन	श्री थानाराम प्रजापत	बागरा
* विश्वकर्मा टेन्ट हाउस	श्री मुकुनजी सुथार	सुमेरपुर
* शुभम् साउन्ड	श्री कमलेशजी श्रीमाली	बागरा
* श्री नाकोडा स्टुडिओ	श्री सुरेशजी पारीक (राजीव पारीक -रघुनन्दन पारीक)	भीनमाल
* आई.टी एन्ड मेनेजमेन्ट कार्य	श्री श्रीपालजी पारीक	जोधपुर
* समाचार संवाददाता	श्री सुखदेवसिंह राजपुरोहित	जीवाणा
* भाग्य केटर्स	श्री नेनाराम देवासी	सियाणा
* हिमपुष्प मिनरल वाटर	श्री हिम्मतमलजी भण्डारी	ऐलाणा
* फूल नेट सज्जा	श्री भँवर बागवान	भीनमाल
* दीप सज्जा-प्रभु अंगरचना	श्री गोविन्दभाई रामावत	भूति
* काजी ट्रावेल्स	श्री पोलुखाँजी जालोर	जालोर
* गजराज	श्री नारायणभाई रावल	अनादरा
* पंकज फोटो स्टुडिओ	श्री चम्पकभाई त्रिवेदी	थराद
* बेनर फ्लेक्स	श्री हरीशभाई देवासी-कमलश्री	भीनमाल
* जैनम् ग्राफिक्स	श्री नितिन शाह, श्री मयुर शाह	अहमदाबाद
* गुरुदेव कम्प्यूटर	श्री श्रवण महात्मा	जालोर
* श्री सोनी ट्रावेल्स	अहमदाबाद डेली सर्विस	पादरु
* श्री राजेश्वर ट्रावेल्स	अहमदाबाद डेली सर्विस	जीवाणा
* श्री पिन्टु जैन	अहमदाबाद डेली सर्विस प्रतिनिधि	मेंगलवा
* संगीतकार	श्री नरेन्द्रभाई वाणीगोता	भीनमाल-मुंबई
* संगीतकार	श्री दीपक करणपुरिया	प्रतापगढ
* संगीतकार	श्री त्रिलोक मोदी	प्रतापगढ-अहमदाबाद
* विधिकारक	श्री विरलभाई सी. शाह	रामसीण
* मारवाडी साफा हाउस	श्री हस्ताराम चौधरी	जीवाणा
* उद्घोषक	श्री अशोक गाँधी	बागरा
* चिकित्सा सेवा	श्रीमती विमलाजी	

श्री तत्त्वत्रयी प्रतिष्ठोत्सव में प्रदत्त
तन-मन-धन से सेवा सहयोग की
अनन्तशः अनुमोदना ।
- श्री दियावटपट्टी युवा जैन संघ
- दियावट पट्टी

पेढी के स्थाई सेवाभावी

* प्रबंधक : श्री अशोककुमार सेठिया, भीनमाल
* मेनेजर : श्री रमेशजी गाँधी, डूडसी
* सह मेनेजर : श्री लखमाराम प्रजापत, कालंद्री
* भोजनशाला मेनेजर : श्री कमलेश जैन, वीरवाडा
* मुख्य पुजारी : श्री नरेशभाइ जैन, डुमा (गुज.)
* कोम्प्यूटर प्रभारी : श्री हितेश सुथार, तखतगढ
* रसोया : श्री रगाराम पुरोहित, पादरा
  श्री कालुराम प्रजापत, पादरा
  श्री अनिल रावल, सियाणा
  श्री धुंसाराम रबारी, तालियाना

विकास-निर्माण सेवाभावी

* **श्री स्थापत्य शिल्प निर्देशक**
  श्री मनोजभाई सोमपुरा - बिरामी
  सहयोगी-श्रीललितभाई रणजीतभाई
  (श्री सोहनराजजी हेमराजजी सोमपुरा)
* **तीर्थ प्रारुप एवं भवन निर्माण निर्देशक**
  इंजिनियर श्री संजीवजी भारद्वाज
  आबू रोड - अहमदाबाद
* **मन्दिर पत्थर घडाई ठेकेदार**
  श्री सरुपारामजी देवासी - तेलपुर
  जुडाई-घडाई निरीक्षक, सावलाराम देवासी
  मोतीराम देवासी, गणेशाराम देवासी
  रामाराम गरासिया
* **आंगन गलीचा**
  असलमभाई व सलीमभाई - मकराणा
* **मन्दिर घिसाई**
  श्री प्रकाशभाई देवासी - पालडी
* **मन्दिर दरवाजा जोडी - भंडार**
  श्री सोनाराम झाट - बाडमेर
* **रत्नजडित आँगी रचना - छत्र**
  श्री राजेशभाइ पंचाल - अहमदाबाद
  श्री मुकेशभाइ सोनी - मलाड - मुंबई
* **मूर्ति, परिकर निर्माण**
  श्री जय प्रकाशजी प्रजापत - जयपुर
  श्री जैन श्वेताम्बर मूर्ति भंडार - जयपुर
* **आगम स्वर्णाक्षर खुदाई**
  श्री शैलेन्द्र - सुरत
* **दण्ड-ईडा निर्माण**
  श्री मोहनजी सुथार - कोलीवाडा
* **मूर्तिपर लेख खुदाई**
  श्री प्रदीपसिंह - इन्दौर
* **भवन निर्माण सेवाभावी**
  श्री मावजीभाई सुथार - कंसारी (डीसा)
  श्री जीतुभाई प्रजापत - जैसलमेर
  श्री गणेशाराम परिहार - भाण्डवपुर
  श्री हकीमखान - कोसेलाव
  श्री मूलाराम हुकमाराम चौधरी - बाडमेर
  श्री देवराज मीणा - जालोर
  श्री सुन्दरभाई - अहमदाबाद
  श्री चेनाराम राणाराम सुथार - शेरगढ
  श्री बच्चुभाई सोलंकी - अहमदाबाद
  श्री गणेशारामजी मेघवाल - बागोडा
  श्री चुन्नीलालजी सुथार - बालवाडा
  श्री शकुरखान - भीनमाल
  श्री उमरखान - भीनमाल
  श्री जयन्तिलालजी सुथार - जुजाणी - गुढानालो तान
  श्री भँवर साँवलाराम सुथार, आहोर
  फतेह ग्रेनाईट - जालोर
  श्री सुन्दर कुमावत - जयपुर

आवासीय सहयोगी

* श्री 72 जिनालय तीर्थ, भीनमाल
* श्री कोठारी कीर्तिस्तंभ, भीनमाल
* श्री महावीरजी मंदिर, भीनमाल
* श्री शान्तिपुरम्, माण्डोली
* श्री नन्दीश्वर द्वीप, जालोर
* श्री कंचनगिरी विहार, जालोर
* श्री राजेन्द्रसूरि जैन दादावाडी, जालोर
  (श्री हेमगिरी धर्मशाला)
* श्री कलापूर्ण विहार, केशवणा
* श्री जहाज मन्दिर, माण्डवला
* श्री गोडी पार्श्व राजेन्द्र मातुश्री धाम, आकोली
* श्री वर्धमान जीवदया गौशाला तुरा गाला, सायला
* श्री शिव गौशाला, भाण्डवपुर
* श्री समस्त ग्रामवासी, भाण्डवपुर
* श्री चन्द्रलोक जैन तीर्थ, मेंगलवा
* श्री नाकोडा पार्श्वनाथ जैन तीर्थ, मेवानगर
* श्री राजेन्द्र ईष हेमेन्द्र धाम, नाकोडा तीर्थ

सहयोगी श्री संघ

- श्री थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ, थरादतीर्थ
- श्री पंच महाजन समस्त जैन संघ, जीवाणा
- श्री पंच महाजन समस्त जैन संघ, मेंगलवा
- श्री पंच महाजन समस्त जैन संघ, सुराणा
- श्री पंच महाजन समस्त जैन संघ, सायला
- श्री थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ, अहमदाबाद

श्री भाण्डवपुर तीर्थ विकास कार्य के परम सहयोगी

- श्री प्रवीणभाइ मोरखिया, डीसा (लवाणा)
- श्री पंकज बालड, मनोज बालड, पादरु
- श्री रमेशकुमारजी एम. बालड, मेंगलवा
- श्री बाबुलालजी टी. वाणीगोता, बागोडा
- श्री नेमीचन्दजी गोवाणी, चोराऊ
- संघवी श्री माँगीलालजी फोलामुथा, सायला
- श्री सुमेरमलजी चौपडा, सायला
- श्री नरपतराजजी मुथा, सुराणा
- श्री काजुमलजी संघवी, कोमता
- श्री पारसमलजी धारीवाल, बाडमेर
- श्री रमेशकुमारजी सेठ, गोल, जालोर
- श्री माँगीलालजी सोफाडिया, रेवतडा
- श्री तरुणजी सोलंकी वकील, जालोर
- श्री राजेन्द्रजी कच्छवाह वकील, जालोर
- श्री विनोदकुमारजी शाहजी, जालोर
- लेखाधिकारी (सी.ए.)
- श्री राजेन्द्रजी सिंघवी, जोधपुर
- श्री चन्दुजी जैन, जसोल, सायला
- श्री कुशलराजजी छत्रिया बोहरा, सुराणा
- श्री कान्तिलालजी हुकमाणी, पाँथेडी
- श्री महेन्द्रभाई चौपडा, मेंगलवा, सायला

श्री उद्यापन आयोजक समिति, भाण्डवपुर तीर्थ

- शा. दाडमचन्दजी सरेमलजी संघवी, कोमता
- शा. कानराजजी फुलचन्दजी बन्दामुथा, पाँथेडी
- शा. कान्तिलालजी पारसमलजी संघवी, दाधाल
- शा. चम्पालालजी ओटमलजी छत्रियावोरा, सुराणा
- शा. प्रकाशकुमारजी माँगीलाल संकलेचा, मेंगलवा
- शा. डायालालजी खेताजी गुलेच्छा, जीवाणा
- शा. मनोहरमलजी साँकलचन्दजी वाणीगोता, तिलोडा
- शा. सन्तोषकुमारजी हीराचन्दजी श्रीश्रीमाल, पोषाणा
- शा. सुरेशकुमारजी रुपराजजी ओकाणी, राजनगर (उनडी)
- शा. माँगीलालजी सुमेरमलजी सेठ, उम्मेदाबाद (गोल)
- शा. विक्रमकुमारजी माँगीलालजी फोलामुथा, सायला
- शा. नेमीचन्दजी छगनराजजी गोवाणी, चौराऊ
- शा. ओटमलजी धर्मचन्दजी संघवी, आलासन
- श्री वस्तीमलजी कपूरचन्दजी बाफना-थलवाड
- श्री सुरेशकुमारजी तिलोकचन्दजी कागरेशा, ओटवाल

प्रशंसनीय सहयोग

- जालोर जिला एवं सायला तहसील के समस्त प्रशासनिक अधिकारी गण
- ग्राम पंचायत भाण्डवपुर के वर्तमान सरपंच श्रीमती मुनियाकँवर एवं समस्त पूर्व सरपंच गण
- प्रशासनिक कार्य संपादन, श्री प्रतापसिंहजी राव, भीटवाडा (पाली)

बिजली, पानी, नर्मदानीर, सड़क, चिकित्सा, शिक्षा आदि जनकल्याणकारी सुविधा के सहयोगी

* श्री बुटासिंहजी, पूर्व गृहमंत्री, भारत सरकार
* श्री सुरजपालसिंहजी, पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री अर्जुनसिंहजी देवड़ा, पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री देवजीभाई पटेल, सांसद-जालोर-सिरोही
* श्री जोगेश्वरजी गर्ग, विधायक-जालोर
* श्री पुखराजजी पाराशर, मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री पुरारामजी चौधरी, विधायक, भीनमाल
* श्री ओटारामजी देवासी भोपाजी, पूर्वमंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री भूपेन्द्र देवासी, पूर्व बोर्ड चेरमेन, राजस्थान सरकार
* श्री रामलालजी मेघवाल, पूर्व विधायक, जालोर
* श्रीमती अमृता मेघवाल, पूर्व विधायक, जालोर
* श्री अमीचन्दजी जैन, पूर्व अध्यक्ष, जालोर जिला, भा.ज.पा.
* श्री प्रमोदजी जैन, भाया, पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री गुलाबचन्दजी कटारिया, पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री रणछोड़भाई रायका, पूर्व मंत्री, गुजरात सरकार
* श्री पारसजी जैन, पूर्व मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार
* श्री मेघराजजी जैन, पूर्व राज्यसभा, सांसद (म.प्र.)
* श्री संयमजी लोढा, पूर्व विधायक, सिरोही
* श्री रतनजी देवासी, पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार
* श्री सोहनलाल यति, पूर्व अध्यक्ष, सिणदरी भा.ज.पा. मंडल
* श्री सुरेशजी बोहरा, भीनमाल
* श्री रमेशजी सेठ, गोल, जालोर
* श्री सम्पतजी लोढा, जयपुर
* श्री डायालालजी कोठारी, अनापुर
* श्री तेजराजजी मेहता, भीनमाल, पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका, भीनमाल
* श्री साँवलारामजी देवासी, पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका, भीनमाल
* श्री रामप्रकाशजी चौधरी, पूर्व प्रधान, सायला

श्री माण्डवपुर तीर्थ का मुखपत्र

यतीन्द्रवाणी (हिन्दी) पाक्षिक

सम्पादक : पंकज बी. बालड | सहसम्पादक : कुलदीप ''प्रियदर्शी''

गुरुगच्छ एवं जिनशासन प्रभावक समाचार घर बैठे पढ़िये।

सम्पर्क : श्री राजेन्द्र शान्ति विहार-मोटेरा, साबरमती, अहमदाबाद

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढी ट्रस्ट

क्रम	पद	पदाधिकारी एवं सदस्य गण	निवासी
1	कार्यकारी अध्यक्ष	शा. रमेश कुमार मनोहरमलजी शाहजी	पाथेडी
2	उपाध्यक्ष	शा. जुगराज कुम्बाजी बाफना	राजनगर (उनडी)
3	कोषाध्यक्ष	शा. दुदमल मिश्रिमलजी पालगोता चौहान	सुराणा
4	मंत्री	शा. काजूमल ओटमलजी संघवी	कोमता
5	सदस्य	शा. नेनमल साहेबचन्दजी बालगोता	मेंगलवा
6	सदस्य	शा. जुगराज गुटराजजी छत्रियवोरा	सुराणा
7	सदस्य	शा. मदनलाल राणमलजी श्रीश्रीश्रीमाल	दाधाल
8	सदस्य	शा.पृथ्वीराज दूधमलजी निमाणी	पोषाणा
9	सदस्य	शा.मीठालाल नेनमलजी संकलेचा	मेंगलवा
10	सदस्य	शा. ललित कुमार गेबीचन्दजी जैन	जीवाणा

श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय (ट्रस्ट) संघ

क्रम	पद	पदाधिकारी एवं सदस्य गण	निवासी
1	कार्यकारी अध्यक्ष	शा. मूलचन्द सुखराजजी बालड	मेंगलवा
2	उपाध्यक्ष	शा. पारसमल हीराचन्दजी झोटा	दाधाल
3	कोषाध्यक्ष	शा. दाडमचन्द जुगराजजी ओबाणी	पोषाणा
4	मंत्री	शा. मदनराज गेबचन्दजी छत्रियावोरा	जीवाणा
5	सदस्य	शा. सरूपचन्द बाबुलालजी संकलेचा	मेंगलवा
6	सदस्य	शा. नरपतराज सरेमलजी गॉधीमुथा	सुराणा
7	सदस्य	शा. कान्तिलाल सॉकलचन्दजी हुकमाणी	पाथेडी
8	सदस्य	शा.भानममल मुल्तानमलजी बाफना	पाथेडी
9	सदस्य	शा. अशोक कुमार गेबीचन्दजी गुलेच्छा	जीवाणा
10	सदस्य	शा. बाबुलाल घेवरचन्दजी मुणोत	तिलोडा
11	सदस्य	शा. उत्तमचन्द खुशालचन्दजी डामराणी	मेंगलवा
12	सदस्य	शा. डायालाल मनोहरमलजी वाणीगोता	तिलोडा
13	सदस्य	शा. सूरजमल मनोहरमलजी अंदाणी	सुराणा
14	सदस्य	शा. भेरूलाल मॉगीलालजी पालगोता चौहान	राजनगर (उनडी)
15	सदस्य	शा. राजीवकुमार पृथ्वीराजजी झोटा	दाधाल

ध्वजारोहण विधि

प्रातः स्नात्र पूजा के पश्चात् सत्तरभेदी पूजा प्रारम्भ करके नवमी ध्वजपूजन पश्चात् पूज्य गुरु भगवन्त हो तो उनके मुख से मन्त्रोच्चारण के साथ ध्वजा पर वासक्षेप करावें अन्यथा कोई व्रतधारी श्रावक सात बार निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ ध्वजा पर वासक्षेप करें।

मन्त्र : ॐ ह्रीं श्रीं ठः ठः ठः स्वाहा।

पश्चात् सौभाग्यवती बहिन थाल के साथ ध्वजा को सिर पर रखकर झालर की झणकार के साथ जिनालय या मूल गम्भारे की तीन प्रदक्षिणा दें। अगर जिनालय या मूल गम्भारे की प्रदक्षिणा अशक्य हो तो त्रिगड़े (सिंहासन) की तीन प्रदक्षिणा देकर शिखर पर जावें। शिखर पर, नूतन ध्वजारोहण हो तब तक नीचे प्रभु के सन्मुख स्तवन चलते रहें।

ऊपर पूजा हेतु पाटे के साथ थाली में निम्न सामग्री साथ में ले जावें।

प्रक्षाल का पानी, अंगलूछना, चन्दन, वासक्षेप, धूप-दीप, कुंकुं, फूल, सुपारी, अक्षत, नैवेद्य, फल, घण्टी, दर्पण, अबीर, गुलाल, मींढल, मरडासींग, डाभका घास, नागरवेल का पाँच पान, दो फूल की मालाएँ, चान्दी का सिक्का, चामर, बरास, मौली, माटी की कुलड़ी में दशांग धूप व झणकार के लिए थाली - वेलण अथवा लकड़ी। दूसरी थाली में लगभग सवा किलो बाकला जिसमें उड़द, चना, मूँग, गेहूँ, ज्वार, चावल, सरसों, नारियल का टुकड़ा, शक्कर, सुपारी का टुकड़ा व लाल करण का फूल मिश्रित हों व पाँच महामन्त्र नवकार के उच्चारण के साथ वासक्षेप किया हुआ हो, उसे ले जाना।

ऊपर शिखर पर जाकर निम्न मन्त्रोच्चार के साथ दशों दिशाओं में दशों दिशाओं के अधिपति देवों को बाकला अर्पण करना।

पूर्व दिशा सन्मुख :

ॐ नमो इन्द्रदेवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजा-रोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ- आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण - गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

अग्नि दिशा सन्मुख :

ॐ नमो अग्नि देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री ....प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण - गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

दक्षिण दिशा सन्मुख :

ॐ नमो यमदेवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजा-रोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण - गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

नैऋत्य दिशा सन्मुख :

ॐ नमो नैऋत्य देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ - आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण- गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

पश्चिम दिशा सन्मुख :

ॐ नमो वरुण देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय ....नगर श्री ....प्रभु प्रासादे

ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण- गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

वायव्व दिशा सन्मुख :

ॐ नमो वायव्व देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ—आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण- गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

उत्तर दिशा सन्मुख :

ॐ नमो कुबेर देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा वलिं गृहाण-गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

ईशान दिशा सन्मुख :

ॐ नमो ईशान देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण- गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

उर्ध्व दिशा सन्मुख :

ॐ नमो ब्रह्मदेवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजा- रोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ-आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण - गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

अधो दिशा सन्मुख :

ॐ नमो नागेन्द्र देवाय सायुधाय सवाहनाय सपरिवाराय .... नगरे श्री .... प्रभु प्रासादे ध्वजारोहण विधि महोत्सवे श्री संघ गृहे अत्र आगच्छ - आगच्छ अत्र तिष्ठ तिष्ठ पूजा बलिं गृहाण- गृहाण स्वाहा। पश्चात् जल व चन्दन के छांटणों के साथ पुष्प, धूप, दीप करते हुए झालर की झणकार करना।

उक्त मन्त्रोच्चारण के साथ दशों दिशाओं के अधिपति देवों को बाकला अर्पण करने के पश्चात् पुरानी ध्वजा नवकार मन्त्रोच्चारण के साथ उतारी जाय।

ध्वजा उतारने के पश्चात् ध्वजादण्ड व कलश की निम्न प्रकार मन्त्रोच्चारण के साथ पूजा करें।

जलं समर्पयामि स्वाहा : ध्वजादण्ड व कलश का अभिषेक करें। अंगलूछना करके

चन्दनं समर्पयामि स्वाहा : ध्वजादण्ड व कलश पर चन्दन का छांटणा करें।

पुष्पं समर्पयामि स्वाहा : ध्वजादण्ड व कलश पर पुष्प चढ़ावें।

धूपमाघ्रापयामि स्वाहा : ध्वजादण्ड व कलश को धूप करें।

दीपं दर्शयामि स्वाहा : ध्वजादण्ड व कलश को दीप करें।

अक्षतं समर्पयामि स्वाहा : पाटे पर चावल का स्वास्तिक करें।

नैवेद्यं समर्पयामि स्वाहा : पाटे पर स्वस्तिक पर नैवेद्य चढ़ावें।

फलं समर्पयामि स्वाहा : पाटे पर स्वस्तिक पर फल चढ़ावें व चान्दी का सिक्का चढ़ावें।

पश्चात् ध्वजा दण्ड के एक पर्व में मींडल, मरडासींग, डाभका घास व नागर वेल का पाँच पान बाँधना |

पश्चात् बारह नवकार गिन के ॐ पुण्याहं - पुण्याहं, प्रीयंताम् - प्रीयंताम् बोलते हुए झालर की झणकार के साथ नई ध्वजा चढ़ाना व ॐ ह्रीं श्रीं ठः ठः ठः स्वाहा मन्त्रोच्चारण के साथ ध्वजा पर वासक्षेप करते हुए केशर - चन्दन का छांटणा करना।

ध्वजा चढ़ाने के पश्चात् कलश व ध्वजा दण्ड पर फूलों का हार चढ़ाना। अबीर, गुलाल, कुंकुम दशों दिशाओं में उछालना व बड़ी शान्ति का पाठ करना।

नोट : 1. कई स्थानों पर शान्ति पाठ में वर्तमान चौबीस तीर्थंकर भगवन्तों का स्मरण किया जाता है। 2. कई स्थानों पर शान्ति पाठ में वर्तमान तीर्थंकर भगवन्तों, उनके माता-पिता एवं यक्ष-यक्षिणी के साथ अतीत व भावी तीर्थंकर भगवन्तों का स्मरण किया जाता है |

अतः यहाँ दोनों पाठ दिये हैं ताकि अपनी-अपनी सुविधा - मतानुसार स्मरण कर लाभ ले सकें।

श्री बृहच्छान्ति स्तोत्रम्

(१. मंगलाचरण-मन्दाक्रान्ता छंद)

भो भो भव्याः ! शृणुत वचनं प्रस्तुतं सर्वमेतद्,
ये यात्रायां त्रिभुवन-गुरो-रार्हता भक्तिभाजः,
तेषां शान्तिर्भवतु भवता-मर्हदादि प्रभावादारोग्य
श्री - धृति - मति - करी क्लेश - विध्वंसहेतुः १

(२. पीठिका)

भो भो भव्यलोका ! इह हि भरतैरावत-विदेहसंभवानां समस्त-तीर्थ-कृतां जन्मन्यासन-प्रकम्पानन्तरमवधिना विज्ञाय, सौधर्माधिपतिः सुघोषाघण्टा-चालनानन्तरं सकल-सुरासुरेन्द्रैः सह समागत्य, सविनय-मर्हद्भट्टारकं गृहीत्वा गत्वा कनकाद्रि-शृङ्गे, विहित-जन्माभिषेकः शान्तिमुद्घोषयति, यथा ततोऽहं कृतानुकारमिति कृत्वा "महाजनो येन गतः स पन्थाः," इति भव्यजनैः सह समेत्य, स्नात्रपीठे स्नात्रं विधाय शान्ति-मुद्घोषयामि तत्पूजा-यात्रा-स्नात्रादि-महोत्सवा-नन्तरमिति कृत्वा कर्णं दत्वा निशम्यतां निशम्यतां स्वाहा. २

(३. शांतिपाठ)

ॐ पुण्याहं पुण्याहं प्रीयन्तां प्रीयन्तां भगवन्तोर्हन्तः सर्वज्ञाः सर्वदर्शिनस्त्रिलोकनाथास्त्रिलोकमहितास्त्रिलोकपूज्या-स्त्रिलोकेश्वरास्त्रिलोकोद्योतकराः ३

ॐ ऋषभ-अजित-संभव-अभिनन्दन-सुमति-पद्मप्रभ-सुपार्श्व-चन्द्रप्रभ-सुविधि-शीतल-श्रेयांस-वासुपूज्य-विमल-अनन्त-धर्म-शान्ति-कुन्थु-अर-मल्लि-मुनिसुव्रत-नमि-नेमि-पार्श्व-वर्द्धमानान्ता जिनाः शान्ताः शान्तिकरा भवन्तु स्वाहा. ४

ॐ मुनयो मुनिप्रवरा रिपु-विजय-दुर्भिक्ष-कान्तारेषु दुर्गमार्गेषु रक्षन्तु वो नित्यं स्वाहा. ५

ॐ श्री ह्री धृति-मति-कीर्ति-कान्ति-बुद्धि-लक्ष्मी-मेधा-विद्या-साधन-प्रवेश-निवेशनेषु सुगृहीत-नामानो जयन्तु ते जिनेन्द्राः ६

ॐ रोहिणी-प्रज्ञप्ति-वज्रशृंखला-वज्रांकुशी-अप्रतिचक्रा-पुरुषदत्ता-काली-महाकाली-गौरी-गान्धारी-सर्वास्त्रा-महाज्वाला-मानवी-वैरुट्या-अच्छुप्ता-मानसी-महामानसी षोडश विद्यादेव्यो रक्षन्तु वो नित्यं स्वाहा. ७

ॐ आचार्योपाध्याय-प्रभृति-चातुर्वर्णस्य श्रीश्रमणसंघस्य शान्तिर्भवतु तुष्टिर्भवतु पुष्टिर्भवतु. ८

ॐ ग्रहाश्चन्द्र-सूर्यांगारक-बुध-बृहस्पति-शुक्र-शनैश्चर-राहु-केतु-सहिताः सलोकपालाः सोम-यम-वरुण-कुबेर-वासवादित्य-स्कन्द-विनायकोपेता ये चान्येपि ग्राम-नगर-क्षेत्रदेवतादयस्ते सर्वे प्रीयन्तां प्रीयन्तां अक्षीण-कोश-कोष्ठागारा नरपतयश्च भवन्तु स्वाहा. ९

ॐ पुत्र-मित्र-भ्रातृ-कलत्र-सुहृत्-स्वजन-सम्बन्धी-बंधुवर्ग-सहिता: नित्यं चामोद-प्रमोद-कारिण: (भवंतु स्वाहा) १०

अस्मिंश्च भूमंडले आयतन-निवासि-साधु-साध्वी-श्रावक-श्राविकाणां रोगोपसर्ग-व्याधि-दु:ख-दुर्भिक्ष-दौर्मनस्योपशमनाय

शान्तिर्भवतु. ११

ॐ तुष्टि-पुष्टि-ऋद्धि-वृद्धि-मांगल्योत्सवा:, सदा प्रादुर्भूतानि पापानि शाम्यन्तु दुरितानि, शत्रव: पराङ्मुखा भवन्तु स्वाहा. १२

(४. श्री शांतिनाथ स्तुति-अनुष्टुप)

श्रीमते शान्तिनाथाय, नम: शान्ति-विधायिने;
त्रैलोक्यस्यामराधीश - मुकुटाभ्य-र्चितांघ्रये. १
शान्ति: शान्तिकर: श्रीमान्, शान्तिं दिशतु मे गुरु:
शान्तिरेव सदा तेषां, येषां शान्तिर्गृहे गृहे. २

(गाथा)

उन्मृष्ट-रिष्ट-दुष्ट,-ग्रह-गति-दु:स्वप्न-दुर्निमित्तादि,
संपादित-हित-संपन्न-नामग्रहणं जयति शान्ते: ३

(५. श्री शांति-व्याहरण गाथा)

श्री संघ-जगज्जनपद,-राजाधिप-राजसन्निवेशानां,
गोष्ठिक-पुरमुख्याणां, व्याहरणै-र्व्याहरेच्छान्तिम्. ४

श्रीश्रमणसंघस्य शान्तिर्भवतु, श्रीजनपदानां शान्तिर्भवतु,
श्रीराजाधिपानां शान्तिर्भवतु, श्रीराजसन्निवेशानां शान्तिर्भवतु,
श्रीगोष्ठिकानां शान्तिर्भवतु, श्रीपौरमुख्याणां शान्तिर्भवतु,
श्रीपौरजनस्य शान्तिर्भवतु, श्रीब्रह्मलोकस्य शान्तिर्भवतु.

(६. आहुतित्रयम्)

ॐ स्वाहा ॐ स्वाहा ॐ श्रीपार्श्वनाथाय स्वाहा.

(७. विधि-पाठ)

एषा शान्ति: प्रतिष्ठा-यात्रा-स्नात्राद्यवसानेषु शान्तिकलशं गृहीत्वा कुंकुम-चन्दन-कर्पूरागरु-धूपवास-कुसुमांजलि-समेत: स्नात्र-चतुष्कियां श्रीसंघसमेत: शुचिशुचि-वपु: पुष्प-वस्त्र-चन्दनाभरणालंकृत: पुष्पमालां कण्ठे कृत्वा शान्तिमुद्घोषयित्वा शान्तिपानीयं मस्तके दातव्यमिति.

(८. प्रास्ताविक-पद्यानि-उपजाति)

नृत्यन्ति नृत्यं मणि-पुष्प-वर्षं, सृजन्ति गायन्ति च मंगलानि
स्तोत्राणि गोत्राणि पठंति मन्त्रान्, कल्याणभाजो हि जिनाभिषेके १

(गाथा)

शिवमस्तु सर्वजगत:, परहितनिरता भवन्तु भूतगणा:
दोषा: प्रयान्तु नाशं, सर्वत्र सुखी भवतु लोक: २
अहं तित्थयर-माया, सिवादेवी तुम्ह नयर-निवासिनी
अम्ह सिवं तुम्ह सिवं, असिवोवसमं सिवं भवतु स्वाहा ३

(अनुष्टुप)

उपसर्गा: क्षयं यान्ति छिद्यन्ते विघ्नवल्लय:
मन: प्रसन्नतामेति पूज्यमाने जिनेश्वरे ४
सर्वमंगल-मांगल्यं, सर्वकल्याण-कारणम्
प्रधानं सर्वधर्माणां, जैनं जयति शासनम् ५

दीपावली पूजन

(जैन विधि)

पूजन की तैयारी व सामग्री

1) पूजा हेतु श्री महावीर स्वामी, गौतम स्वामी, दादा गुरूदेव व सरस्वती, लक्ष्मी आदि की तस्वीरें, चाँदी के सिक्के (रूपानाणां)।
2) बाजोट - 1, कलश-2, दीपक बड़ा-1, छोटा दीपक-1, धूपिया - 1, कटोरी -2, मिट्टी के दिये, पंचामृत के लिए कटोरा।
3) बहीखाते (आवश्यकतानुसार), कलमें, दवात आदि।
4) श्रीफल, अक्षत, कुंकुम, शुद्धजल, केसर- चंदन, पुष्प, वासक्षेप, धूप, कपास, घी, मिठाईयाँ, फल, अखण्ड पान, लौंग, इलायची, ..., कपूर, पंचामृत (दूध, दही, घी, शक्कर, केसर), लाल वस्त्र।
5) पूजन करने वालों को स्नान करके शुद्ध वस्त्र पहनने चाहिए।
6) शुभ मुहूर्त में तस्वीरें, नई बहियाँ, दस्तरी, कलमें (पेन), दवात आदि साफ किए हुए बाजोट पर पूर्व या उत्तर दिशा में स्थापन करना चाहिए।
7) इस पाटे के दाहिनी ओर घृत का दीपक बांई ओर धूप या अगरबत्ती रखनी चाहिए।
8) दीपावली पर्व पर उपवास, आयम्बिल, एकासना आदि शक्तिनुसार तप करना चाहिए।
9) फटाके, आतिशबाजी, आदि का उपयोग न करें। इनसे क्षणिक आनन्द भले ही प्राप्त हो किन्तु अत्यधिक कर्म बंध होता है। यह सर्वथा त्याग्य है।

पूजन विधि

णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं

णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं

णमो लोए सव्व साहूणं, एसो पंच नमुक्कारो, सव्व पावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवई मंगलम्॥

पूजन करने वाले तीन नवकार गिनकर सर्वप्रथम अपनी कलाई में मौली बांथे। इसके बाद नवकार गिनते हुए कलश में मौली बांधकर, शुद्ध जल भरकर, नारियल में मौली बांधकर कलश सहित स्वस्तिक पर स्थापन करें, और नवकार गिनते हुए ही कलम दवात आदि में मौली बांथे। कुमारिका सर्व पूजकों के कपाल पर कुंकुम तिलक और उस अक्षत लगावें।

पंचामृत में रूपामाणां को धोकर उन्हें एक रकाबी (प्लेट) में रखें। नई बही के प्रथम पन्ने पर कुंकुम या चंदन से बड़ा स्वस्तिक बनाकर निम्नानुसार लिखें-

॥ 卐 ॐ अर्हम् नमः 卐 ॥

श्री

श्री श्री

श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री लाभ - 卐 - श्री शुभ

श्री पार्श्वनाथायः नमः । श्री महावीराय नमः ।

श्री सद्‌गुरूभ्यो नमः । श्री सरस्वत्यै नमः ॥

श्री लक्ष्मी देव्यै नमः ।

श्री गौतम स्वामीजी जैसी लब्धि हो ।

श्री केशरियाजी जैसा भंडार भरपूर हो ।

श्री भरत चक्रवर्तीजी जैसी पदवी हो ।

श्री अभयकुमारजी जैसी बुद्धि हो ।

श्री कवयन्नाजी सेठ जैसा सौभाग्य हो ।

श्री बाहुबली जी जैसा बल प्राप्त हो ।

श्री धन्ना - शालिभद्रजी जैसी ऋद्धि हो ।

श्री श्रेयांसकुमार जी जैसी दान वृत्ति हो ।

श्री वीर संवत् 25..... विक्रम संवत् 20... शुभ मिति कार्तिक बदी..... बार.......... तदनुसार दिनांक .... महिना .... सन् 20...... ईस्वी मुहूर्त............

इसके बाद उपरोक्त स्वस्तिक पर एक नागरबेल का अखंड पान रखें, उस पर सुपारी, इलायची, लौंग, रख कर बही आदि के चारों ओर फिरती शुद्ध जलधारा देकर वासक्षेप अक्षत (चावल) और पुष्प (फूल) मिश्रित कुसुमांजलि हाथ में लेकर नीचे लिखित श्लोक व मंत्र बोल कुसुमांजलि करना ।

श्लोक

मंगलम् भगवान वीरो, मंगलम् गौतम प्रभु ।

मंगलम् स्थूलभद्राद्या, जैनो धर्मोऽस्तु मंगलम् ॥

मंत्र : ॐ आर्यावर्ते अस्मिन् जम्बुद्वीपे दक्षिणार्द्ध भरतक्षेत्रे मध्य-खण्डे भारत देशे .... राज्ये............. नगरे मम गृहे श्री शारदा देवी, लक्ष्मी देवी, आगच्छ- आगच्छ अत्र तिष्ठ- तिष्ठ स्वाहाः ॥

नोट : कुसुमांजलि करने के बाद हाथ जोड़कर एकाग्रचित्त से निम्नलिखित स्तुति बोलना चाहिये।

स्तुति

स्वः श्रियम् श्रीमद्ऽर्हन्तः सिद्धाः सिद्धि पुरीपदम् ।
आचार्याः पंचाचार, वाचकां वाचनां वराम् ।।1।।
साधवः सिद्धि साहाय्यं वितन्वन्तु विवेकिनाम् ।
मंगलानां च सर्वेषां आद्यं भवति मंगलम् ॥12 ॥
अर्हमित्यक्षरं माया, बीजं च प्रणवाक्षरम् ।
एवं नाना स्वरूपं च, ध्येयं ध्यायन्ति योगिनः ।।3।।
हृत्पद्मषोडश दल, स्थापितं षोडशाक्षरम् ।
परमेष्ठि स्तुतेर्बीज, ध्यायेदक्षरदं मुदा ।।4।।
मंत्राणामादिमं मंत्र, तन्त्रं विघ्नोघ निग्रहे ।
ये स्मरन्ति सदैवेनं, ते भवन्ति जिनप्रभाः ।।5।।

नोटः स्तुति बोलने के बाद नीचे लिखा हुआ मंत्र बोलते हुए आठों द्रव्यों (जल, चंदन, केशर, पुष्प, धूप, दीप, अक्षत, नैवेद्य और फल) से क्रमशः आठ बार शारदा देवी व लक्ष्मी देवी का पूजन करें।

1) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै, लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "जलं" समर्पयामि स्वाहाः ॥
2) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "चंदनं" समर्पयामि स्वाहा: ।।
3) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "पुष्पं" समर्पयामि स्वाहाः ॥
4) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "धूपं" आघ्रापयामि स्वाहाः ॥
5) ॐ ह्रीं श्रीं भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "दीपं" दीपंदर्शयामि स्वाहाः ॥
6) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "अक्षतं" दर्शयामि स्वाहाः ॥
7) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "नैवेद्यं" समर्पयामि स्वाहाः ॥

8) ॐ ह्रीं श्री भगवत्यै, केवलज्ञान स्वरूपायै लोकालोक प्रकाशिकायै, सरस्वत्यै, लक्ष्मीदेव्यै "फलं" समर्पयामि स्वाहाः ॥

इसके पश्चात् जितने भी पूजक उपस्थित हों सब खड़े होकर हाथ जोड़कर सरस्वती एवं लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

अनुभूत सिद्ध सारस्वत स्तव

सकल लोक सुसेवितपत्कजा, वर यशोर्जित शारदा कौमुदी ।
निखिल कल्मष नारान तत्परा, जयतु सा जगतां जननी सदा ।।1।।
कमल गर्भ विराजित मुर्धना, मणिकिरीट सुशोभित मस्तका ।
कनक कुंडल भूषित कर्णिका, जयतु सा जगतां जननी सदा ।।2।।
बसु हरिद्रज संस्नपितेश्वरी, विधृत सोमकला जगदीश्वरी ।
जलज पत्र समान विलोचना, जयतु सा जगतां जननी सदा ।।3।।
निजसुधैर्य जिताभर-भूधरा, निहित पुष्कर वृंदल सत्करा ।
सुदितार्क सहत्तनु बल्लिका, जयतु सा जगतां जननी सदा ।।4।।
विविध वांछित कामदुधाद्भुता, विशद पद्म हृदान्तर वासिनी ।
सुमतिसागर वर्धन चन्द्रिमा, जयतु सा जगतां जननी सदा ।।5।।

(द्रुतविलम्बितवृत्तम्)

कलमराल विहङ्गमवाहना, सितदुकूल विभूषण भूषिता ।
प्रणतभूमिरुहामृत-सारिणी, प्रवरदेहविभावरधारिणी ।।1।।
अमृतपूर्ण कमण्डलुधारिणी त्रिदशदानव मानव सेविता ।
भगवती परमैव सरस्वती, मम पुनातु सदा नयनाम्बुजं ॥2॥
जिनपति प्रथिता खिलवाङ्गमयी, गणधराननमण्डपनर्तकी ।
गुरुमुखाम्बुजखेलनहंसिका, विजयते जगति श्रुत देवता ॥3॥
अमृतदीधितिबिम्बसमाननां त्रिजगती जननिर्मित माननाम् ।
नव- रसामृतवीचिसरस्वती, प्रमुदितः प्रणमामि सरस्वतीम् ।।4।।
वितत केतक पत्रविलोचने, विहितसंसृतिदुष्कृतमोचने ।
धवलपक्षविहङ्गमलांछिते, जय सरस्वती, पूरितवाँछिते ॥5॥
भवदनुग्रहलेश तरंगिताः, तदुचितं प्रवदन्ति विपश्चितः ।
नृपसभासु यतः कमलाबला, कुचकला ललनानि वितन्वते ।।6।।

गतधना अपि हि त्वदनुग्रहात्, कलित कोमलवाक्यसुधोर्मयः ।
चकितबालकुरंगविलोचना, जनमनांसि हरन्तितरां नरः ।।7।।
करसरोरुहखेलनचंचला, तवविभाति वराजपमालिका ।
श्रुतपयोनिधिमध्यविकस्वरो, ज्वलतरंगकलाग्रह साग्रहा ॥8॥
द्विरद केसरि मारिभुजंगमा, सहनतस्कररराजरु जांभयम् ।
तव गुणावलिगानतरंगिणां न भविनां भवति श्रुतदेवते ॥9॥

(स्त्रग्धरावृत्तम्)

ॐ ह्रीं क्लीं ब्लूं ततः श्रीं तदनुहसकलं ह्रीं अथो ऐं नमोऽन्ते ।
लक्षं साक्षाज्जपेद् यः किलशुभ विधिना सत्तपा ब्रह्मचारी ।।
निर्यान्तीं चन्द्रबिम्बात् कलयति मनसा त्वां चंद्रिकाभ्याम् ।
सोऽत्यर्थं वह्निकुण्डे विहितघृतहुतिः स्याद्दशांसेन विद्वान् ।।10।।

(शार्दूलविक्रीडित वृत्तम्)

रें रे लक्षण - काव्य-नाटक-कथा चम्पू-समालोकने ।
क्वायासं वितनोषि बालिश! सुधा किं नम्रवक्त्राम्बुजः ।।
भक्त्याऽराधय मंत्रराजसहसा तेनाऽनिशं भारतीं ।
येन त्वं कविता- वितान-सविताऽद्वैत-प्रबुद्धायसे ।।11।।
चंच्चन्द्रमुखी प्रसिद्ध महिमा स्वच्छन्द्यराज्यप्रदाऽ ।
नायासेन सुरासुरेश्वर गणैरभ्यर्चिता भावतः ।।
देवी संस्तुतवैभवा मलयजा लेपांग- रागद्युतिः ।
सा मां पातु सरस्वती भगवती त्रैलोक्य संजीवनी ।।12।।

(द्रुतविलम्बितवृत्तम्)

स्तवनमेतदनेकगुणान्वितं पठति यो भविकः प्रमुदाः प्रगे ।
स सहसामधुरैर्वचनामृतै, र्नृपगणानपि रंजयति स्फुटम् ।। 13 ।।

श्री लक्ष्मी स्तोत्र

नमोऽस्तुते महालक्ष्मी, महासौख्यप्रदायिनी ।
सर्वदा देहि मे द्रव्यं, दानाय मुक्ति हेतवे ॥1॥
धनं धान्यं धरां हर्ष, कीर्तिमायुर्यशः श्रियम् ।
तुरंगान दंतिनः पुत्रान्, महालक्ष्मी प्रयच्छ मे ।।2।।
यन्मया वांछितम् देवी, सत्सर्व सफलं कुरु ।
न बाध्यतां कुकर्माणि, संकटान्मे निवारय ॥3॥

ध्यान

सुन्दर आरोग्य निवास करे दृढ़ तन में ।
आशा उत्साह उमंग भरे शुचि मन में ।।
हो अनुचित योग-प्रयोग न धन साधन में ।।1।।
उत्कृष्ट उच्च आदर्श जले जीवन में ।।2।।
तम मिटे ज्ञान की ज्योति जगत में छाए ।
प्रभु ! दिव्य दीवाली भव्य भाव भर जाए ।।3।।

नोट: उपरोक्त स्तोत्र बोलने के बाद एक रकाबी (थामी) में दीपक और कूपर जाग्रत कर आरती करनी चाहिए ।

आरती

सकल जिनन्द नाम करी, जिनवाणी, मन लाय ।
सरस्वती लक्ष्मी करुं आरती, आतम गुरु पसाय ।।1।।
ज्ञान जगत में सार है, ज्ञान परम हितकार ।
ज्ञान सूर्य से होत है, दुरित तिमिर अपहार ।।2।।
श्री सरस्वती प्रभाव से, लहे जगत सम्मान ।
ज्ञान बिना पशु सारिखा, पावे अति अपमान ।।3।।
श्रद्धा मूल क्रिया कही, ज्ञान मूल है तास ।
पावे शिव सुख आत्मा, इससे अविचल वास ।।4।।
अष्टमपद विंशति पदे, सप्तम नवपद ज्ञान ।
तीर्थंकर पदवी लहे, आराधक भगवान ।।5।।

आरती के पश्चात निम्नलिखित पाठ पढ़े-

श्री गौतम स्वामी अष्टक

अंगूठे अमृते बसे, लब्धि तणा भंडार ।
श्री गुरु गौतम समरिये, वांछित फल दातार ।।1।।
प्रभु वचने त्रिपदी लहि, सूत्र रचे तेणीवार ।
पूरब मां रचे, लोकालोक विचार ।।2।।
भगवति सूत्रे नमी, बंभी लिपि जयकार ।
लोक लोकोत्तर सुख भणी, भाखी लिपि अढ़ार ।।3।।
वीर प्रभु सुखिया थया, दीवाली दिन सार ।
अन्तर महूरत तत्क्षणे, सुखिया सहू संसार ।।4।।
केवल ज्ञान लहे सदा, श्री गौतम गणधार !
सुरनर पर्षदा आगले, पट अभिषेक उदार ।।5।।
सुरनर पर्षदा आगले, भांखे श्री श्रुतवाण ।
नाण थकी जग जाणिए, द्रव्यादिक चौठाण ।।6।।
ते श्रुतज्ञान ने पूजिये, दीप धूप मनोहार ।
वीर आगम अविचल रहो, वर्ष एकवीस हजार ।।7।।
गुरु गौतम अष्टम कही, आणी हर्ष उल्लास ।
भाव धरी जे समरसे, पूरे सरस्वती आश ।।8।।

उपरोक्त गौतम अष्टक बोलने के बाद में धूप दीप करके एकाग्र चित्त से निम्नलिखित सरस्वती मंत्र की एक, तीन अथवा पांच मालाएं जैसा हो गुणना चाहिए।

सरस्वती मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लीं श्रीं हसकल ह्रीं ऐं नमः ।

इस मंत्र का जाप करने के बाद पूजन में अज्ञानवशात् कोई दोष लगा हो उसके लिए निम्नलिखित श्लोक पढ़ते हुए देवी से क्षमा याचना करनी चाहिए-

क्षमायाचना

ॐ आज्ञाहीनं क्रियाहीनं, मंत्रहीनं च यत्कृतम् ।
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि, प्रसीद परमेश्वरी ! ।।1।।
आव्हानं नैव जानामि, न जानामि विसर्जनम् ।
पूजाऽ चाँ नैव जानामि, क्षमस्व परमेश्वरी ! ।।2।।
अपराधसहस्त्राणि क्रियन्ते नित्याशी मया ।
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि, प्रसीद परमेश्वरी ॥3॥

दीपावली का जाप

(1) ॐ ह्रीं श्री महावीर स्वामी सर्वज्ञाय नमः ।

इस जाप की बीस माला मध्य रात के समय धूप दीप करके फेरना चाहिए ।

(2) ॐ ह्रीं श्रीं महावीर स्वामी पारंगताय नमः ।

इसकी बीस माला रात के 4.00 बजे के पहले-पहले पूरी कर लेनी चाहिए।

(3) ॐ ह्रीं श्री गौतम स्वामी केवलज्ञानाय नमः ।

इसकी बीस माला सूर्योदय से पहले फेरना चाहिए। तत्पश्चात् मंदिर में दर्शन चैत्यवंदन एवं लड्डू चढ़ाने आदि की विधि पूरी करें। इसके बात गुरु महाराज को वंदन करे तथा उनके मुखार बिन्दु से श्री गौतम स्वामी का रास एकाग्रता पूर्वक श्रवण करना चाहिए ।

॥ इति ॥

शान्त, रमणीय, प्राकृतिक सौन्दर्य से युक्त

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

यात्रार्थ दर्शनार्थ अवश्य पधारिये

श्री महावीर बावन जिनालय, श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागममन्दिर,
श्री शाश्वत जिनचैत्य, श्री गणधर पूर्वाचार्य मन्दिर,
श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर, पुण्यसम्राट श्री जयन्तसेनसूरि समाधिमन्दिर,
गुरु श्री शान्तिविजयजी समाधिमन्दिर से सुशोभित
भोजन तथा आवास हेतु वातानुकूलित एवं सामान्य विशाल धर्मशाला,
भोजनशाला, संघ भोजनशाला, कायमी भाति व्यवस्था तथा
विविध धार्मिक आयोजन हेतु विशाल सभाभवन व मंडप की
सुविधा उपलब्ध है...

भोजन, आवास, एवं आयोजन हेतु अग्रिम आरक्षण अवश्य करावें

: निवेदक :

श्री महावीर जैन श्वे. पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
भाण्डवपुर तीर्थ (राज.), जिला जालोर (राज.) 343022
चलभाष : 73400 19703-4-5

श्री भाण्डवपुर राजे
सकल समाजे
वीर बिराजे अतिबंका

Design :
JAINAM GRAPHICS
98258 51730/94264 26510